শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 317 | गुवाहाटी | सोमवार, 17 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आरएसएस और भाजपा फिर से एक साथ मिलकर लड़ेंगे यूपी विस उपचुनाव पेज 2
विष्णुपुर में रैपिड एक्शन फोर्स की भारी तैनाती, स्थिति तनावपूर्ण पेज 3
संसद परिसर में बना प्रेरणास्थल सभी के लिए बनेगा प्रेरणा : ओम बिरला पेज 4
मैं राजस्थान को कृषि क्षेत्र में आगे ले जाने का प्रयास करूंगा : किरोड़ीलाल मीणा पेज 5

अगस्त 2025 तक चालू होगा स्थायी डीसी और सीपी कार्यालय : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि कामरूप (मेट्रो) के जिला आयुक्त तथा पुलिस कमिश्नर का स्थायी कार्यालय 2025 के 15 अगस्त तक गुवाहाटी में चालू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने आज गुवाहाटी के खानापाड़ा में निर्माणाधीन पुलिस कमिश्नर के कार्यालय का निरीक्षण करने के बाद यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 95 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन आठ मंजिला पुलिस कमिश्नर कार्यालय एक वर्ष के अंदर बनकर तैयार हो जाएगा। इसके तैयार हो जाने के बाद गुवाहाटी पुलिस के ट्रैफिक ब्रांच से लेकर पुलिस के सभी कार्यालय एक साथ इसी बिल्डिंग में आ जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस कमिश्नर का कार्यालय पहले पान बाजार में ब्रह्मपुत्र किनारे स्थित था। वहां पार्क बनने के कारण फिलहाल पुलिस कमिश्नर का कार्यालय पान बाजार स्थित -शेष पृष्ठ दो पर

ईवीएम किसी ओटीपी से अनलॉक नहीं होती, न किसी डिवाइस से कनेक्ट : ईसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर ईवीएम का मुद्दा गरमा गया है। मुंबई पुलिस के शिवसेना शिंदे गुट के सांसद रविंद्र वायकर के रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद एक बार फिर ईवीएम को लेकर घमासान मच गया है। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्षी दल के नेता आमने-सामने आ गए हैं। अब विपक्षी नेताओं के आरोपों पर इलेक्शन कमीशन ने प्रेस कांफ्रेंस कर सफाई देते हुए सभी आरोपों को खारिज कर दिया है और कहा कि ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता है। रिटर्निंग ऑफिसर वंदना सूर्यवंशी ने कहा कि आज जो खबर आई उस को लेकर कुछ लोगों ने ट्वीट किए। ईवीएम को अनलॉक -शेष पृष्ठ दो पर

उच्च स्तरीय बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा-

जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद के सफाये के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी सरकार

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य पर आज नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इसकी अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय गृह मंत्री ने एजेंसियों को जम्मू में एरिया डॉमिनेशन प्लान और जीरो टेरर प्लान के माध्यम से कश्मीर घाटी में हासिल की गई सफलताओं को दोहराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराते हुए कहा, जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद के सफाये के लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक दौर में है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई घटनाएं बताती हैं कि आतंकवाद बड़ी संगठित आतंकी हिंसाओं से सिमट कर छद्म लड़ाई तक सीमित होने के लिए मजबूर हो गया है, लेकिन हम इसको भी जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इनोवेटिव तरीकों से आतंकियों पर कार्रवाई कर एक मिसाल बनाने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने सभी एजेंसियों को मिशन मोड में काम करने और समन्वित तरीके से त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने पर बल दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय पर जोर -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा से मुलाकात की

गुवाहाटी। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की और राज्य की खनिज क्षमता का दोहन करने पर चर्चा की। रेड्डी ने कहा कि राज्य में विभिन्न खनिजों का दोहन करने तथा सतत पद्धतियों के साथ विकास की दिशा में उनके अधिकतम उपयोग के रोडमैप पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि दोनों मंत्रियों ने असम में खनिज निकालने पर प्रारंभिक चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट -शेष पृष्ठ दो पर

काजीरंगा में बाढ़ की तैयारियों पर मुख्यमंत्री शर्मा का बड़ा एलान, तीन नई कमांडो बटालियन तैनात

गोलाघाट। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने काजीरंगा के राष्ट्रीय उद्यान में जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नागरिक, पुलिस प्रशासन और काजीरंगा प्राधिकरण के साथ शनिवार को बैठक की। उन्होंने खास तौर से बाढ़ के मौसम में संबंधित पदाधिकारियों को सभी जरूरी कदम उठाने को कहा। सीएम शर्मा ने कहा कि काजीरंगा में तीन नई कमांडो बटालियन तैनात की गई हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राष्ट्रीय राजमार्ग पार करते वक्त हादसों में कोई जानवर न मारा जाए और शिकारी बाढ़ का फायदा उठा जंगली जानवरों का शिकार न कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि बाढ़ के मौसम के दौरान राष्ट्रीय उद्यान में एक नई वन बटालियन के लगभग 600 कर्मियों को भी सेवा में लगाया जाएगा। इस दौरान सीएम ने नदी के पानी के तेज बहाव की वजह से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की भूमि के नुकसान का जायजा लेते हुए वन विभाग, जल संसाधन विभाग और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति ने देशवासियों को दी ईद-उल-जुहा की बधाई

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ईद-उल-जुहा की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी है। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संदेश में कहा है कि ईद-उल-जुहा के अवसर पर मैं सभी देशवासियों और विदेशों में रहने वाले भारतीयों, विशेष रूप से हमारे मुस्लिम भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। ईद-उल-जुहा का पवित्र त्योहार त्याग और बलिदान का प्रतीक है। यह प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश देता है। यह त्योहार हमें मानवता की नि:स्वार्थ सेवा करने के लिए प्रेरित करता है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने संसद प्रांगण में प्रेरणा स्थल का किया लोकार्पण

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने आज संसद भवन परिसर में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश एवं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजु की उपस्थिति में बीजी-7, संविधान सदन के सामने नवनिर्मित प्रेरणा स्थल का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में राज्य सभा एवं लोक सभा के सदस्य भी उपस्थित रहे। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान शिलापट्ट के अनावरण के पश्चात गणमान्यजनों ने प्रेरणा स्थल में स्थापित प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले, मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बिरला ने कहा कि संसद भवन परिसर के अंदर 15 महापुरुषों एवं महान स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएं स्थापित हैं और -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

मैं अलग सोचने वाले युवा लोगों को संदेश देना चाहता हूं कि जिनमें कुछ खोजने का, घूमने का, नामुमकिन को संभव करने का और समस्याओं को जीतने का दम है वे इस मार्ग पर चलना जारी रखें।

\- अब्दुल कलाम

न्यूज गैलरी

भारत ने यूक्रेन शांति सम्मेलन के घोषणापत्र से स्वयं को अलग रखा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने स्विट्जरलैंड में आयोजित यूक्रेन शांति सम्मेलन में जारी संयुक्त वक्तव्य और संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आरएसएस और भाजपा फिर से एक साथ मिलकर लड़ेंगे यूपी विस उपचुनाव

नागपुर। 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने दम पर साधारण बहुमत हासिल करने में विफल रही भाजपा के प्रति नाराजगी के बीच एक बार फिर से आरएसएस और भाजपा उत्तर प्रदेश में मिलकर 10 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले विधानसभा उपचुनाव से पहले फिर से एकजुट होने की तैयारी कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी को आश्चर्यचकित करने के बाद यह उपचुनाव भाजपा के नेतृत्व वाले राजग और सपा-कांग्रेस गुट के बीच दूसरी बड़ी चुनावी लड़ाई होगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात करने की संभावना है जो संघ प्रशिक्षण सत्र के लिए मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र गोरखपुर का दौरा कर रहे हैं। दोनों के बीच यूपी के राजनीतिक हालात और आगे की राह पर चर्चा होने की संभावना है। शुक्रवार को फिर एक वरिष्ठ आरएसएस नेता ने कहा कि भाजपा के अहंकार के कारण उसे लोकसभा में बहुमत गंवाना पड़ा लेकिन एक बार फिर से आरएसएस और भाजपा एक साथ वापस आ गए हैं, संघ के सूत्रों ने बताया कि वैचारिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े दोनों संगठनों के बीच सब कुछ ठीक है। समझा जाता है कि भागवत ने उत्तर प्रदेश में आरएसएस कार्यकर्ताओं को *घर-घर* जाने और सामाजिक समरसता के आरएसएस संदेश का प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया है। आरएसएस सूत्रों ने कहा कि यूपी में जातिवादी राजनीति की। आरएसएस का दृष्टिकोण हमेशा समावेश, सामाजिक सद्भाव और एकजुटता का रहा है। यही संदेश स्वयंसेवकों को आगे बढ़ाना है। हालांकि योगी और भागवत के बीच किसी निर्धारित बैठक के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है, लेकिन योगी के आरएसएस प्रमुख से मिलने की संभावना है, जो रविवार को गोरखपुर में होंगे। दोनों उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव परिणामों पर चर्चा कर सकते हैं, जहां सपा ने 80 में से 37 सीटें जीतीं, भाजपा ने 33 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीतीं। और सबसे बड़े राज्य में भाजपा के घटिया प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। सूत्रों ने कहा कि यह विशेष रूप से सच था क्योंकि भाजपा ने पूर्वी यूपी में बहुत खराब प्रदर्शन किया, जिसे योगी का क्षेत्र माना जाता है। क्षेत्र के 29 संसदीय क्षेत्रों में से इंडिया ब्लॉक को 17 सीटें मिलीं। संघ बिरादरी अब यूपी में अपनी चुनावी रणनीति पर दोबारा विचार करेगी। समझा जाता है कि राज्य भाजपा ने 80 नेताओं को प्रत्येक लोकसभा सीट पर परिणामों की समीक्षा करने और एक रिपोर्ट के साथ लौटने का काम सौंपा है, जिस पर सुधार के लिए चर्चा की जाएगी। बता दें कि भाजपा ने लोकसभा चुनावों में 240 सीटें जीतीं, जो उसके अपने लक्ष्य से काफी कम है, हालांकि इसने व्यापक राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन के लिए 543 में से 293 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया। प्रमुख राज्य जहां प्रदर्शन में गिरावट आई, वह उत्तर प्रदेश था, जहां भाजपा ने 2019 में 62 और 2014 में 71 के मुकाबले 33 सीटें जीतीं।

अज्ञात शव

गुवाहाटी। महानगर के भांगागढ़ फ्लाइओवर के पास एक व्यक्ति की शव बरामद की गई। इसकी जानकारी भांगागढ़ पुलिस को दी गई। पुलिस शव को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ले गई। मृत व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हुई है। मृत व्यक्ति को शव जीएमसीएच के मुर्दाघर में पहचान के लिए रखा गया है।

एनसीईआरटी की किताब से हटा बाबरी मस्जिद का चैप्टर

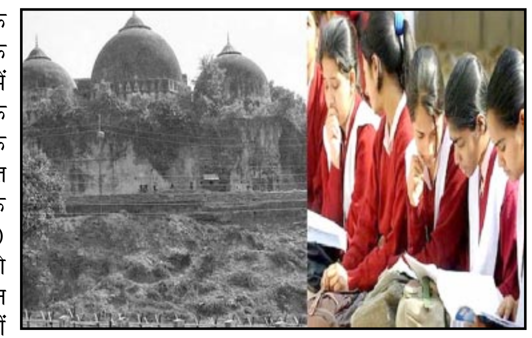

नई दिल्ली। स्कूली पाठ्यक्रम के भगवाकरण के आरोपों को खारिज करते हुए एनसीईआरटी के निदेशक ने कहा है कि स्कूली पाठ्यपुस्तकों में गुजरात दंगों और बाबरी मस्जिद गिराए जाने के संदर्भों को इसलिए संशोधित किया गया, क्योंकि दंगों के बारे में पढ़ाना हिंसक और अवसादग्रस्त नागरिक पैदा कर सकता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने शनिवार को कहा कि पाठ्यपुस्तकों में बदलाव वार्षिक संशोधन का हिस्सा है और इसे शोर-शराबे का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में गुजरात दंगों या बाबरी मस्जिद गिराए जाने के संदर्भ में बदलाव के बारे में पूछे जाने पर सकलानी ने कहा कि हमें स्कूली पाठ्यपुस्तकों में दंगों के बारे में क्यों पढ़ाना चाहिए? हम सकारात्मक नागरिक बनाना चाहते हैं, न कि हिंसक और अवसादग्रस्त व्यक्ति। उन्होंने कहा कि क्या हमें अपने छात्रों को इस तरह से पढ़ाना चाहिए कि वे आक्रामक हो जाएं, समाज में नफरत पैदा करें या नफरत का शिकार बनें? क्या यह शिक्षा का उद्देश्य है? क्या हमें ऐसे छोटे बच्चों को दंगों के बारे में पढ़ाना चाहिए... जब वे बड़े होंगे, तो वे इसके बारे में सीख सकते हैं, लेकिन स्कूल की पाठ्यपुस्तकों में क्यों। बड़ा होने पर उन्हें यह समझने दें कि क्या हुआ और क्यों हुआ। बदलावों के बारे में हंगामा अप्रासंगिक है। सकलानी की टिप्पणियां ऐसे समय आई हैं, जब नई पाठ्यपुस्तकें कई संदर्भ हटाए जाने और बदलावों के साथ बाजार में आई हैं। कक्षा 12 की राजनीति विज्ञान की संशोधित पाठ्यपुस्तक में बाबरी मस्जिद का उल्लेख नहीं है, लेकिन इसे *तीन गुंबद वाली संरचना* के रूप में संदर्भित किया गया है। इसमें अयोध्या खंड को चार से घटाकर दो पृष्ठ का कर दिया गया है और पिछले संस्करण से विवरण हटा दिया गया है। यह इसके बजाय सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर केंद्रित नजर आता है, जिसने उस स्थान पर राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया, जहां दिसंबर 1992 में कारसेवकों द्वारा गिराए जाने से पहले विवादित ढांचा खड़ा था। शीर्ष अदालत के फैसले को देश में व्यापक रूप से स्वीकार किया गया था। अदालत के फैसले को देश में व्यापक तौर पर स्वीकार किया गया। मंदिर में राम मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा इसी वर्ष 22 जनवरी को प्रधानमंत्री द्वारा की गई थी। सकलानी ने कहा कि हम सकारात्मक नागरिक बनाना चाहते हैं और यही हमारी पाठ्यपुस्तकों का उद्देश्य है। हम उनमें सबकुछ नहीं रख सकते। हमारी शिक्षा का उद्देश्य हिंसक और अवसादग्रस्त नागरिक पैदा करना नहीं है। घृणा और हिंसा शिक्षण के विषय नहीं हैं। इन पर हमारी पाठ्यपुस्तकों का ध्यान केंद्रित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 1984 के दंगों की बात पाठ्यपुस्तकों में नहीं होने को लेकर ऐसा ही हंगामा नहीं किया जाता।

केंद्रीय गृहमंत्री से मिली मणिपुर की राज्यपाल उईके

नई दिल्ली/ इंफाल (हिंस)। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच राज्यपाल अनुसुइया उइके ने नई दिल्ली में आज केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने राज्य में मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय में आयोजित इस उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए राज्यपाल को बुलाया गया था। बैठक में राज्यपाल उईके ने मणिपुर की वास्तविक स्थितियों के संबंध में गृहमंत्री को बाड़ीकी से जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मणिपुर की स्थिति को संभालने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

मेडक में सांप्रदायिक तनाव, भाजपा विधायक अरेस्ट, जिले में बंद का आह्वान

हैदराबाद (हि.स.)। तेलंगाना के मेडक जिले में शनिवार को गायों के कथित अवैध परिवहन को लेकर दो समुदायों के बीच झड़प के बाद इलाके में धारा 144 लागू कर दी गई है। हिंसक झड़प के बीच दो निजी अस्पतालों पर पथराव किया गया। ऐसे में उग्र लोगों को रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। हिंसा में कई लोग घायल हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भारतीय युवा मोर्चा और गो संरक्षण समिति के सदस्यों ने शनिवार को देखा कि स्थानीय लोगों का एक समूह बकरीद के अवसर पर शहर के बांग्ला तालाब इलाके में गायों को छिपा रहा था और स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने गायों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके अलावा नरसिखेड इलाके में 150 से ज्यादा गायें हैं और उन्हें भी मुक्त कराने के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा और गोरक्षा समिति के सदस्य वहां गए थे। इसी स्थान की पृष्ठभूमि में वहां मौजूद दूसरे गुट ने उन पर हमला कर दिया। दोनों गुटों ने एक दूसरे पर हमला किया, जिसमें गोरक्षा समिति के सदस्य अरुण को तीन बार चाकू मारा गया। उन्हें तुरंत इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया। परिणामस्वरूप, उनमें से एक समूह ने स्थानीय पुलिस स्टेशन के सामने धरना दिया। बाद में उग्र लोगों ने दो निजी अस्पतालों और एक मेडिकल स्टोर पर पथराव किया। मेडक के रामदास चौराहे और पुराने बस स्टैंड के पास दुकानों में तोड़फोड़ की गई। ऐसे में पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। लाठीचार्ज में युवा मोर्चा के नरसिंगा राव और दो अन्य लोग घायल हो गये। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। इसके बावजूद दोनों गुट के लोग शहर में लाठी-डंडे लेकर घूमते रहे। शहर के कोलीगड्डा में एक समूह ने एक घर पर पत्थरों से हमला किया। फिलहार हिंसाग्रस्त इलाकों में बड़े पैमाने पर पुलिस की तैनाती की गई है। वहीं, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीनिवास ने रविवार को मेडक शहर बंद रखने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि भाजयुमो, गोसंरक्षण समिति और भाजपा के तत्वावधान में बंद जारी रहेगा। ताजा समाचार मिलने तक बंद संपूर्ण रहा और व्यापारिक प्रतिष्ठान सारे बंद रहे। गोशामहल विधायक राजसिंह ने मेडक शहर में झड़प में घायल हुए अरुण राजू से मुलाकात की, जिनका मियापुर के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मौके पर राजा सिंह ने कहा कि अगर मेडक घटना में पुलिस ने सही समय पर कार्रवाई की होती तो यह स्थिति नहीं होती। राजसिंह ने कहा कि उन्होंने पुलिस को पहले ही पूर्व सूचना दिया था कि उनके हत्यारों के पास मवेशी हैं लेकिन पुलिस उनकी सुरक्षा में घोर लापरवाही बरत रही है। उन्होंने कहा कि गौ रक्षकों ने सीधे जाकर उन्हें बचाने की कोशिश की परंतु उन्हें अरेस्ट कर लिया गया। हालांकि विधायक राजसिंह ने आरोप लगाया कि पुलिस ने गौरक्षकों के साथ दुर्व्यवहार किया। राजा सिंह ने पूछा कि अस्पताल के डॉक्टर की कार पर हमला करने वालों पर केस दर्ज हो गया है? राजा सिंह ने आरोप लगाए कि पुलिस हमलावरों के बजाय भाजपा कार्यकर्ताओं और भाजयुमो कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज कर रही है। विधायक राजा सिंह ने तेलंगाना पुलिस पर भी आरोप लगाए।

मेघालय में गुवाहाटी-सिलचर मार्ग भारी भूस्खलन के चलते अवरुद्ध

शिलांग (हिंस)। मेघालय के लुमसुलुम में गुवाहाटी सिलचर मार्ग पर हुए भूस्खलन के कारण गुवाहाटी-सिलचर मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। रविवार को मूसलाधार बारिश के बीच पहाड़ से भारी मात्रा में मिट्टी और चट्टान सड़क पर आ गये। बारिश के बावजूद प्रशासन की ओर से सड़क को खाली कराने का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। शनिवार को भी इससे कुछ ही दूरी पर भूस्खलन दल हुआ था। हालांकि, शनिवार की शाम तक सड़क को खाली करा दिया गया था। एक बार फिर से हुए इस भूस्खलन के कारण सड़क बुरी तरह खराब हो गया है। सड़क के दोनों और भारी संख्या में गाड़ियों की लंबी कतार लग गयी है।

हेरोइन के साथ महिला समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव पुलिस द्वारा हेरोइन के साथ एक महिला समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मोरीगांव के मिकिरभेटा से अमजत अली, सहनाज और फकीर उद्दीन नामक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से हेरोइन से भरा 77 कंटेनर बरामद किया गया।

यूक्रेन : स्विट्जरलैंड में एक मंच पर आए दुनिया के 80 देश

बर्न। स्विस सम्मेलन में दुनिया के अस्सी देशों ने संयुक्त रूप से आह्वान किया कि रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए किसी भी शांति समझौते के लिए यूक्रेन की *क्षेत्रीय अखंडता* को आधार बनाया जाए, हालांकि सम्मेलन में कुछ प्रमुख विकासशील देश इसमें शामिल नहीं हुए हैं। स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। हालांकि इसमें रूस उपस्थित नहीं था। रूस को सम्मेलन में आमंत्रित भी नहीं किया गया था, लेकिन कई उपस्थित लोगों ने आशा व्यक्त की कि वे शांति के रोडमैप पर शामिल हो सकते हैं। रविवार को देशों ने इस बात पर बातचीत फिर से शुरू की कि रूस के दो साल के युद्ध के कारण यूक्रेन से परमाणु सुरक्षा, कैदियों के आदान-प्रदान और खाद्य निर्यात के मुद्दों को कैसे सुलझाया जाए। कई पश्चिमी देशों और इक्वाडोर, सोमालिया और कीनिया सहित अन्य देशों के नेता एक दिन यूक्रेन में शांति कैसी दिख सकती है, इस बारे में अपने दृष्टिकोण को सामने रखने के लिए स्विस रिसॉर्ट बर्गेनस्टॉक में मुलाकात की। कई लोगों को उम्मीद है कि रूस एक दिन इसमें शामिल होगा, लेकिन उनका कहना है कि उसे यूक्रेन के क्षेत्र का सम्मान करने के लिए सहमत होने की आवश्यकता है, जिसका लगभग एक चौथाई हिस्सा उसके कब्जे में है। आयरिश प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने कहा कि यदि हम वैश्विक व्यवस्था की ओर लौटते हैं, जहां संगठन का सिद्धांत *शक्ति ही अधिकार है*, तो आज स्वतंत्र राष्ट्रों के रूप में हम जिस स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं, वह गंभीर खतरे में पड़ जाएगी। यह एक अस्तित्वगत मुद्दा है। विश्लेषकों का कहना है कि दो दिवसीय सम्मेलन का युद्ध को समाप्त करने की दिशा में शायद ही कोई ठोस प्रभाव होगा, क्योंकि इसका नेतृत्व करने वाले और इसे जारी रखने वाले देश, रूस को अभी आमंत्रित नहीं किया गया है। इसका प्रमुख सहयोगी, चीन, जो इसमें शामिल नहीं हुआ। ब्राजील, जो *पर्यवेक्षक* के रूप में बैठक में मौजूद था, ने संयुक्त रूप से शांति की दिशा में वैकल्पिक मार्ग तलाशने की कोशिश की है। इस अवसर पर इतालवी प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने कहा कि वे रूस के साथ बातचीत के लिए *न्यूनतम शर्तें* हैं, जो इस बात का संकेत है कि कीव और मॉस्को के बीच असहमति के कितने अन्य क्षेत्रों को दूर करना कठिन होगा। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने एक दिन पहले बताया कि कैसे उनके समृद्ध खाड़ी देश ने यूक्रेनी और रूसी प्रतिनिधिमंडलों के साथ यूक्रेनी बच्चों को उनके परिवारों के साथ फिर से मिलाने के लिए बातचीत की।

मणिपुर में 3.5 तीव्रता का भूकंप

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के कांगपोकपी इलाके में रविवार की दोपहर बाद 3.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और लोगों में दहशत फैल गई। मणिपुर के कांगपोकपी में रविवार को 13 बजकर 21 मिनट 30 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.5 मापी गई। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

संसद भवन परिसर से मूर्तियां हटाने पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि संसद परिसर के भीतर मूर्तियों को स्थानांतरित करने का निर्णय सत्तारूढ़ शासन द्वारा *एकतरफा* लिया गया था और इसका एकमात्र उद्देश्य महात्मा गांधी और बीआर अंबेडकर की मूर्तियों को उस स्थान पर नहीं रखना था। विपक्षी दल का यह हमला उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा *प्रेरणा स्थल* का उद्घाटन करने से पहले आया है, जिसमें स्वतंत्रता सेनानियों और अन्य नेताओं की सभी मूर्तियां रखी जाएंगी, जिन्हें पहले संसद परिसर में विभिन्न स्थानों पर रखा गया था। कांग्रेस ने मूर्तियों को उनके मौजूदा स्थान से हटाने के फैसले की आलोचना की है, जबकि लोकसभा सचिवालय ने कहा है कि उन्हें अलग-अलग स्थानों पर रखने से आगंतुकों के लिए उन्हें ठीक से देखना मुश्किल हो गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा की वेबसाइट के अनुसार, चित्र और प्रतिमाओं पर संसद की समिति की आखिरी बैठक 18 दिसंबर, 2018 को हुई थी और 17वीं लोकसभा (2019-2024) के दौरान इसका पुनर्गठन भी नहीं किया गया था, जो पहली बार उपसभापति के संवैधानिक पद के बिना काम कर रही थी। उन्होंने कहा कि आज संसद परिसर में प्रतिमाओं के बड़े पुनर्गठन का उद्घाटन किया जा रहा है। स्पष्ट रूप से यह सत्तारूढ़ शासन द्वारा एकतरफा लिया गया निर्णय है। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इसका एकमात्र उद्देश्य महात्मा गांधी और डॉ अंबेडकर की प्रतिमाओं को संसद की वास्तविक बैठक के ठीक बगल में नहीं रखना है - जो शांतिपूर्ण, वैध और लोकतांत्रिक विरोध के पारंपरिक स्थल हैं।

पृष्ठ एक का शेष

अगस्त 2025 तक ...

लोअर असम कमिश्नर कार्यालय में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक लाख 50 हजार वर्ग फीट में बन रहा यह कार्यालय अपने आप में हर सुविधा से सुसज्जित होगा। इस परिसर में गाड़ियों के पार्किंग की भी पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी कुछ देर पहले वे राजधानी के रूपनगर में निर्माणाधीन गुवाहाटी डीसी के कार्यालय भवन का निरीक्षण करके पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी डीसी और पुलिस कमिश्नर का स्थायी कार्यालय तैयार हो जाने के बाद गुवाहाटी में भीड़भाड़ की समस्या भी काफी हद तक कम होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के अन्य के प्रश्नों के भी उत्तर दिए।

ईवीएम किसी ओटीपी ...

करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता है। ईवीएम डिवाइस किसी से कनेक्ट नहीं रहता, अखबार द्वारा पूरी तरह से गलत खबर चलाई गई है। ईवीएम स्टैंडअलोन सिस्टम है। खबर पूरी तरह से गलत है हमने पेपर को नोटिस इशू किया है। 499 आईपीसी के तहत मानहानि का केस भी किया गया है। वंदना सूर्यवंशी ने आगे कहा कि मैंने पेपर के रिपोर्टर को समझाने की कोशिश की थी। आईपीसी की धारा 505 और 499 के तहत उन्हें नोटिस भेजेंगे। गौरव को जो मोबाइल रखने की इजाजत दी गई थी वो उनका खुद का मोबाइल था। पुलिस की जांच के बाद हम इंटरनल जांच करेंगे कि नहीं यह आगे तय किया जाएगा। रिटर्निंग ऑफिसर ने यह भी कहा कि हम कोर्ट ऑर्डर के बिन सीसीटीवी फुटेज किसी को नहीं दे सकते, पुलिस को भी नहीं। ईवीएम कोई प्रोग्राम के लिए नहीं है और न ही इसको हैक किया जा सकता है। इस मामले में इलेक्शन कमीशन की शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की गई है।

जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद ...

देते हुए संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और उनकी सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान देने पर जोर दिया। उन्होंने स्थानीय खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने, सुरंगों का पता लगाने और ड्रोन का मुकाबला करने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को भारत सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि भारत सरकार के प्रयासों से कश्मीर घाटी में आतंकी घटनाओं में महत्वपूर्ण कमी के साथ-साथ बड़े पैमाने पर सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का आना वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार को दिखाता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने जम्मू और कश्मीर में रिकॉर्ड मतदान के साथ लोकसभा चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जम्मू और कश्मीर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की सराहना की। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे, केंद्रीय गृह सचिव, निदेशक, खुफिया सूचना ब्यूरो, सेनाध्यक्ष (नामित) लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के महानिदेशक, जम्मू और कश्मीर के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री जी किशन...

में कहा कि आज केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री, जी किशन रेड्डी ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की। इसमें कहा गया कि शर्मा ने रेड्डी को केंद्रीय मंत्री बनने पर बधाई दी और केंद्र में पिछली भाजपा सरकार के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री के रूप में उनके प्रभावशाली कार्यकाल के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

काजीरंगा में बाढ़ ...

विशेषज्ञों को लेकर एक संयुक्त कार्यदल के गठन का का एलान किया। यह दल सुधारात्मक कदमों की सिफारिश करेगा। 45 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। आधार पर सरकार पार्क में मिट्टी के कटाव के खतरे को दूर करने के लिए उचित कदम उठाएगी। वहीं, शिकारियों को रोकने के लिए काजीरंगा में लगभग 20 समुद्री इंजन वाली नावें लगाई जाएंगी। सरकार जंगली जानवरों की सुरक्षा के लिए बुरा चापोरी क्षेत्र में एक कमांडो बटालियन भी तैनात करेगी। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों की बढ़ती आवक को देखते सीएम ने वन विभाग को पर्यटकों की जानकारी के लिए काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के साथ-साथ राज्य के अन्य राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों की अनूठी खासियतों पर रोशनी डालने वाली एक वीडियो डॉक्यूमेंट्री तैयार करने को कहा।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने ...

उनका देश के इतिहास, संस्कृति एवं स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह उल्लेख करते हुए कि ये प्रतिमाएं संसद भवन परिसर में अलग अलग स्थानों पर स्थित थीं जिससे आगंतुकों को इनके दर्शन करने में कठिनाई होती थी बिरला ने कहा कि सामान्य रूप से आगंतुकों को पता भी नहीं होता था कि संसद भवन परिसर में किन महापुरुषों की प्रतिमाएं कहां स्थापित हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा स्थल के निर्माण का मुख्य उद्देश्य यह है कि संसद परिसर में स्थापित इन प्रतिमाओं को एक स्थान पर एक सुंदर और मनोरम वाटिका में स्थापित किया जाए। इसीलिए यह निर्माण किया गया कि संसद परिसर में आगंतुकों के लिए निर्दिष्ट भ्रमण स्थल का निर्माण हो, यहां आने वाले आगंतुक आएं और एक ही स्थान पर हमारे महापुरुषों का दर्शन करें और उन्हें श्रद्धांजलि दें। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष संसद के नए भवन के लोकार्पण के उपरांत संसद परिसर के सौंदर्यीकरण का कार्य निरंतर चल रहा है। यह उल्लेख करते हुए कि संसद भवन परिसर लोक सभा अध्यक्ष के क्षेत्राधिकार में आता है, उन्होंने कहा कि परिसर जो भी कार्य किए जाते हैं, उसके लिए लोक सभा अध्यक्ष की स्वीकृति आवश्यक होती है। इसी व्यवस्था के तहत प्रतिमाओं को प्रेरणा स्थल पर स्थानांतरित किया गया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संसद भवन परिसर के कायाकल्प की व्यापक योजना में उद्यानों और जल निकायों के साथ एक हरित पट्टी में बदलना, भारत की वनस्पतियों की समृद्ध विविधता और स्वदेशी और मौसमी पौधों को लगाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए, सांसदों को गेट से संसद भवन तक ले जाने के लिए बैटरी चालित वाहनों की शुरुआत की जा रही है। बिरला ने बताया कि यह भी कार्य योजना है कि उन प्रतिमाओं के समीप नई टेक्नोलॉजी के माध्यम से उन महापुरुषों की जीवनगाथा, उनके सन्देश भी आगंतुकों के लिए उपलब्ध हों ताकि सभी को उनके जीवन दर्शन से प्रेरणा मिले, और इसीलिये इस स्थल का नाम प्रेरणा स्थल दिया गया है। उन्होंने कहा कि संसद भवन में बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी भ्रमण के लिए आते हैं। युवा एवं छात्र इन महापुरुषों के जीवन दर्शन से प्रेरणा लें, यही प्रेरणा स्थल बनाने के पीछे उद्देश्य है। श्री बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके लिए यह स्थल एक प्रेरक स्थान साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि *प्रेरणा स्थल* पर प्रतिमाओं के आसपास *लॉन* एवं पुष्प वाटिकाओं का निर्माण किया गया है जहां आगंतुक सभी महापुरुषों को सुगमतापूर्वक अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे और क्यूआर कोड के माध्यम से उपलब्ध उनकी जीवनगाथा से प्रेरणा भी ले सकेंगे। बिरला ने यह भी बताया कि संसद परिसर में मूर्तियों का स्थानांतरण पहली बार नहीं हुआ है। इसके पहले भी संसद के नए भवन के निर्माण कार्य के दौरान महात्मा गांधी, मोतीलाल नेहरू एवं चौधरी देवी लाल जी की प्रतिमाओं को परिसर में ही अन्य स्थान पर सम्मानपूर्वक स्थानांतरित किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पिछली शताब्दी में, संसद भवन परिसर में कई बदलाव हुए हैं। 1920 के दशक में अपनी मूल संरचना से, अब इस परिसर में पांच इमारतें शामिल हैं: भारत का संसद भवन, संविधान सदन, संसद पुस्तकालय भवन, संसदीय सौध, और संसदीय सौध विस्तार। इन परिवर्तनों के दौरान, प्रतिमाओं और उद्यानों को सम्मानपूर्वक स्थानांतरित किया गया है, जिससे प्रतिमाओं की प्रमुखता सुनिश्चित की गई है।

भारत ने यूक्रेन शांति ...

तथा यूक्रेन के संबंध में कूटनीति और संवाद के जरिए संघर्ष का समाधान तलाशने की अपनी पुरानी नीति को कायम रखा है। सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में संयुक्त राष्ट्र चार्टर का हवाला देते हुए युक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता पर जोर दिया गया था। इसमें रूस से सभी क्षेत्रों से सेना को वापस बुलाने की मांग शामिल थी। जिसका करीब 80 देशों ने समर्थन किया। भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका सहित ग्लोबल साउथ के 12 देशों ने संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर नहीं किए। सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ राजनयिक पवन कपूर ने भारत का दृष्टिकोण प्रगट करते हुए कहा कि हमारा मानना है कि यूक्रेन संघर्ष के दो पक्षों (रूस, यूक्रेन) को स्वीकार्य हल के जरिए ही समस्या का समाधान संभव है। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में रूस को आमंत्रित नहीं किया गया था। इसके साथ चीन ने इस सम्मेलन में शामिल होने से इनकार कर दिया था। विदेश मंत्रालय ने शांति सम्मेलन के संदर्भ में जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि भारत ने इस सम्मेलन और अन्य बैठकों में इसलिए भाग लिया था ताकि संघर्ष का समाधान बातचीत और कुटनीति के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से तलाशा जा सके। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए आवश्यक है कि इससे जुड़े दोनों पक्षों (रूस, यूक्रेन) के बीच ईमानदारी के साथ विचार-विमर्श हो। विज्ञप्ति में आगे कहा गया कि भारत यूक्रेन में यथाशीघ्र स्थायी शांति के लिए दोनों पक्षों के साथ संपर्क बनाए रखेगा। ज्ञात हो कि पिछले दो वर्षों से जारी यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत ने पश्चिमी देशों के दवाबों की परवाह न करते हुए रूस की आलोचना करने से इनकार कर दिया था। साथ ही भारत ने रूस से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात जारी रखा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद सरकार ने अपनी पुरानी नीति को जारी रखा। यूक्रेन शांति सम्मेलन का आयोजन अमेरिका और यूरोपीय देशों के समर्थन से आयोजित किया गया था। इसमें करीब 100 देश शामिल हुए। सम्मेलन के ठीक पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने देश की ओर से एक शांति प्रस्ताव रखा था। इसमें जमीनी हकीकत को स्वीकार करने तथा यूक्रेन के नाटो सैन्य संगठन में शामिल न होने की मांग की गई थी।

विष्णुपुर में रैपिड एक्शन फोर्स की भारी तैनाती, स्थिति तनावपूर्ण

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में बिष्णुपुर जिले में रैपिड एक्शन फोर्स की भारी तैनाती की गई है। पूरे इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। बड़ी संख्या में भीड़ द्वारा सड़क मार्ग को अवरुद्ध कर दिए जाने के कारण आवाजाही अवरुद्ध हो गई है। पुलिस ने आज बताया कि मणिपुर के विष्णुपुर जिले के ट्रोंगलाओबी अवांग लेइकाई में शनिवार की शाम से उस समय स्थिति उत्तेजक हो गई जब स्थानीय भीड़ द्वारा दो ट्रकों को आग के हवाले कर दिया गया। ट्रकों पर एक पुल के लिए निर्माण सामग्री ले जायाजा रहा था। चार ट्रक एकसाथ चुराचांदपुर की ओर जा रहे थे कि ट्रोंगलाओबी इलाके में भीड़ ने उन्हें रोक लिया और उनमें आग लगा दी। इस घटना में एक ट्रक पूरी तरह जल गया। जबकि, दूसरा ट्रक आंशिक रूप से जला। वहीं, सुरक्षा बलों की तत्परता से अन्य दो ट्रकों को बचा लिया गया। ट्रकों को सेकमाई में चुराचांदपुर के सिंघाट के लिए लोड किया गया था। ये ट्रक राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 102-बी चुराचांदपुर-

तुईवई रोड पर निर्माणाधीन एक पुल के लिए आवश्यक सामग्री ले जा रहे थे। बिष्णुपुर पुलिस और केंद्रीय बलों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर भीड़ को तितर-बितर करने और आग पर काबू पाने के लिए तीन से चार राउंड आंसू गैस के गोले दागे। इलाके को स्थिर करने और बढ़ते तनाव को नियंत्रित करने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के बल तत्काल ही वहां पहुंच गए। पूरे इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। व्यापक पैमाने पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।

बिजली की चपेट में आने से दो की मौत, तीन घायल

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिलांतर्गत कुकुरमारा के बेबालिया गांव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग को गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को बताया कि आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मानकाचर थाना इलाके के बेबालिया गांव निवासी शालू शेख (40) और रफीक शेख (33) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, तीन लोग घायल हो गए। घायलों को ईलाज के लिए पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृतकों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

हल्की-सी बरसात के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग व शहरों के इलाकों में जलजमाव

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बाहरी इलाका जोराबाट में बरसात के बाद रविवार को फिर से जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो गई। जिसकी वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग-27 से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ा। रविवार की सुबह मूसलाधार बरसात के बाद जोराबाट तीनाली में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर जलजमाव हो गया। जिसकी वजह से गुवाहाटी से ऊपर असम तक जाने वाले वाहन चालकों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर जलजमाव होने की वजह से फ्लाई ओवर के ऊपर से आने-जाने वाले वाहनों की यातायात पुलिस द्वारा व्यवस्था की गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि आसपास में हो रही पहाड़ की कटाई की वजह से मुख्य नाला में पहाड़ की लाल मिट्टी भर गयी है। जिसकी वजह से पानी का बहाव सही तरीके से नहीं हो रहा है। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के किनारे

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सही तरह से नालों का निर्माण नहीं किया गया है। जिसकी वजह से हल्की-सी बरसात की वजह से जोराबाट और उसके आसपास इलाके में जलजमाव हो जाता है। 2016 में जब राष्ट्रीय राजमार्ग का फोरलेन का काम शुरू हुआ तबसे ही जोराबाट इलाके में जलजमाव की समस्या उत्पन्न हुई है। इससे पहले जोराबाट में कभी भी जल जमाव की समस्या नहीं थी। हल्की-सी बरसात के बाद जोराबाट के आसपास के इलाकों में भी राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर जलजमाव हो जाता है। इसकी वजह से स्थानीय दुकानदारों को काफी नुकसान होता है। बरसात का पानी दुकान के अंदर घुस जाने की वजह से हर साल करोड़ों रुपए का स्थानीय दुकानदारों का नुकसान हो रहा है। स्थानीय दुकानदारों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से इस समस्या को जल्द से जल्द निजात दिलाए जाने की गुहार लगाई है। वहीं दूसरी ओर शहर के अप्सारा के पास स्थित पीसी गोस्वामी रोड पर नाले की पानी से रोड पर कीचड़ तथा कचरा से लोगों की आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कामरूप जिला आयुक्त कार्यालय में योग प्रतियोगिता का आयोजन 21 को

रंगिया (विभास)। आगामी 21 जून को 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संयोजन में, कामरूप जिला प्रशासन द्वारा योग प्रतियोगिता का आयोजन किया है। कुल 4 शाखाओं में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में आयु के अनुसार प्रथम शाखा-10 वर्ष की आयु, द्वितीय शाखा 10 से 18 वर्ष की आयु, तृतीय शाखा-18 से 35 वर्ष की आयु और चतुर्थ प्रभाग 35 वर्ष से अधिक उम्र के प्रतियोगी भाग ले सकेंगे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यह जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता 21 जून की सुबह 8 बजे अमिंनगांव स्थित एकीकृत आयुक्त कार्यालय प्रांगन में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं के साथ सभी लोग भाग ले सकते हैं। एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय प्रांगन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 20 जून को शाम 6 बजे तक नामों का पंजीकरण होगा।

एसएफडी का *मेरा रविवार गुवाहाटी के लिए* पर्यावरण रक्षा अभियान का हुआ शुभारंभ

गुवाहाटी (हिंस)। आज *स्टूडेंट फॉर डेवलपमेंट* (एसएफडी) की पहल के तहत गुवाहाटी के लाचित घाट पर सुबह 6.30 बजे से खराब मौसम के बावजूद *मेरा रविवार गुवाहाटी के लिए* थीम के साथ स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कई कार्यकर्ता सुबह ही लाचित घाट पहुंचे और इलाके में सफाई अभियान चलाया। उल्लेखनीय है कि अभाविप पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता के लिए दिन रात मेहनत कर रहा है। एसएफडी अभाविप की गतिविधि है, जिसके माध्यम से पूरे भारत में पर्यावरण की सुरक्षा और जागरूकता के लिए काम किया जा रहा है। एसडीएफ की पहल के तहत गुवाहाटी शहर के विभिन्न हिस्सों में प्रत्येक रविवार को विभिन्न पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आज लाचित घाट पर सफाई अभियान चलाया गया। इस सफाई अभियान में एसएफडी की राष्ट्रीय सह-संयोजक शिल्पा कुमारी और अभाविप गुवाहाटी महानगर के मंत्री स्वप्ननील हालोई उपस्थित रहें। यह अभियान प्रत्येक रविवार को चलाया जाएगा।

जीएमटीए और टीबीए ने संयुक्त रूप से किया जीएसटी पर सेमिनार का आयोजन

गुवाहाटी। गुवाहाटी मोटर पार्ट्स ट्रेडर्स एसोसिएशन और टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने संयुक्त रूप से 15 जून 2024 को जीएमटीए ऑडिटोरियम, राम कुमार प्लाजा, छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी में *जीएसटी नोटिस और डिमांड ऑर्डर और जीएसटी में अन्य मुद्दों को कैसे संभालें* विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया। जीएमटीए के संयुक्त सचिव अजय तिवारी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और वक्ताओं का अभिनंदन किया। टैक्स बार एसोसिएशन के अप्रत्यक्ष कर समिति के अध्यक्ष सीए बिकास अग्रवाला को जीएमटीए के अध्यक्ष श्री प्रकाश लोहिया द्वारा सम्मानित किया गया और टैक्स बार एसोसिएशन के सचिव सीए गोपाल सिंघानिया को संपत्ति प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और जीएमटीए के पूर्व अध्यक्ष सुशील हरलालका द्वारा सम्मानित किया गया। जीएमटीए के महासचिव मोहित अग्रवाल भी मंच पर उपस्थित थे। जीएमटीए के अध्यक्ष प्रकाश लोहिया ने अपने स्वागत भाषण से बैठक की शुरुआत की। सीए बिकास अग्रवाला ने जीएसटी नोटिस और डिमांड ऑर्डर में विभिन्न मुद्दों के बारे में बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को आसानी से समझने के लिए जीएसटी कानूनों के प्रावधानों को सरल भाषा में

विस्तार से समझाया। सीए गोपाल सिंघानिया ने जीएसटी कानूनों के प्रभावी अनुपालन के लिए करदाताओं द्वारा उठाए जाने वाले विभिन्न कदमों के बारे में बताया। सेमिनार में विभिन्न संघों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्रश्न उत्तर सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया जिसमें वक्ताओं ने प्रतिभागियों के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया। प्रतिभागियों ने वक्ताओं के ज्ञान की सराहना की और साथ ही इस तरह के सेमिनार के आयोजन के लिए दोनों संघों के प्रयासों की सराहना की। सेमिनार जीएमटीए के संयुक्त सचिव श्री अजय तिवारी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुआ। आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, टीबीए सचिव सीए गोपाल सिंघानिया ने कहा कि विभिन्न व्यापार संघों को अपने सदस्यों के लिए नियमित रूप से ऐसे सेमिनार और अन्य बैठकें आयोजित करनी चाहिए ताकि उन्हें विभिन्न कराधान कानूनों के प्रभावी और त्रुटि रहित अनुपालन के लिए शिक्षित किया जा सके। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि मुकदमेबाजी की कार्यवाही में कानून की अनदेखी स्वीकार्य नहीं है और यह सभी संगठनों के पदाधिकारियों का नैतिक कर्तव्य है कि वे अपने सदस्यों को विभिन्न कराधान कानूनों के बेहतर अनुपालन के लिए पर्याप्त रूप से शिक्षित करें। उन्होंने सुझाव दिया कि करदाताओं को नोटिस मिलने पर घबराना नहीं चाहिए और अपने कर सलाहकारों से संपर्क कर समय पर जवाब देना चाहिए। नोटिस को नजरअंदाज करने या जवाब में गलतियाँ करने से भारी माँगें हो सकती हैं। उन्होंने अपने सदस्यों के लिए इस सेमिनार का आयोजन करने के लिए जीएमटीए पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और अन्य संघों से अपने सदस्यों के लिए ऐसे सेमिनार या अन्य शिक्षाप्रद सत्र आयोजित करने की अपील की।

मणिपुर की राज्यपाल उईके ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात

नई दिल्ली / इंफाल (हिंस)। मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। रविवार को इस मुलाकात के दौरान उन्होंने मणिपुर में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत और उनके पुनर्वास को लेकर राष्ट्रपति से चर्चा की। मुलाकात में उन्होंने राष्ट्रपति को बताया कि राज्य के विभिन्न राहत शिविरों में शरण ले रहे विस्थापितों को किस प्रकार राहत पहुंचाया जा रहा है। राज्यपाल ने राष्ट्रपति को केंद्रीय एजेंसियों द्वारा किए गए राहत और बचाव कार्यों से अवगत कराया। विस्थापितों को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने राष्ट्रपति से प्रभावितों के पुनर्वास के लिए तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया और इसके लिए केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता की मांग की।

वनबंधु परिषद, गुवाहाटी महिला समिति का वृहद तंबोला कार्यक्रम का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। बंधु परिषद गुवाहाटी महिला समिति द्वारा महिलाओं का सर्वप्रिय खेल तंबोला (हाउसिं)का वृहद रूप से गुवाहाटी नगर के एक होटल में प्रथम बार 15 जून 2024 को आयोजन किया गया। 100 से अधिक महिलाओं की उपस्थिति रही और सभी महिलाओं ने खूब सराहना करते हुए तंबोला का आनंद उठाया। उक्त कार्यक्रम से जो भी धन राशि संग्रह होगी वो एकल विद्यालय संचालन हेतु दिया जायेगा की जानकारी अध्यक्ष वंदना बगड़िया ने बताया। एकल अभियान एक संगठन नहीं जन आंदोलन है जो ग्रामवासियों के उत्थान के लिए उन्हें स्वावलंबी स्वाभिमानी बनाने का उद्देश्य से कार्य कर रही है। एकल विद्यालय गांव में संचालित एक अध्यापक द्वारा 30 से 35 बच्चों को पढ़ाया जाता है प्रत्येक गांव में एक एकल विद्यालय है। पूरे भारत में अस्सी हजार से अधिक एकल विद्यालय है जब की नॉर्थ-ईस्ट में पांच हजार से अधिक एकल विद्यालय है। कार्यक्रम संयोजिका जयश्री झुनझुनवाला के नेतृत्व व सह संयोजिका सीमा सुरेका, ज्योति बाजोरिया के साथ से यह एक सफल कार्यक्रम रहा। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष उमा देवड़ा, जोनल अध्यक्ष ललिता जैन, संस्थापक अध्यक्ष सुशीला गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष रीता अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष मीरा सर्फ, सचिव किरण खेतान, लीला लाहोटी के साथ अन्य सदस्य उपस्थित रही।

रंगिया में अवैध विदेशी शराब की बड़ी खेप जब्त

रंगिया (निसं)। रंगिया में आबकारी खुफिया एजेंसी गुवाहाटी द्वारा बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया। अवैध नकली शराब के बड़े कारोबार के खिलाफ अभियान चलाकर अवैध विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद

करने की जानकारी मिली है। प्राप्त जानकारी में किसी पंकज कलिता नामक कारोबाड़ी के विभिन्न गोदामों पर छापे मारे गए है। लंबे समय से पड़ोषी राष्ट्र भूटान से शराब लाकर उसी शराब की बोतलो पर डुप्लिकेट लेबल व होलोग्राम लगाकर अवैध शराब का उद्योग में परिवर्तित कर शराब का कारोबार अवैध रूप से चलाया जा रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार रंगिया के निकटवर्ति बाक्सा जिला के पूरन तामुलपुर और चिकनीबाड़ी सहित तामुलपुर जिला के विभिन्न अंचलो में विभिन्न स्थानों की गुप्त गोदामो पर यह अभियान चलाया गया है। मालुम हो कि भूटान से शराब लाकर यहां विभिन्न कच्चे घर, निर्माणाधीन बिल्डिंग आदि गुप्त गोदामो में असम के डुप्लीकेट होलोग्राम और लेबल लगाकर अन्य शराब की बोतलों में डालकर मिलावटी शराब का बड़ा कारोबार किया जा रहा था। अभियान में बड़ी मात्रा में भूटान निर्मित शराब के कार्टून, खाली बोतलें, लेबल, होलोग्राम आदि साग्री जब्त किए गए हैं। अब तक कहां से कितनी शराब जब्त की गई है, यह पता लगाया जाना बाकी है परंतु समाचार लिखे जाने तक जब्त की गयी शराब की अनुमानित कीमत 25 लाख के करीब होने की जानकारी मिली है।

इंद्रदेव की भारी बरसात के बीच महेश नवमी शोभायात्रा का भव्य आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। महेश्वरी सभा गुवाहाटी के सौजन्य से महेश नवमी के उपलक्ष्य में शोभा यात्रा निकली गई। प्रात: काल से ही भारी वर्षा के बावजूद उत्साही समाज ने बरसात में भींगते हुए भी गुवाहाटी गौशाला से छत्रीबाडी, एटीरोड, आठगांव होते हुए माहेश्वरी भवन तक शोभा यात्रा निकाली। इस शोभा यात्रा को समाज के वरिष्ठ सदस्य नवल किशोर काबरा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस समय उनके साथ आसाम महेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवान दास दम्मानी, महेश्वरी सभा के अध्यक्ष सीताराम बिहानी, सचिव सुरेंद्र लाहोटी, महेश नवमी उत्सव के संयोजक नारायण गट्टानी, सहसंयोजक दीनदयाल मुंदडा, और अरविंद सोनी, शोभा यात्रा संयोजक रमेश चांडक, संदीप राठी और पवन साबू एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति

उपस्थित थे। शोभा यात्रा में माहेश्वरी महिला समिति की सदस्याएं लाल चुनडी साड़ी व साफा बांधकर जय महेश के नारे लगाते हुए चल रही थी। युवा संगठन और अन्य माहेश्वरी इकाई संगठन के सदस्य केसरिया कुर्ता व सफेद पजामा और साफा बांधे शोभा यात्रा में चल रहे थे। शोभायात्रा में भगवान महेश की झांकी आकर्षण का केंद्र थी। शोभा यात्रा में आसाम महेश्वरी सेवा ट्रस्ट, महेश्वरी युवा संगठन, माहेश्वरी महिला समिति, महेश सत्संग समिति, महेश योग समिति के सदस्य उपस्थित थे।

कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा दिवस के मौके पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

रंगिया (विभास)। दक्षिण पश्चिम रंगिया कृष्टि विकास समिति के सौजन्य से प्रतिवर्ष की तरह इसबार भी आगामी 20 जून 2024 (गुरुवार) को कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा दिवस के उपलक्ष्य में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। बताया गया है कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं बौद्धिक विकास के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी जिसमें नियमित दो-दो विद्यार्थी अपनी-अपनी टीम बनाकर भाग ले सकेंगे। प्रथम और द्वितीय विजेताओं को आकर्षक ट्रॉफी और प्रमाण पत्र के साथ क्रमश: 8, 000.00 (आठ हजार) रुपए और 6, 000.00 (छह हजार) रुपए के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार यह प्रतियोगिता समिति कार्यालय प्रांगन, मिलन चौक, मोहखली में सुबह 10.00 बजे से प्रारंभ की जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के इक्छुक प्रतियोगी अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8011826774, 9957655056, 9957097785, 7002540439 पर संपर्क कर सकते है। प्रतियोगिता में शामिल होने की अंतिम तिथि: 18-06-2024 दक्षिण-पश्चिम रंगिया कृष्टि विकास समिति के अध्यक्ष अजान वैश्य, महासचिव यादव चंद्र दास, वाद-विवाद साहित्य विभाग के अध्यक्ष दिनमणि डेका, सचिव अरण्यम कश्यप द्वारा बताई गई है।

पुलिस चौकी में घुसा बाढ़ का पानी

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिला के शिमलागुड़ी पुलिस चौकी परिसर के चारों ओर का इलाका बाढ़ के पानी में डूब गया है। बाढ़ का पानी पुलिस चौकी के अंदर भी प्रवेश कर गया है। ज्ञात हो कि राज्य में पिछले कई दिनों से हल्की और भारी बरसात हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस चौकी के अंदर आने-जाने के लिए पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिसके चलते पुलिस कर्मियों को काफी परेशानी हो रही है। इस बीच पुलिस चौकी में किसी काम से आए लोग भी बाढ़ के पानी में फंस गये हैं। लोग अपने घर भी नहीं लौट पा रहे हैं। शिमलागुरी इलाके से पानी के निकलने का कोई रास्ता नहीं है, जिसके चलते पुलिस चौकी ही नहीं पूरे इलाके में बाढ़ का पानी भर गया है।

स्वंयसेवी संगठन स्वास्थ्यम का शीर्षासन चैलैंज

गुवाहाटी। नेहरू स्टेडियम के तरूणराम फूकन इंडोर स्टेडियम में स्वंयसेवी संगठन स्वास्थ्यम द्वारा राष्ट्रीय क्रीड़ा और युवा कल्याण निदेशालय के सहयोग से 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को देखते हुए शीर्षासन चैलेंज का आयोजन किया गया। गुवाहाटी और अन्य जिलों से कुल 80 प्रतियोगियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में कामरूप महागनगर जिले के अतिरिक्त आयुक्त त्रिदीप कुमार कोंवर, राष्ट्रीय आयुष मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. करबी हजारिका चौधरी, विशिष्ठ तैराक एल्विस अली हजारिका, एथलीट तैबुन नसा, योगाविद प्रफुल्ल कुमार बर्मन, व्यवसायी राहुल अग्रवाल, गुवाहाटी कामर्स कॉलेज के प्रोफेसर गोपाल बनिक, जीएमसीएच के योग चिकित्सक अनिल शर्मा, सीआईडी अधिकारी प्रणबज्योति गोस्वामी, आशाद्वीप की निदेशक अंजना गोस्वामी, पशुचिकित्सक डॉ. अनिल कुमार पेगु, योगाचार्य शुभाशीष कर और पूर्वोत्तर के प्रसिद्ध आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ. ओपी गुप्ता ने कार्यक्रम को और भी रोचक बना दिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य योग आसनों के राजा

शीर्षासन के बारे में लोगों में जागरूकता लाना है। डॉ. ओपी गुप्ता की देखरेख में प्रतिभागियों का स्वास्थ जांच भी किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम एक्टर विलार और अवकाश जम्मड़ द्वारा निर्देशित योग पर एक लघु नाटक करो योग रहो निरोग का मंचन किया गया। नाटक का मंचन अवकाश जम्मड़, संगीता बैद्य, बबीता पटवा, शर्मिला महनट, राखी बेगानी और हृदय बेगानी ने किया। स्वास्थ्यम के अध्यक्ष सुरेश पोद्दार और सचिव गौतम पटवारी ने कहा कि वे आने वाले दिनों में समाज के लिए इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना जारी रखेंगे।

संसद परिसर में बना प्रेरणास्थल सभी के लिए बनेगा प्रेरणा : ओम बिरला

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि संसद परिसर में समय-समय पर महापुरुषों की प्रतिमाएं लगाई जाती और शिफ्ट की जाती रही हैं। इस बार संसद परिसर को एक नया प्रेरणा स्थल मिलने जा रहा है, जिसमें एक स्थान पर सभी महापुरुषों की प्रतिमाएं लगाई गई हैं। इसमें सरकार का कोई विषय नहीं बनता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्थानों में होने के कारण संसद परिसर में महापुरुषों की प्रतिमाएं सबको दृश्यमान नहीं होतीं और ना ही उनकी सही देखभाल हो पाती है। ऐसे में विचार आया कि सभी प्रतिमाओं को एक स्थान पर लाया जाए ताकि आगंतुक इन महापुरुषों की प्रतिमाओं देख सकें और उनके बारे में जान सकें। महात्मा गांधी, बाबा साहब, महाराणा प्रताप या छत्रपति शिवाजी सभी प्रतिमाओं को एक ही स्थान पर लाया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में एक समिति बनाई गई है जो महापुरुषों पर शोध कार्यक्रम कर समय-समय पर उनके बारे में जानकारी को अपडेट करेगी और जरूरी बदलाव करेगी। नए प्रेरणा स्थल से अब संसद आने वाले आगंतुक संविधान सदन, संसद भवन और म्यूजियम को देख सकेंगे। इससे उनका अनुभव और अधिक बेहतर होगा। उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति आज शाम लोक सभा अध्यक्ष, उपसभापति एवं संसदीय कार्य मंत्री की उपस्थिति में नवनिर्मित प्रेरणा स्थल (बीजीझ 7, संविधान सदन के सामने) का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम में राज्य सभा एवं लोक सभा के सभी सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया है। बिरला के अनुसार संसद भवन परिसर के अंदर हमारे देश के महापुरुषों एवं महान स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएं स्थापित हैं। उनका हमारे देश के इतिहास, हमारी संस्कृति, हमारे स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ये प्रतिमाएं परिसर में अलग-अलग स्थानों पर स्थित थीं, जिससे आगंतुकों को इनके दर्शन करने में कठिनाई होती थी। इसलिए संसद भवन परिसर के अंदर इन प्रतिमाओं को एक ही स्थान पर स्थापित करने के उद्देश्य से प्रेरणा स्थल का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि संसद भवन परिसर में आने वाले विशिष्ट व्यक्ति एवं अन्य आगंतुक इन प्रतिमाओं का एक निश्चित स्थान अर्थात प्रेरणा स्थल पर सुविधाजनक रूप से दर्शन कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दे सकेंगे। साथ ही उन प्रतिमाओं के समीप नयी टेक्नोलॉजी के माध्यम से उन महापुरुषों की जीवनगाथा, उनके सन्देश को भी आगंतुकों के लिए उपलब्ध कराने की कार्य योजना बनायी गयी है ताकि सभी को उनके जीवन दर्शन से प्रेरणा मिले। उल्लेखनीय है कि ह्यप्रेरणा स्थलह्ल पर प्रतिमाओं के आसपास 'लॉन' एवं पुष्प वाटिकाओं का निर्माण किया गया है। यहां गणमान्य व्यक्ति एवं आगंतुक उन्हें सुगमतापूर्वक अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे और क्यूआर कोड के माध्यम से उपलब्ध उनकी जीवनगाथा से प्रेरणा भी ले सकेंगे। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान शिलापट्ट के अनावरण के पश्चात गणमान्यजन प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कृषि व किसान के विकास का रोडमैप तैयार : शिवराज सिंह

मुरैना, (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास पंचायत राज मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि किसान हमारा भगवान है और किसान की सेवा भगवान की सेवा है। कृषि एवं किसान कल्याण के लिए 100 दिन की कार्य योजना तैयार कर ली गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने पर सबसे पहले 18 जून को काशी से किसानों को सम्मान निधि की राशि प्रदान की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी सिंगल क्लिक के माध्यम से इस राशि को हस्तांतरित करेंगे। सरकार किसान कल्याण के लिए कोई कमी नहीं छोड़ेगी। केन्द्रीय कृषि मंत्री रविवार को मुरैना रेलवे स्टेशन पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। केंद्र सरकार में शामिल होने के बाद शिवराज सिंह चौहान पहली बार मध्य प्रदेश आए हैं। रविवार सुबह शताब्दी एक्सप्रेस से मुरैना पहुंचे शिवराज सिंह चौहान का कार्यकताओं ने मुरैना रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि विगत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसान कल्याण के लिए अद्भुत व अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल हुई हैं। इन्हीं कार्यों को आगे बढ़ाते हुए पूरा करना है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए कृषि परिदृश्य को आगे ले जाने का काम किया जाएगा। इसका रोड मैप तैयार कर लिया गया है। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान के साथ उनकी धर्मपत्नी साधना सिंह चौहान भी थीं। केन्द्रीय मंत्री चौहान के स्वागत के लिये भाजपा जिला अध्यक्ष योगेशपाल गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष केदार सिंह यादव, पूर्व विधायक परशुराम मुदगल, पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंषाना, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बनवारीलाल धाकड़, अनिल गोयल, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष हमीर सिंह पटेल, देवीराम उपाध्याय, रामनरेश शर्मा, पूर्व पार्षद संजय शर्मा, प्रेमकांत शर्मा, राहुल कंषाना, अरविंद सिंह सिकरवार गुड्डआ, धीरज सोनू शर्मा मण्डल अध्यक्ष, सुनील उपाध्याय, अवधेश पाराशर, नीरज भदौरिया, अशोक यादव, ऋषि यादव, रामलखन गुर्जर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता रेलवे स्टेशन पर उपस्थित थे।

एनसीईआरटी ने नई किताब में अयोध्या का चेप्टर किया छोटा, बाबरी मस्जिद का नाम हटाया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। एनसीईआरटी की 12वीं की सामाजिक विज्ञान की नई किताब में बाबरी मस्जिद का नाम हटा दिया गया है। अब नई किताब में इसे तीन गुंबद वाला ढांचा लिखा गया है। वहीं अयोध्या वाले अध्याय को छोटा करके दो में कर दिया है। इसमें बीजेपी की सोमनाथ से अयोध्या की रथ यात्रा, कार सेवकों की भूमिका, बाबरी मस्जिद ढहाने के बाद हुई हिंसा, राष्ट्रपति शासन और अयोध्या में हुई हिंसा पर बीजेपी के खेद वाली बातों को शामिल किया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पुरानी किताब में बताया गया था कि 16वीं शताब्दी में मुगल बादशाह बाबर के सेनापति मीर बाकी ने बाबरी मस्जिद का निर्माण किया था। वहीं अब इस अध्याय में बताया गया है कि 1528 में श्रीराम के जन्मस्थान पर तीन गुंबद वाला ढांचा बना दिया गया था। हालांकि इस ढांचे में कई हिंदू चिह्न बने हुए थे। इसके अलावा आंतरिक और बाहरी दीवारों पर मूर्तियां बनी हुई थीं। पुरानी किताब में दो पेज में यही बताया गया था कि फैजाबाद जिला अदालत द्वारा 1986 में मस्जिद खोलने के फैसले के बाद मोबिलाइजेशन किया गया। 1992 में राम मंदिर बनाने के लिए रथ यात्रा और कारसेवा की वजह से सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया। इसके बाद 1993 में सांप्रदायिक दंगे हुए। वहीं इस बार किताब में बताया गया है कि बीजेपी ने अयोध्या की घटनाओं को लेकर दुख व्यक्त किया है। नई किताब में बताया गया है कि 1986 में फैजाबाद जिला अदालत ने तीन गुंबद वाले ढांचे को खोलने का आदेश दे दिया और लोगों को पूजा करने की अनुमति मिल गई। माना जाता था कि इस तीन गुंबद वाले ढांचे को श्रीराम के जन्मस्थान पर बनाया गया है। राम मंदिर का शिलान्यास कर दिया गया लेकिन आगे निर्माण पर रोक लगा दी गई। हिंदू समुदाय को लगा कि उसकी आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और मुस्लिम समुदाय को ढांचे पर अधिकार बनाए रखने का अधिकार मिल रहा है। वहीं 1992 में ढांचा गिरने के बाद बहुत सारे आलोचकों ने कहा कि यह लोकतंत्र के सिद्धांतों के लिए बड़ी चुनौती साबित होगा। नई किताब में अयोध्या विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को शामिल किया गया है। इसमें 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने फैसला सुनाया कि यह भूमि मंदिर की है। पुरानी किताब में कुछ न्यूज पेपर कटिंग की तस्वीरें लगाई गई थीं जिनमें बाबरी मस्जिद को ढहाने के बाद कल्याण सिंह सरकार को हटाने का आदेश शामिल था। इसे अब हटा दिया गया है। बता दें कि 2014 के बाद से चौथी बार एनसीईआरटी की किताब में बदलाव किया गया है। अप्रैल में एनसीईआरटी ने कहा था कि राजनीति में हालिया डिवेलपमेंट के आधार पर चैप्टर में परिवर्तन किया जाता है और नई चीजों को शामिल किया जाता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को मिला अपार जनसहयोग : मुख्यमंत्री डॉ यादव

उज्जैन, (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को गंगा दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गंगा दशहरा का यह पावन अवसर है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा तय किया गया था कि पर्यावरण दिवस पांच जून से गंगा दशहरा तक हमारे नदी, कुएं, पोखर, तालाब, झरने आदि जल स्त्रोतों के साथ हमारी ऐतिहासिक धरोहर चोपड़ा बावड़ियों के संरक्षण और संवर्धन का काम किया जाएगा। मुझे बताते हुए खुशी है कि जल गंगा संवर्धन अभियान सफल रहा है। छह लाख से अधिक लोगों द्वारा अभियान में जन भागीदारी की गई है। जल स्त्रोतों की संरक्षण के लिए 4000 करोड़ रुपये से अधिक के काम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव रविवार को उज्जैन में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पुरातात्विक धरोहर मोदी का चोपड़ा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सभी को जल स्त्रोत के संरक्षण और संवर्धन की शपथ दिलाई। पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेडा, विवेक जोशी तथा संभागायुक्त संजय गुप्ता, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मोदी का चोपड़ा जल स्त्रोत का भ्रमण किया औरजिला प्रशासन को इस ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा के साथ बेहतर रखरखाव करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मोदी का चोपड़ा गोवर्धन सागर का ही एक अंग है। इसकी विशेषता यह है कि यहां सदैव पानी की निर्बाध रूप से आपूर्ति बनी रहती है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल स्त्रोत मोदी का चोपड़ा का कायाकल्प किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पितृ दिवस की दी शुभकामनाएं - मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस अवसर पर सभी को पितृ दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पिता का कर्तव्य अनुपम होता है और पिता के द्वारा सभी कि अपेक्षाएं और आकांक्षा पूरी होती है। उन्होंने कहा कि माता-पिता इस धरती पर भगवान तुल्य होते हैं।

दिग्विजय सिंह ही नहीं अब एलन मस्क ने उठाए ईवीएम पर सवाल

टेस्ला के सीईओ बोले-कोई भी हैक कर सकता है इसे खत्म करना जरुरी

नई दिल्ली, (ईएमएस)। भारत में चुनाव ईवीएम से कराए जाते हैं जिसका विरोध भी खूब होता है और इसमें गड़बड़ी की शिकायतें सामने आने पर सत्तारुढ़ पार्टी पर विपक्ष हमेशा आरोप लगाता रहा है। अभी हाल के लोकसभा चुनावों में भी राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने ईवीएम को लेकर कई सवाल खड़े किए थे। यह मामला कोर्ट तक पहुंच गया था। वहीं अब दुनिया के दूसरे सबसे अमीर इंसान और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने चौंकाने वाला दावा किया है। मस्क ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को कोई भी हैक कर सकता है इसे खत्म करने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने बड़ी मांग करते हुए ईवीएम को अमेरिकी चुनावों से हटाने की मांग की। एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट पर ईवीएम के हैक होने की बात कही है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति पद के स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की एक पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए ईवीएम को खत्म करने की मांग की है। एलन मस्क से पहले कैनेडी जूनियर ने एक पोस्ट कर प्यूर्टो रिको के चुनावों में ईवीएम से जुड़ी अनियमितताओं के बारे में बताया था।

पोस्ट में कैनेडी ने कहा था कि प्यूर्टो रिको के चुनावों में मतदान में सैकड़ों अनियमितताएं देखी गई हैं। गनीमत रहा कि वहां पेपर ट्रेल होने की वजह से इसकी पहचान हो गई। कैनेडी जूनियर ने आगे कहा कि उन देशों का क्या होगा जहां पेपर ट्रेल नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के नागरिकों को ये जानने का हक है कि उनका वोट किसको गया और उनके वोट में सेंध तो नहीं लगाई गई है। कैनेडी ने आगे कहा कि इस समस्या का एक ही हल है कि हमें फिर पेपर बैलेट पर लौटना होगा। कैनेडी की बात का समर्थन करते हुए एलन मस्क ने एक्स पर कहा कि हमें अब ईवीएम से बचना होगा और इसे खत्म करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इंसान हो या एआई ईवीएम के हैक का जोखिम बना रहेगा। ईवीएम वोटिंग के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इलेक्ट्रॉनिक मशीन है, जिसे मतों की गिनती के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसका मुख्य काम लोगों की वोटिंग प्रक्रिया को सरल, तेज और विश्वसनीय बनाना है।

कॉलेज में हिजाब पर रोक के खिलाफ नौ छात्राओं ने कोर्ट में दायर की याचिका

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई के चेंबूर में स्थित आचार्य कॉलेज में हिजाब बैन को लेकर नौ छात्राओं ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। छात्राओं ने हिजाब पर बैन हटाने की मांग की है। इसके साथ ही कॉलेज प्रशासन पर धर्म के आधार पर पक्षपात करने के आरोप भी लगाए हैं। मुंबई में एनजी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स की नौ छात्राओं ने कॉलेज प्रशासन की ओर से हाल ही में लागू ड्रेस कोड को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। याचिका में छात्राओं ने कहा कि कॉलेज का प्रतिबंध मनमाना है। इस ड्रेस कोड के तहत छात्राओं को कैंपस में हिजाब पहनने पर रोक लगा दी गई है। याचिकाकर्ता छात्राओं का दावा है कि नया ड्रेस कोड गोपनीयता, गरिमा और धार्मिक स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। कॉलेज की एक छात्रा ने कहा कि कॉलेज में कोई हमारी मदद नहीं कर सका, ऐसे में हमें बस कोर्ट का रास्ता नजर आया। हमें उम्मीद है की कोर्ट से फैसला हमारे हक में होगा। कॉलेज की एक अन्य छात्रा ने कहा कि जब ड्रेस कोड की बात आई, तो हमने प्रिंसिपल से बात करने की सोची। उस वक्त मैं नहीं थीं, मेरी दोस्त प्रिंसिपल से बात करने के लिए गईं। हमने उनसे कहा कि हम ड्रेस कोड को फॉलो नहीं कर पाएंगे। उन्होंने हमें साफ कह दिया कि ड्रेस कोड फॉलो करना पड़ेगा। इसके बाद मैनेजमेंट से बात हुई। वहां से भी हमारे हक में कुछ नहीं आया। अब कक्षाएं भी शुरू हो गईं हैं। हमारे ऊपर दबाव है।

अमरनाथ यात्रा में इस बार चापर सेवा के लिए देना होगा अधिक किराया

जम्मू, (हि.स.)। श्री अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होने जा रही है जबकि इस यात्रा के लिए चापर का किराया भी निधार्रित कर दिया गया है। बीते वर्ष से इस बार श्रद्धालुओं को चापर का अधिक किराया भरना होगा। आपकों बता दें कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने पहलगाम से पंजतरणी तक चापर का एक तरफ का किराया 4900 रुपये और दो तरफ का किराया 9800 रुपये किया है जबकि नीलग्राथ से लेकर पंजतरणी तक का एक तरफ का किराया 3250 रुपये और दोनों तरफ का 6500 रुपये रखा गया है। आपकों बता दें कि बीते वर्ष नीलग्राथ-पंजतरणी का एक तरफ का किराया 2800 रुपये और दोनों तरफ का 5600 रुपये था। जबकि पहलगाम-पंजतरणी का एक तरफ का किराया 4200 रुपये व दोनों तरफ का 8400 रुपये था। जबकि इस बार चापर की बुकिंग बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट पर आनलाइन होगी और बुकिंग के बाद चापर सेवा का इस्तेमाल करते समय श्रद्धालु के पास स्वास्थ्य प्रमाणपत्र होना चाहिए। श्राइन बोर्ड के अनुसार, श्रद्धालुओं को आफलाइन टिकट या प्राथमिकता उपलब्ध नहीं होगी, इसलिए बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगी। इसमें कोई बिचौलिया भी नहीं होगा। यानि सिर्फ और सिर्फ आनलाइन बुकिंग पर ही आपकों चापर की सेवा उपलब्ध होगी।

पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा देवस्थलों के प्रति हमारी आस्था को जोड़ने का संकल्प : मुख्यमंत्री

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा केवल महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर नहीं, बल्कि हमारे आस्था के केंद्र ज्योतिलिंगों के प्रति देश और दुनिया में स्थित श्रद्धालुओं की आस्था को जोड़ने का संकल्प हैं। इस आनंद में आज हम सभी सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि उज्जैन में एयरपोर्ट बनाया जाएगा। उज्जैन में एयरपोर्ट बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा स्वीकृति दे दी गई है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री डॉ यादव रविवार को उज्जैन स्थित पुलिस लाइन में पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा के संचालन प्रारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा के तहत प्रारंभ हो रहे हेलीकॉप्टर की विधिवत पूजा अर्चना की और हेलीकॉप्टर को हरी झंडी दिखाकर हवाई सेवा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने हेली सेवा के अंतर्गत प्रथम यात्री मुंबई से आई दिशा सिंह और उनके परिवार को विमान टिकट का वितरण किया। पहले चरण में भोपाल उज्जैन ओंकारेश्वर एवं इंदौर उज्जैन ओंकारेश्वर रूट पर यह हवाई सेवा प्रारम्भ की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आईआरसीटीसी पर इस सेवा की बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हवाई सेवा का विस्तार निरंतर जारी रहेगा। आने वाले दिनों में हेलीकॉप्टर की संख्या और बढ़ाई जाएगी। जिसमें 16-16 यात्री हवाई सेवा का लाभ ले सकेंगे। प्रदेश के मैहर, दतिया, ओरछा, अन्य धार्मिक, पर्यटन और ऐतिहासिक महत्व के देव स्थलों भी हवाई यात्रा से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम में सांसद अनिल फिरोजिया, विधायकगण अनिल जैन कालूहेड़ा व सतीश मालवीय, महापौर मुकेश टटवाल, विवेक जोशी, बहादुर सिंह बोरमुंडला, अन्य गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, एसीएस राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव विमानन संदीप यादव, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

उज्जैनवासियों ने पेश की सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल - मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि उज्जैन को पिछले दो दिनों में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सौगातें मिली हैं। विकास का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि विकास के लिए उज्जैनवासियों ने सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल पेश की हैं। केडी मार्ग चौड़ीकरण के लिए स्वेच्छा से धार्मिक स्थलों को पीछे करने के लिए मुख्यमंत्री ने उज्जैनवासियों को धन्यवाद दिया।

सरकार ट्रेनों में वेटिंग की झंझट को खत्म करने कर रही उपाय!

- भारतीय रेलवे वंदे भारत ट्रेनों के स्लीपर वेरिएंट का ट्रायल शुरू करेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। गर्मी की छुट्टियों के चलते हर साल ट्रेनों में भीड़ की समस्या बढ़ जाती है। इसको देखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल में एक बैठक की। इस बैठक में उन्होंने रेलवे बोर्ड के सदस्यों, जोन प्रमुखों और मंडल के अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बात की। इस बैठक में स्टेशनों और ट्रेनों में सुरक्षा, समय की पाबंदी और सेवाओं पर चर्चा की गई। बीते रोज केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय रेलवे जल्द ही वंदे भारत ट्रेनों के स्लीपर वेरिएंट का ट्रायल शुरू करने वाला है। वंदे स्लीपर का फाइनल काम चल रहा है। अभी चलने वाली वंदे भारत ट्रेनों में सिर्फ चेयर कार होती हैं। इससे उनका उपयोग कुछ ही घंटों तक सीमित रहता है। स्लीपर वेरिएंट लंबी यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक आरामदायक सफर प्रदान करेगा। नई ट्रेनों के अलावा वैष्णव ने यह भी बताया कि अप्रैल, मई और जून के दौरान गर्मी की भीड़ को कम करने के लिए 19,837 स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, इन महीनों के दौरान भारतीय रेल ने 4 करोड़ अतिरिक्त यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया। वैष्णव ने बताया है कि अमृत भारत ट्रेनों का ट्रायल सफल रहा है।

जल्द ही इनके शुरू होने की उम्मीद है। इन तमाम उपायों के जरिये सरकार वेटिंग की झंझट को खत्म करना चाहती है। अधिकारियों के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक में वैष्णव ने जोर देकर कहा कि सुरक्षा और बुनियादी ढांचे से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। बैठक में मौजूद एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि सेवाओं और समय की पाबंदी में सुधार, व्यस्त मार्गों की पहचान और भीड़भाड़ को कम करने के लिए विशेष ट्रेनों को चलाने पर फोकस किया गया। इसके अलावा वैष्णव ने गर्मी के मौसम में स्टेशनों पर एसी, पंखे और वाटर कूलर जैसे उपकरणों के नियमित रखरखाव को सुनिश्चित करने का आह्वान किया। एक मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि मंत्री ने कहा कि समय पर ट्रेन संचालन सुरक्षा और यात्री सुविधाओं के साथ होना चाहिए।

हवाई युद्ध अभ्यास 'रेड फ्लैग' में भारतीय वायु सेना ने 100 से अधिक उड़ानें भरीं

- शून्य से नीचे के तापमान के बावजूद भारत ने सभी निर्धारित मिशन पूरे किए

- यही टुकड़ी 24 जून को ग्रीस और मिस्त्र की वायु सेना के साथ अभ्यास करेगी

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना ने सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, जर्मनी और अमेरिका की वायु सेनाओं के साथ एयर फोर्स बेस, अलास्का में हवाई युद्ध प्रशिक्षण अभ्यास रेड फ्लैग में हिस्सा लिया है। यह अभ्यास का दूसरा संस्करण था, जिसे अमेरिकी वायु सेना वर्ष में चार बार आयोजित करती है। चुनौतीपूर्ण मौसम और लगभग शून्य से नीचे के तापमान के बावजूद भारतीय वायु सेना ने पूरे अभ्यास के दौरान 100 से अधिक उड़ानें भरकर सभी निर्धारित मिशन पूरे किए। भारत लौटने से पहले यह टुकड़ी को 24 जून को ग्रीस और मिस्त्र की वायु सेना के साथ अभ्यास में भाग लेगी। संयुक्त राज्य वायु सेना के एयरबेस एइलसन में 04 से 14 जून तक आयोजित इस अभ्यास में भारतीय वायु सेना के साथ-साथ रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयर फोर्स, यूनाइटेड किंगडम की रॉयल एयर फोर्स, रॉयल नीदरलैंड एयर फोर्स, जर्मन लूफ़्टवाफे. और यूएस एयर फोर्स ने भाग लिया। भारतीय वायुसेना की टुकड़ी ने राफेल विमान और कर्मियों के साथ भाग लिया, जिसमें एयर क्रू, तकनीशियन, इंजीनियर, नियंत्रक और विषय विशेषज्ञ शामिल थे। भारत की यह टुकड़ी 29 मई को अलास्का में यूएसएएफ बेस, एइलसन पर उतरी थी। राफेल लड़ाकू विमान को आईएल-78 एयर टू एयर रिफ्यूलर से सक्षम किया गया था, जबकि कर्मियों और उपकरणों को परिवहन विमान सी-17 ग्लोबमास्टर से ले जाया गया। यह पहली बार था जब भारत के राफेल विमानों ने सिंगापुर और अमेरिकी विमान एफ-16, एफ-15 और ए-10 के साथ अभ्यास 'रेड फ्लैग' में भाग लिया। इन मिशनों में आक्रामक काउंटर एयर और एयर डिफेंस भूमिकाओं में लार्ज फोर्स इंगेजमेंट के एक भाग के रूप में बियॉन्ड विजुअल रेंज लड़ाकू अभ्यास शामिल थे। भारतीय वायु सेना के चालक दल मिशन योजना में सक्रिय रूप से शामिल थे और अभ्यास के दौरान निर्दिष्ट मिशनों के लिए मिशन लीडर की भूमिका भी निभाई। अभ्यास के दौरान अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ अंतर-संचालन की अंतर्दृष्टि और बहु-राष्ट्रीय वातावरण में सहयोगात्मक समझ शामिल थी। लंबी दूरी तक हवाई उड़ान भरने और रास्ते में हवा से हवा में ईंधन भरने का अनुभव युवा चालक दल के लिए रोमांचकारी अनुभव था। भारत लौटने से पहले यह टुकड़ी 24 जून को ग्रीस और मिस्त्र की वायु सेना के साथ अभ्यास में भाग लेगी। रेड फ्लैग अभ्यास के अनुभव से समृद्ध भारतीय वायु सेना अभ्यास तरंग शक्ति-2024 के दौरान अन्य देशों के प्रतिभागी दलों की मेजबानी करने के लिए उत्सुक है, जो इस वर्ष के अंत में होने वाला पहला भारतीय बहुराष्ट्रीय वायु अभ्यास है।

राजनीति सेवा नहीं उद्योग बन गया

मैं राजस्थान को कृषि क्षेत्र में आगे ले जाने का प्रयास करुंगा : किरोड़ीलाल मीणा

सिरोही (हिंस)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान के ज्ञान सरोवर में आयोजित किसानों के सम्मेलन में बड़ा बयान दिया। उन्होंने राजनीति पर प्रहार करते हुए कहा कि मेरा मानना है कि राजनीति आज सेवा नहीं बल्कि उद्योग बन गया है। भ्रष्टाचार का इतना बोलबाला है कि जैसे ही कोई फाईल उठाता हूं, उसमें घोटाला ही निकलता है। उन्होंने कहा कि हमारे विभाग में कुछ ऐसे अधिकारी थे जो लंबे समय से अपने पद पर बने हुए थे। उन्हें हटाया तो शोर मच गया। उन्होंने सभी राजनेताओं के लिए अध्यात्म का पाठ पढ़ाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि वे राजस्थान के कृषि मंत्री है, प्रदेश के कृषि के क्षेत्र में आगे ले जाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने अपने इस्तीफे की बात पर बिंदु लगा दिया। इस बयान के कुछ घंटे पहले ही उन्होंने इस्तीफे के सवाल पर मुंह पर हाथ रखकर चुप्पी साध ली थी। कृषिमंत्री रविवार को एक दिवसीय दौरे पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान माउण्ट आबू आये थे। जहां उन्होंने जैविक यौगिक खेती के मॉडल का अवलोकन कर अपने क्षेत्र में भी बनाने का प्रस्ताव रखा था। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा एक दिवसीय दौरे पर आबू रोड तथा माउण्ट आबू आये। बिना लाव लश्कर के वे सबसे पहले ब्रह्माकुमारीज संस्थान के आदर्श राजऋषि विलेज देखने के लिए आमथला पहुंचे। यहाँ उन्होंने आदर्श गॉव का माडल देख तपोवन में हो रही जैविक यौगिक खेती को भी देखा और फिर ब्रह्माकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी से मुलाकात की तथा आशीर्वाद लिया। मुलाकात में उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान से आध्यात्मिकता का संदेष पूरे विश्व में जा रहा है। यहाँ की व्यवस्था और जैविक यौगिक खेती का प्रयास निश्चित तौर पर किसानों को आत्म निर्भर बनाने में मदद करेगा। संस्थान प्रमुख दादी ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर आशीर्वाद दिया तथा ईश्वरीय प्रसाद भेंट की। उनके साथ आबू पिण्डवाड़ा समाराम गरासिया, विश्व हिंदू परिषद के नितेष अग्रवाल समेत कई लोग उपस्थित रहे। इसके बाद वे माउण्ट आबू स्थित ज्ञान सरोवर परिसर में चल रहे किसानों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए रवाना हो गए। खास बात तो यह रही कि ना तो उनके साथ कोई सरकारी गाड़ी थी और ना कोई पुलिस का जवान।

गंगा नदी में डूबी नाव, 6 लापता की तलाश, 11 लोगों ने तैर कर बचाई जान

पटना (हिंस)। पटना के बाढ़ जिले में रविवार सुबह गंगा नदी में नाव पलटने से उसमें सवार 17 लोग डूबने लगे, इनमें 11 लोगों ने तैर कर अपनी जान बचा ली। हादसे के बाद से 6 लोग लापता हैं। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम लापता लोगों की गंगा में तलाश कर रही है। बाढ़ में आज गंगा दशहरा पर लोग स्नान के लिए जुटे थे।

हाथरस में योगेश उपाध्याय की हत्या से ब्राह्मण समाज आक्रोशित, शोकसभा कर दी श्रद्धांजलि

हमीरपुर (हिंस)। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद हाथरस के जिलाध्यक्ष पंडित योगेश उपाध्याय की हत्या के विरोध में हमीरपुर के ब्राह्मण समाज आक्रोशित हैं। रविवार को यहां ब्राह्मण समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने हत्याकांड की निंदा करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने इस कांड के आरोपियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की तो पूरे प्रदेश का ब्राह्मण सड़कों पर उतरेगा। हमीरपुर शहर में नगर पालिका परिषद की अम्बेडकर पार्क में आज तपती धूप के बीच अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के तत्वाधान में शोकसभा का आयोजन किया गया। परिषद के प्रमुख दीपक मिश्रा, रमाकांत शुक्ला, युगांक मिश्रा, मोहित द्विवेदी, पंकज द्विवेदी, आशुतोष त्रिपाठी, आशुतोष शुक्ला समेत तमाम ब्राह्मणों ने हाथरस हयाकांड की निंदा करते हुए शोक व्यक्त किया। ब्राह्मण समाज के हाथरस जिलाध्यक्ष योगेश उपाध्याय को शोकसभा में सभी ने श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। शोकसभा में दीपक मिश्रा ने कहा कि हाथरस में ब्राह्मण समाज के प्रमुख नेता की हत्या से जनपद का ब्राह्मण समाज आक्रोशित है। उन्हें आज शोकसभा कर श्रद्धांजलि दी गई है। मंगलवार को उच्चाधिकारियों के माध्यम से एक ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा। सरकार को इस कांड के आरोपियों पर बड़ी कार्रवाई करने के साथ ही मृतक के परिवार को आर्थिक मदद देने की मांग की जाएगी। यदि सरकार ने ध्यान नहीं दिया तो ब्राह्मण समाज सड़कों पर उतरेगा। रमाकांत शुक्ला ने कहा कि आज प्रदेश के 75 जिलों में शोकसभा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज के लोग अब ऐसी घटना को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

शव के साथ ग्रामीणों ने किया सड़क जाम, मुआवजे की मांग

कोडरमा (हिंस)। कोडरमा थाना अंतर्गत लखीबागी में रविवार को ग्रामीणों ने सड़क दुर्घटना में मारे गए युवक के शव के साथ सड़क जाम कर दिया। पटना रांची रोड को जाम किए जाने के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई। वहीं यात्रियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा। शनिवार देर शाम लोचनपुर पुल के समीप ट्रैक्टर की चपेट में आने से घायल बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। युवक उपेंद्र कुमार रजक (25) लोचनपुर लखीबागी का निवासी था। घटना के बाद रविवार को कोडरमा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। इधर परिजनों और ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालक की गिरफ्तारी और मुआवजा की मांग को लेकर शव के साथ सड़क जाम कर दिया। जाम में सैकड़ों वाहन कई घण्टे तक फंसे रहे। बाद में एसडीपीओ जीतवाहन उरांव और थाना प्रभारी सुजीत कुमार के आश्वासन के बाद सड़क जाम हटाया गया।

बकरा ईद पर प्रतिबंधित स्थानों पर पशु कटान न हो : धर्मेंद्र तोमर

मुरादाबाद (हिंस)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) की बैठक रविवार को संपन्न हुई जिसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शिवसेना संगठन को मजबूत करने व बकरा ईद को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में आज महानगर, तहसील व ग्राम स्तर पर पदाधिकारियों की इकाइयों का गठन किया गया। बैठक में पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी धर्मेंद्र तोमर द्वारा धर्मेंद्र तोमर ने कहा कि बकरा ईद पर प्रतिबंधित स्थानों पर पशु कटान व प्रतिबंधित पशुओं के कटान पर सतर्क रहने के निर्देश दिए। साथ ही बैठक में शिवसेना को पश्चिम उत्तर प्रदेश में मजबूत करने व नए शिव सैनिकों को शिवसेना में जोड़ने पर भी विचार-विमर्श किया गया। शिव सेना जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोरा ने बकरा ईद को लेकर 21 सदस्यों की एक टीम गठित की। बैठक में कमल राव, विहपन भटनागर, मुदित उपाध्याय, भरत अरोरा, पकज पाल, अरुण राठोर आदि मौजूद रहे।

संविधान पर न खतरा था न होगा : आरिफ मोहम्मद

बुलंदशहर (हिंस)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा संविधान न कभी खतरे में था और न कभी होगा। भारत में कानून का शासन है और यह भारत की हजारों साल पुरानी परंपरा है। रविवार को अपने पैतृक जिला बुलंदशहर पहुंचे आरिफ मोहम्मद खान ने यहां कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी गठबंधन की तरफ से संविधान के खतरे में होने का डर दिखाए जाने की बात पर कहा कि संविधान में समय-समय पर संशोधन होते रहे हैं और संविधान का जो मूल ढांचा है उसकी अपनी एक पवित्रता है। आरिफ मोहम्मद खान ने जम्मू-कश्मीर के हालिया आतंकी घटनाओं पर कहा कि इसका नई सरकार के गठन से कोई लेना-देना नहीं है। पहली बार कश्मीर में इतनी बड़ी संख्या में लोग वोट करने के लिए घरों से निकले और कश्मीर में तेजी के साथ स्थिति सामान्य हो रही है। आतंकवाद समर्थक नेता कहा करते थे कि कश्मीर के लोग साथ नहीं हैं लेकिन अब जिस प्रकार से जम्मू कश्मीर में इतने बड़े पैमाने पर वोटिंग हुई है, उससे इन लोगों को लगता है कि सिचुएशन उनके हाथ से निकल रही है। केरल की त्रिशूर सीट से भाजपा के टिकट पर जीते सुरेश गोपी के इंदिरा गांधी को मदर ऑफ इंडिया वाले बयान पर खान ने कहा कि राजनीति में दुश्मनी नहीं होती। लोकतंत्र में विरोधियों के लिए भी सम्मान होना चाहिए। डेमोक्रेसी में दुश्मनी का भाव नहीं होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान कश्मीर के मामले में भारत के डेलिगेशन को अटल जी ने लीड किया था। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि देश की तरक्की का रास्ता शिक्षा से होकर जाता है और शिक्षा से ही शक्ति आती है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति को पूरी दुनिया ने शिक्षा की संस्कृति माना है। यदि भारत ज्ञान की बात करता है तो कोई नई बात नहीं कर रहा है। हम सिर्फ अपनी खोई हुई विरासत को पुनर्जीवित कर रहे हैं।

विकास व जनकल्याण के कार्यों की सतत निगरानी करें एमपी-एमएलए : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री ने किया संवाद

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सांसद, विधायक समेत सभी जनप्रतिनिधियों का आह्वान किया है कि वे विकास और जन कल्याण के कार्यों की सतत निगरानी करें। सभी जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में पात्रों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने को तत्पर रहें, विकास कार्यों के नए प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं। सुरक्षित माहौल में विकास और जनकल्याण सरकार की प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री योगी रविवार को एनेक्सी भवन में गोरखपुर मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कर रहे थे। अनौपचारिक अंदाज में हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित सांसदों को बधाई दी और लोकसभा चुनाव में पूरे मनोयोग से परिश्रम करने वाले विधायकगण को साधुवाद दिया। उन्होंने संवाद के लिए आहुत इस बैठक में उपस्थित सभी विधायकों से उनके क्षेत्र में जारी विकास कार्यों,जनकल्याण के कार्यक्रमों की उपलब्धियों की जानकारी ली। कहा कि विकास सतत चलने वाली प्रक्रिया है। क्षेत्र में विकास की जितनी भी गुंजाइश है, सभी जनप्रतिनिधि उस पर प्रस्ताव तैयार कराएं। साथ ही ऐसे पात्र लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से जोड़ें जिन्हें किन्हीं कारणवश किसी योजना का लाभ न मिल पाया हो। सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है। हर जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है कि वह जनता की समस्याएं और उनकी अपेक्षाएं सुनें तथा उसके अनुरूप विकास और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाए। आमजन की संतुष्टि ही किसी जनप्रतिनिधि के काम का मानक है, इसलिए आम आदमी का विश्वास जीतें और इस विश्वास की डोर को और मजबूत करते रहें। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने हालिया संपन्न लोकसभा चुनाव में पार्टी के विधानसभावार प्रदर्शन पर भी चर्चा की और सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अभी से आगामी लक्ष्य के संधान में जुट जाएं। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही,राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, सांसद रवि किशन, विजय दूबे, शशांक मणि, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, महेन्द्रपाल सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, जयप्रकाश निषाद, शलभ मणि त्रिपाठी, विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, प्रेम सागर पटेल, ऋषि त्रिपाठी समेत कई विधायक, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, रतनपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी की हत्या की धमकी देने वाला शख्स प्रयागराज से गिरफ्तार

कानपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हत्या की धमकी देने वाले शख्स को पुलिस क्राइम ब्रांच की स्वाट एवं सर्विलांस की टीम ने प्रयागराज से शनिवार को गिरफ्तार किया। अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) मनीष सोनकर ने मीडियाकर्मियों को बताया कि गिरफ्तार आरोपित मध्य प्रदेश के रीवा जिले के कुनिया खुर्द का है। उसका नाम दीपक श्रीवास्तव है। उसे प्रयागराज के कोरांव थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ोखर से गिरफ्तार किया गया। क्राइम ब्रांच की स्वॉट टीम के उपनिरीक्षक मोहम्मद आरिफ ने सूचना दिया कि 12 दिसंबर को उसके मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा तीन बार कॉल करके धर्म से संबंधित अपशब्द, जाति सूचक शब्द व जान से मारने की धमकी दी गई। धमकी देने वाले ने अपना नाम कुंवर राजपूत बताया। उसने धमकी दी कि वह सुबह तक तुम्हारी छवि धूमिल कर तुम्हें जेल भिजवा रहूंगा।

गंगा दशहरा को लेकर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

भागलपुर (हिंस)। गंगा दशहरा को लेकर जिले के विभिन्न गंगा घाटों पर रविवार के अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। उधर सुलतानगंज के अजगैवीनाथ धाम स्थित उत्तरवाहिनी गंगा घाट में बिहार और झारखंड के हजारों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। आज के दिन मां गंगा जन्मोत्सव है। विशेषकर महिलाएं आज के दिन गंगा स्नान कर मां गंगा को आम का फल, फूल और प्रसाद चढाते हुए गंगा में प्रवाहित करती हैं। ऐसा करने पर सुख शांति मिलती है और सारे कष्टों का निवारण होता है। गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं के भीड़ को लेकर लिए गंगा घाट में नगर परिषद के द्वारा छोटी नाव और गंगा घाट की बेरिकेटिंग किया गया है। अंचल अधिकारी रवि कुमार के द्वारा गंगा घाट में एसडीआरएफ टीम में लगाया गया है। थानाध्यक्ष प्रिय रंजन के द्वारा गंगा घाट से लेकर कच्ची कांवरिया पथ तक सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

स्टांप लूटकांड में दो आरोपी और गिरफ्तार एक लुटेरा गोली लगने से घायल

पुलिस ने लूट की बाकी रकम में 1.46 लाख रुपए किए बरामद

कौशांबी (हिंस)। मंझनपुर व करारी थाना पुलिस ने स्टांप वेंडर लूटकांड के फरार दो लुटेरों को शनिवार गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान एक लुटेरे को मुठभेड़ में पैर पर गोली लगने से घायल हो गया उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने लुटेरों के कब्जे से लूट की 1.46 लाख रुपए बरामद करने का दावा किया है। पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव ने रविवार को बताया कि सैनी थाना क्षेत्र के नगियामई गांव के समीप बीते सोमवार को स्टांप वेंडर से 5.57 लाख रुपए लूट की घटना हुई थी। घटना से सबंधित बदमाश अयाज की गिरफ्तारी मंझनपुर पुलिस ने शनिवार दोपहर में ही कर ली थी। पूछताछ में बदमाश ने लूट की रकम 1.46 लाख रुपए बरामद कराए। इस दौरान अयाज ने अपने साथी फैयाज के बारे में पुलिस को जानकारी दी। साथी का पता चलते ही पुलिस की टीमें उसकी धरपकड़ में लग गई। पूछताछ में साथी द्वारा फैयाज के शनिवार रात ओसा पुलिया के पास मुलाकात होने की बात की जानकारी पर पुलिस ने घेराबंदी की। मंझनपुर में करारी थाना पुलिस ने लुटेरे फैयाज की गिरफ्तारी की कोशिश की। उसने पुलिस को देख फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश फैयाज के पैर पर गोली जा लगी। उसे घायल हालत में इलाज के लिए मंझनपुर स्थित मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। एसपी ने बदमाशों पर कड़ी कार्रवाई के लिए थाना पुलिस को निर्देशित किया है। मोहब्बतपुर पइंसा के रामसहायपुर गांव निवासी केशव प्रसाद मंझनपुर तहसील के रजिस्ट्री दफ्तर के बाहर स्टांप बेचने का काम करते हैं। वह बीते सोमवार की शाम तहसील से स्टांप बिक्री के 5.57 लाख रुपए बैग में लेकर बाइक से अपने घर जा रहे थे। शाम करीब 8 बजे नगियामई गांव के समीप अज्ञात कार सवार बदमाशों केशव से रुपए से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। थाना सैनी पहुंचकर पीडि़त केशव प्रसाद ने पुलिस को अज्ञात बदमाशों के खिलाफ तहरीर लिखकर मुकदमा दर्ज कराया। लूट की वारदात के खुलासे के लिए एसपी ने पांच पुलिस टीमों का गठन कर बदमाशों की तलाश शुरू कराई। लूट के दो दिन बाद बुधवार को एसओजी पुलिस टीम ने शाखा गांव के जंगल में लूट के तीन बदमाश मो. समीर, गौरव त्रिपाठी व बादल कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया। एसपी बृजेश श्रीवास्तव के मुताबिक गिरफ्तार बदमाश मो. समीर खान ने पुलिस कस्टडी में होने के बावजूद जंगल में छिपा कर रखे गए रुपए बरामद करने की कोशिश में पुलिस टीम पर रुपए भरे बैग से तमंचा निकाल कर फायर किया। जिसकी जवाबी कार्यवाही में बदमाश समीर के दाहिने पैर में गोली लगी। उसे इलाज के बाद जेल भेज गया। बदमाशों के कब्जे से लूट के 3.69 लाख रुपए बरामद किए गए। घटना के दो अन्य बदमाश पकड़े नहीं गए थे, उनकी तलाश में पुलिस की टीमें लगी थी और उनसे 1.80 लाख रुपए बरामद करने थे। वह दोनों भी पकड़ लिए गए हैं और लूट की बाकी रकम में 1.46 रुपए और बरामद कर लिए गए हैं।

इब्राहिम अलैहि की सुन्नतों को आज किया जाए याद

भागलपुर (हिंस)। देश के प्रसिद्ध खानकाह-ए-पीर शाह के 15वें सज्जादानशीं सैयद शाह फखरे आलम हसन ने कहा कि त्याग और बलिदान का त्योहार बकरीद 17 जून को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा और खुदा की राह जानवरों की कुर्बानी कर सैयदना इब्राहिम अलैहि सलाह की सुन्नतों को याद किया जाएगा। बकरीद का त्योहार बहुत अजमत और लोगों की भलाई का संदेश देता है। सज्जादानशीं ने कहा कि मुसलमानों को चाहिए कि बकरीद के दिन सुबह-सवेरे उठकर अपने मोहल्ले की मस्जिदों में फजर की नमाज अदा करें। ईदगाह या मस्जिद जाने से पहले गुसुल (स्नान) कर लें, अच्छा कपड़ा पहनें, खुशबु लगाएं और जिस्म की पाकी के साथ-साथ दिल और जुबान को भी पाक और साफ रखें। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा की नमाज के लिए जाते समय अल्लाह की बढ़ाई और उसकी अजमत के कलेमात पढ़ते जाए और घर वापस आने पर जानवरों की कुर्बानी कर हजरत इब्राहिम अलैहि सलाह की सुन्नतों को याद किया जाए। शाह हसन ने अपने संदेश में कहा कि त्योहार के अवसर किसी दूसरे धर्म के मानने वालों की किसी प्रकार का कष्ट न हो इसका खास ध्यान रखा जाए क्योंकि बकरीद का त्योहार आपस में भाईचारा और एकता का पैगाम देता। त्योहार के अवसर पर नगर निगम प्रशासन द्वारा जो गाइडलाइंस दिए गए हैं। उसका हर हालत में पालन होना चाहिए। कुर्बानी के बचे अवशेषों को इधर-उधर न फेंके बल्कि चिन्हित स्थानों पर ही इसे डंप किया जाए। सज्जादानशीं शाह हसन ने बकरीद की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि त्याग और बलिदान का त्योहार शांतिपूर्ण और सादगी से मनाएं और प्रेम का पैगाम दूसरों तक पहुंचाए।

होनहार छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के बाद शिक्षा मंत्री बोले-शिक्षा के साथ संस्कार भी आवश्यक

पाली (हिंस)। शिक्षा और पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर रविवार को जिले के दौरे पर रहे। उन्होंने बालराई में भामाशाह द्वारा निर्मित लगभग सात आठ करोड़ रुपए की लागत से भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बालराई का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा द्वारा समाज में बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में किए गए भामाशाह के प्रयास अनुकरणीय व प्रेरणादायी है। समारोह में उन्होंने कला, कृषि आदि संकाय खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जहां भी जरूरत होगी वहां शिक्षक लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, वे अपेक्षा करते हैं कि राज्य के शिक्षक मिलकर और बेहतर परिणाम अगले वर्ष देंगे। उन्होंने कहा कि बहुत ज्यादा अंक लाना ही पर्याप्त नहीं है, बच्चों को अच्छे संस्कार देना भी जरूरी है। बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का अंकुरण भी होना चाहिए, शिक्षा के साथ-साथ संस्कार होंगे तो सोने पर सुहागा हो जाएगा। उन्होंने पर्यावरण के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा कि पेड़ हमारे जीवन का मूलभूत आधार हैं, पेड़ हमें छाया, ऑक्सीजन और सब कुछ देते हैं। पेड़ों से तापमान काम होता है, प्रदूषण कम होता है और भी अनेक फायदे मिलते हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी में तापमान कुछ जिलों में 50 डिग्री के ऊपर चला गया है। इससे बचाव के लिए तापमान को कम करने के लिए पेड़ लगाने चाहिये। उन्होंने कहा कि सभी संगठन, संस्थाएं, व्यायसायी, आमजन पौधारोपण में आगे आए, सरकार द्वारा स्थानीय निकाय विभाग और पंचायतीराज विभाग के माध्यम से सभी को हर संभव सहयोग दिया जाएगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने भी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किया गया भामाशाह द्वारा किया गया कार्य आगे तक हमेशा याद रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अल्प काल में विकास के अनेक कार्य किए है। सरकार शिक्षा के माध्यम से आने वाले समय के भविष्य बच्चो के लिए समग्र विकास हो इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है, विकास का लाभ सभी वर्गों को मिलेगा। इस अवसर पर पाली लोकसभा सांसद पीपी चौधरी ने कहा कि उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उच्च गुणवत्तापूर्ण स्कूल का भवन व स्टाफ भी हो।

अपने आकाओं को खुश करने के लिए आतंक फैला रहे आतंकी : केसरी

जम्मू (हिंस)। शिवसेना हिंदुस्तान के राज्य अध्यक्ष ने तरेवा गांव में प्रेस वार्ता का आयोजन किया जिसमें राजेश केसरी ने आतंकवाद पर बोलते हुए कहा कि आतंकवादी जो सरहद पार से आते हैं। वे लोग जिनको श्रीनगर में हमारी बेल्ट फोर्स ने अथवा जम्मू-कश्मीर की पुलिस ने मिलकर नाको चने चबा दिए हैं, जिस कारण अब आतंकवादी अपना संतुलन खो बैठे और जम्मू संभाग में आतंकवाद फैलाना चाहते हैं और जिसका उदाहरण आप पिछले दिनों में राजौरी डोडा कठुआ जम्मू जिला में हुई आतंकी घटनाओं में देखा। वो पाक में बैठे अपने आंकाओ को खुश करने के लिए ऐसी हरकतें कर रहे हैं लेकिन हमारे कठुआ में जम्मू कश्मीर पुलिस और बेल्ट फोर्स ने मिलकर इनको मार गिराया और आज ताजा उदाहरण श्रीनगर से आ रहे दो आतंकवादियों को सांबा पुलिस ने पकड़ा है।

प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के लिए सब मिलकर कार्य करें : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि प्रकृति और पर्यावरण की भारतीय संस्कृति का संरक्षण जरूरी है। उन्होंने अधिकाधिक पेड़ लगाए जाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रकृति के आंतरिक संतुलन को क्षति पहुंचाए बगैर विकास की सोच को मूर्त रूप दें। उन्होंने कहा कि वृक्ष एवं वनस्पतियां भूमि को उन्नत और उर्वरा ही नहीं बनाते बल्कि सबका भरण पोषण भी करते हैं। मिश्र रविवार को श्री कल्पतरू संस्थान द्वारा आयोजित *वृक्ष मित्र सम्मान समारोह* में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संस्थान की ओर से वृक्ष मित्र के रूप में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक सम्मान के रूप में प्रतिदिन एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने वाली उमा व्यास को सम्मानित किया। उन्होंने वृक्ष मित्र के रूप में पर्यावरण कार्यकर्ता केपी कनाल, अशोक थोरात, गौतमराज शर्मा, रेणु राष्ट्रदीप, संदीप, उषा, अंजू चौधरी, ऋषि, रितेश दुबे को सम्मानित किया। उन्होंने वहीं परिंदो के लिए परिण्डा अभियान की भी शुरूआत की। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन दृष्टि प्रकृति पूजक रही है। इसके पीछे बड़ा वैज्ञानिक तथ्य यही है कि पारिस्थितिकी संतुलन बना रहे। उन्होंने राजस्थान में खेजड़ली में शमी वृक्ष *खेजड़ी* के लिए किए गए बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि हमारे यहां पेड़ बचाने के लिए लोगों ने अपनी जान की भी परवाह नहीं की है। उन्होंने प्रकृति के पंचभूत तत्वों का उल्लेख करते हुए पेड़ लगाने और उनके संरक्षण के लिए भी सभी को कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने पेड़ों को धरती का श्रृंगार बताते हुए हरी- भरी धरा के लिए सबको मिलकर कार्य करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि इतने पेड़ लगे कि पर्यावरण का अपने आप संरक्षण हो। अधिक से अधिक लोग वृक्ष मित्र बनें। इससे पहले श्री कल्पतरु संस्थान के *ट्री मैन ऑफ इंडिया* के रूप में चर्चित विष्णु लांबा ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल ने जयपुर एनवायरमेंट फेस्टिवल- प्री लांचिंग के पोस्टर का विमोचन किया। आरंभ में उन्होंने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

संपादकीय

कुवैत का 'लाक्षा गृह'

कुवैत की अल-मंगाफ इमारत आज के संदर्भ में 'लाक्षा गृह' करार दी जा सकती है। इमारत में 196 विदेशी कामगार, मजदूर आदि भेड़-बकरियों की तरह रहने को विवश थे। इस 'लाक्षा गृह' में भीषण आग लगी, तो वह फैलती ही गई। आग बुझाने के उपकरण नहीं थे। आग से बचकर बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। आग फैलने लगी, तो भगदड़ के हालात बन गए, नतीजतन मजदूर अपनी जिंदगी बचाने में असहाय, असमर्थ रहे। जलकर भस्म होने वालों में 45 भारतीय थे। उनमें सर्वाधिक 23 केरल के, 7 तमिलनाडु के, 3 आंध्रप्रदेश के और उप्र, बिहार, पंजाब, हरियाणा, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के एक-एक व्यक्ति थे। दरअसल भारतीय दुनियाभर में नौकरी करने, पेशा करने और कारोबार खोलने को जाते हैं। मकसद होता है कि अधिकतम पैसा कमाया जाए और भारत में परिजनों को कुछ पैसा वापस भेजा जाए, लेकिन त्रासदियों के आंकड़े सिर्फ खाड़ी देशों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि अमरीका, रूस, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी जैसे देशों में मजदूर ही नहीं, भारतीय छात्र भी त्रासदियों के शिकार होते रहे हैं। चूंकि मजदूरी, राजमिस्त्री, बढ़ई, बिजलीकर्मी, फैक्टरी एवं घरेलू कामगार, फूड डिलीवरी एजेंट के तौर पर इतने भारतीय कुवैत में काम करते हैं कि वे वहां के कुल कार्यबल के 20 फीसदी से अधिक हैं। करीब 10 लाख भारतीय कुवैत में रहते और काम करते हैं। विदेश मंत्रालय के डाटा के मुताबिक, करीब 88 लाख भारतीय खाड़ी देशों में रहते और काम करते हैं। कुवैत इमारत की घटना त्रासद के साथ-साथ अमानवीय भी है। करीब 50 भारतीय घायल भी हुए हैं। कुवैत के उपप्रधानमंत्री शेख फहद यूसुफ अल-सबा ने इमारत के मालिकों पर लालच का आरोप लगाया और कहा कि भवन मानकों के उल्लंघन की वजह से यह त्रासदी हुई, लेकिन हम सिर्फ कारणों से ही संतुष्ट नहीं हो सकते। भारत का बुनियादी सवाल है कि क्या कुवैती सरकार 'लाक्षा गृह' वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी? दरअसल यह सामूहिक जिंदगी का सवाल है। खाड़ी और अरब देश नौकरी, मजदूरी, कौशल-पेशेवर रोजगार के बड़े आकर्षक गंतव्य हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के नियमों के अनुसार विदेशों में श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन निर्धारित है। कुवैत के लिए भारत ने राज्यों के साथ मिल कर 2016 में 64 श्रेणियों के काम के लिए 300-1050 डॉलर की सीमा तय की थी। कुवैत में भारतीय कामगारों को भेदभाव से लेकर खराब, अमानवीय कामकाजी परिस्थितियों तक से जूझना पड़ता है। ह्यूमन राइट्स वॉच के मुताबिक, प्रवासी मजदूर दुव्यवहार, जबरन मजदूरी और निर्वासन आदि के शिकार होते रहते हैं। एक खोजी रपट में खुलासा हुआ था कि कतर में जब फुटबाल स्टेडियम निर्माणाधीन था और जो भारतीय कामगार काम कर रहे थे, उनकी जिंदगी बेहद अनिश्चित और मुश्किल थी। बेशक खाड़ी देशों में मोटा वेतन और अच्छी-खासी दिहाड़ी दी जाती है, लेकिन अकुशल, सेमी कुशल और खुदमुख्तार श्रमिकों ने अन्य प्रवासी कुशल कामगारों की सौदेबाजी की क्षमता को कम किया है। अधिकांश अद्र्धकुशल कामगार किसी एजेंसी या बिचौलिए के जरिए ही रखे जाते हैं, लिहाजा वे काम और आवास की कैसी भी स्थिति से समझौता कर लेते हैं। काम और आवास के हालात बेहतर नहीं होते। कामगार नियोक्ता का 'बंधक' बन कर रह जाता है, क्योंकि वह किसी बेहतर काम और आवास का विकल्प नहीं चुन सकता। भारत ने कुवैत समेत पश्चिमी एशिया के देशों से समझौता-पत्र पर हस्ताक्षर कर रखे हैं। उनसे कामगारों को भर्ती करने की प्रक्रिया और कामगारों के लिए कानूनी संरक्षण की शर्तें तय की गई हैं, लेकिन कानून की प्रक्रिया तो बहुत लंबी और अनिश्चित होती है। अदालतों में केस लडना बहुत महंगा है, लिहाजा भारतीयों को काम करने के अवसरों और आवास आदि से समझौते करने पड़ते हैं। शोषण इन्हीं परिस्थितियों की कोख से निकलता है। बहरहाल अब इस त्रासदी पर मानवाधिकार समूहों ने भी चिंता और सरोकार जताए हैं। दरअसल तमाम अरब देशों में मजदूरों की स्थिति बेहद अमानवीय है।

> इमारत में 196 विदेशी कामगार, मजदूर आदि भेड़-बकरियों की तरह रहने को विवश थे। इस 'लाक्षा गृह' में भीषण आग लगी, तो वह फैलती ही गई। आग बुझाने के उपकरण नहीं थे। आग से बचकर बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। आग फैलने लगी, तो भगदड़ के हालात बन गए, नतीजतन मजदूर अपनी जिंदगी बचाने में असहाय, असमर्थ रहे। जलकर भस्म होने वालों में 45 भारतीय थे। उनमें सर्वाधिक 23 केरल के, 7 तमिलनाडु के, 3 आंध्रप्रदेश के और उप्र, बिहार, पंजाब, हरियाणा, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के एक-एक व्यक्ति थे। दरअसल भारतीय दुनियाभर में नौकरी करने, पेशा करने और कारोबार खोलने को जाते हैं। मकसद होता है कि अधिकतम पैसा कमाया जाए और भारत में परिजनों को कुछ पैसा वापस भेजा जाए, लेकिन त्रासदियों के आंकड़े सिर्फ खाड़ी देशों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि अमरीका, रूस, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी जैसे देशों में मजदूर ही नहीं, भारतीय छात्र भी त्रासदियों के शिकार होते रहे हैं।

आज भारत की आजादी के अमृतकाल का एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का हैं

संसद में दागी नेताओं की संख्या बढ़ना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

> दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और रिकॉर्ड संख्या में मतदाता होने के गर्व करने वाली स्थितियां हैं वहीं चिन्ताजनक, विचलित एवं परेशान करने वाली स्थितियां भी हैं। खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं जो पिछली बार से तीन प्रतिशत अधिक है। भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं उन्हें राष्ट्र-निर्माण की जिम्मेदारी दिया जाना-हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है।

देश में 18वीं लोकसभा चुनी जा चुकी है, मंत्रिमंडल का गठन हो चुका है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और रिकॉर्ड संख्या में मतदाता होने के गर्व करने वाली स्थितियां हैं वहीं चिन्ताजनक, विचलित एवं परेशान करने वाली स्थितियां भी हैं। खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं जो पिछली बार से तीन प्रतिशत अधिक है। भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं उन्हें राष्ट्र-निर्माण की जिम्मेदारी दिया जाना-हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है। क्या इस स्थिति में देश की लोकतांत्रिक शुचिता एवं पवित्रता की रक्षा हो पाएगी? क्या हम आदर्श एवं मूल्यपरक समाज बना पाएंगे? क्या ये दागदार नेता एवं जन-प्रतिनिधि कालांतर हमारी व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मसलों का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2019 में चुने गये सांसदों में जहां 233 यानी 43 फीसदी ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं अठाहरवीं लोकसभा के लिये चुने गए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात मानी है। जो कुल संख्या का 46 फीसदी बैठती है। आज भारत की आजादी के अमृतकाल का एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। अरविन्द केजरीवाल जैसे नेता आम चुनाव में कहते हैं कि आप लोग बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी को वोट दें ताकि मैं जेल जाने से बच जाऊं। हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन एवं ईमानदार व्यवस्था स्थापित करेंगे? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे? कैसे संसद में दागियों के पहुंचने के लिये द्वार बंद होंगे? दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सजग पहल पर ही वर्ष 2020 से सभी राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने लगे है। निश्चित ही इस आदेश का मकसद देश की राजनीति को आपराधिक छवि वाले नेताओं से मुक्त करना ही था। लेकिन वास्तव में ऐसा हुआ नहीं क्योंकि तमाम राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीतने वाले उम्मीदवार थे, अब चाहे उनका आपराधिक रिकॉर्ड ही क्यों न हो। बड़ा प्रश्न है कि आखिर राजनीति में तब कौन आदर्श उपस्थित करेगा? क्या हो गया उन लोगों को जिन्होंने सदैव ही हर कुर्बानी करके आदर्श उपस्थित किया। लाखों के लिए अनुकरणीय बने, आदर्श बने। चाहे आज़ादी की लड़ाई हो, देश की सुरक्षा हो, धर्म की सुरक्षा हो, अपने वचन की रक्षा हो अथवा अपनी संस्कृति और अस्मिता की सुरक्षा का प्रश्न हो, उन्होंने फर्ज़ और वचन निभाने के लिए अपना सब कुछ होम दिया था। महाराणा प्रताप, भगत सिंह, दुर्गादास, छत्रसाल, शिवाजी जैसे वीरों ने अपनी तथा अपने परिवार की सुख-सुविधा को गौण कर बड़ी कुर्बानी दी थी। गुरु गोविन्दसिंह ने अपने दोनों पुत्रों को दीवार में चिनवा दिया और पन्नाधाय ने अपनी स्वामी भक्ति के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया। ऐसे लोगों का तो मन्दिर बनना चाहिए। इनके मन्दिर नहीं बने, पर लोगों के सिर श्रद्धा से झुकते हैं, इनका नाम आते ही। लेकिन आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों को धराशायी कर दिया। राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति, गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा। अगर किसी हत्या, अपहरण या अन्य संगीन अपराधों में कोई व्यक्ति आरोपी है तो उसे राजनीतिक बता कर संरक्षण देने की कोशिश या राजनीतिक लाभ उठाने की कुचेष्ठा पर विराम लगाना ही होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार एवं अपराध मुक्त राजनीति को सदैव प्राथमिकता दी लेकिन चुनाव जीतने के रण में वे भी अपराधी राजनेताओं को प्रश्रय देते हुए दिखे हैं। सभी राजनीतिक दलों ने ही दागी उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं। जो राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के भारी अंतर को ही उजागर करता है। सवाल है कि देश के लिये नीति निर्धारण करने वाले ऐसे दागी लोग हमारे भाग्यविधाता बने रहेंगे तो हमारा भविष्य कैसा होगा? क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद हमारी कानून-व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? क्या होगा हमारे समाज व व्यवस्था का भविष्य? क्यों तमाम आदर्शों की बात करने वाले और दूसरे दलों के नेताओं की कारगुजारियों पर सवाल उठाने वाले नेता राजनीति को अपराधियों के वर्चस्व से मुक्त कराने की ईमानदार पहल नहीं करते? क्यों सभी राजनीतिक दल भारतीय लोकतंत्र में शुचिता एवं पवित्रता के लिये सहमति नहीं बनाते? निश्चित रूप से यदि समय रहते इस दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं होती तो आने वाले वर्षों में दागियों का यह प्रतिशत लगातार बढ़ता ही जाएगा। इसके साथ ही बड़ा संकट यह भी है कि देश के निचले सदन में येन-केन-प्रकारेण करोड़पति बने नेताओं का वर्चस्व बढ़ता ही जा रहा है। इस बार संसद में चुनकर आए सांसदों में 504 करोड़पति हैं। ऐसे में क्या उम्मीद की जाए कि अपनी मेहनत की कमाई से जीवनयापन करने वाला आम आदमी कभी सांसद बनने की बात सोच सकता है? दागी एवं अपराधी राजनेता लोकतंत्र की एक बड़ी विडम्बना एवं विसंगति बनते जा रहे हैं। बात लोकसभा की ही नहीं है, विभिन्न राज्यों की सरकारों में भी कैसा विरोधाभास एवं विसंगति है कि एक अपराध छवि वाला नेता कानून मंत्री बन जाता है, एक अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे प्रतिनिधि को शिक्षा मंत्री बना दिया जाता है। ऐसे ही अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालय के साथ होता है। यह कैसी विवशता है राजनीतिक दलों की? अक्सर राजनीति को अपराध मुक्त करने के दावे की हकीकत तब सामने आ जाती है जब किसी राज्य या केंद्र में गठबंधन सरकार के गठन का मौका आता है। यह खुशी की बात है कि केन्द्र में बनी गठबंधन सरकार के मंत्रिमण्डल में ऐसी विवशता को काफी सीमा तक नियंत्रित किया गया है। सीमाओं पर राष्ट्र की सुरक्षा करने वालों की केवल एक ही मांग सुनने में आती है कि मरने के बाद हमारी लाश हमारे घर पहुंचा दी जाए। ऐसा जब पढ़ते तो हमारा मस्तक उन जवानों को सलाम करता है, लगता है कि देश भक्ति और कुर्बानी का माद्दा अभी तक मरा नहीं है। लेकिन राजनीति में ऐसा आदर्श कब उपस्थित होगा। राजनीति में चरित्र एवं नैतिकता के दीये की रोशनी मन्द पड़ गई है, तेल डालना होगा। दिल्ली सरकार में मंत्रियों के घरों पर सीबीआई के छापे और जेल की सलाखें हो या बिहार मंत्री परिषद के गठन में अपराधी तत्वों की ताजपोशी-ये गंभीर मसले हैं, जिन पर राजनीति में गहन बहस हो, राजनीति के शुद्धिकरण का सार्थक प्रयास हो, यह नया भारत-सशक्त भारत की प्राथमिकताएं होनी ही चाहिए। सभी अपनी-अपनी पहचान एवं स्वार्थपूर्ति के लिए दौड़ रहे हैं, चिल्ला रहे हैं। कोई पैसे से, कोई अपनी सुंदरता से, कोई विद्वता से, कोई व्यवहार से अपनी स्वतंत्र पहचान के लिए प्रयास करते हैं। राजनीति की दशा इससे भी बदतर है कि यहां जनता के दिलों पर राज करने के लिये नेता अपराध, भ्रष्टाचार एवं चरित्रहीनता का सहारा लेते हैं।

दृष्टि कोण

नड्डा के दूसरी बार केंद्रीय मंत्री बनने के मायने

अभी हाल ही के राष्ट्रीय राजनीतिक घटनाक्रम में, चुनावों के बाद एक बार फिर मोदी सरकार या यूं कहें कि एनडीए सरकार का गठन हुआ है। मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद के लिए चुन लिए गए। भाजपा और मुख्य घटक दल जेडी-यू और टीडीपी व अन्य दलों के मंत्रियों ने शपथ भी ले ली। शपथ लेते ही प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों की टीम ने अगले सौ दिन के रोडमैप पर काम करना भी शुरू कर दिया। कौनसा मंत्रालय किसको मिला, इसको लेकर राजनीतिक सरगरमी बरकरार है। कोर मंत्रालय और अन्य महत्वपूर्ण विभाग भाजपा ने अपने पास रखे हैं। जानकार मानते हैं कि मोदी को जिन्होंने समझा है उन्हें कोई आश्चर्य नहीं हुआ है। अवश्य ही मोदी पहली बार गठबंधन की सरकार चला रहे हैं। ऐसा समझा जा रहा था कि केंद्र में मंत्रिमंडल के गठन के समय पूर्व में सूचना व प्रसारण मंत्री और पांचवीं बार जीते अनुराग ठाकुर का मंत्री बनना तय है, लेकिन मोदी ने इस बार भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को एक बार पुनः स्वास्थ्य मंत्रालय के पद पर ताजपोशी दे दी। अध्यक्ष पद पर नड्डा का दूसरा कार्यकाल चुनावों के चलते 30 जून तक बढ़ाया गया था और इस समय वह गुजरात से राज्यसभा के मैंबर भी हैं। एक तरह से मोदी ने एक तीर से दो निशाने साध लिए। गुजरात के मंत्री और हिमाचल को भी नुमायन्दगी मिल गई। कहा जा रहा है कि गठबंधन की मजबूरी के चलते अनुराग की छुट्टी हुई है। उपचुनावों में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में पडने वाले तीन विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों की हार भी एक बड़ा कारण बताया जा रहा है। ऐसा बताते हैं कि संभवतः उन्हें संगठन में कोई बड़ी जिम्मदारी देकर समाहित किया जाएगा। हिमाचल के लिए निःसंदेह यदि केंद्र में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला होता और सरकार के गठन के लिए वह दूसरी पार्टियों की मोहताज न होती तो शायद दो मंत्री भी मिल सकते थे। लेकिन दूसरी बार नड्डा को वरीयता देकर वस्तुतः मोदी ने नड्डा को उनके अध्यक्ष पद पर रहते हुए अनेक प्रदेशों में भाजपा सरकारों के गठन और मोदी-2 और मोदी-3 में उनकी सांगठनिक कार्यशैली, अनथक परिश्रम और वक्तृत्व कला को ध्यान में रखते हुए पुनः उन पर विश्वास जताया है। 2014 में जब पहली बार मोदी सरकार बनी थी, तब नड्डा सेहत मंत्री बने थे और इस बार भी स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ रसायन और उर्वर मंत्रालय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर उनके राजनीतिक कद को

ऊंचा किया है। इससे न सिर्फ नड्डा का राष्ट्रीय राजनीति में कद बढ़ा है, बल्कि हिमाचल का मान भी ऊंचा हुआ है। लेकिन जगत प्रकाश नड्डा का यह राजनीतिक सफर इतना आसान नहीं रहा है, जितना यह दिखाई देता है। मुझे याद आता है आठवें दशक के हिमाचल विश्वविद्यालय का वह दौर जब समरहिल में छात्र राजनीति या यूं कहें छात्र हित की बात को उठाने के लिए कोई संगठित व्यवस्था नहीं थी। अवश्य ही गुरु मोहर सिंह, कश्मीर सिंह ठाकुर और राकेश सिंघा आदि मार्क्सवादी रुझान और समाजवादी सोच को प्रचारित-प्रसारित कर रहे थे। प्रारंभिक दौर में उन्हें कोई वैचारिक चुनौती देने वाला भी नहीं था। ऐसे माहौल में सुनील उपाध्याय और जगत प्रकाश नड्डा ने कैम्पस में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को स्थापित करते हुए राष्ट्रवादी विचारधारा का झंडा बुलंद किया। शनैः शनैः राष्ट्रवादी सोच के चलते जगत प्रकाश नड्डा यानी जेपी ने छात्रों में मधुर व्यवहार और सुनने की कला से लोकप्रियता हासिल कर ली। एसएफआई के लिए यह अप्रत्याशित था कि कोई दूसरा संगठन (एबीवीपी) भी उनकी बराबरी करेगा। छात्र चुनावों में जगत प्रकाश नड्डा छात्र संघ के निर्वाचित अध्यक्ष बन गए और अन्य सीटें भी बटोर ले गए। संगठन खड़ा करना, उसे लोकप्रियता की बुलंदी पर ले जाना और नेतृत्व के गुण, यह सब देखते हुए वह 1991 में भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष पद पर सुशोभित हुए। यहीं पर केंद्र की राजनीति में स्थापित बड़े-बड़े भाजपा नेताओं से सम्पर्क में रहे, उनका स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त किया। उनकी इसी काबीलियत के चलते वह हिमाचल की राजनीति में चुनावी रण में उतरते हैं और 93-94 में विधानसभा के मैंबर बनते हैं। साथ ही विधानसभा में भाजपा ग्रुप के लीडर बनते हैं। युवा विधायक नड्डा की संसदीय समझ और विधायक के तौर पर उनके लोकव्यवहार को देखकर तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह को उनका मुरीद बना दिया। वह विधानसभा में नड्डा की संसदीय कार्यशैली और व्यवहार को देखते हुए उनकी पीठ भी थपथपा देते थे। वीरभद्र जल्दी ही किसी के बारे में राय बनाने वालों में से नहीं थे, पर प्रतिपक्ष में रहते हुए जैसे जवाहर लाल नेहरु की दृष्टि अटल बिहारी वाजपेयी पर पड़ी थी, वैसा ही वीरभद्र-जगत प्रकाश नड्डा के बारे में सहज ही कहा जा सकता है। परंतु आगे का राजनीतिक सफर जेपी के लिए आसान नहीं रहने वाला था।1998 में जब धूमल सरकार बनी तो उन्हें यहां भी स्वास्थ्य और परिवार नियोजन के साथ संसदीय कार्य मंत्री के कैबिनेट मंत्री के रूप में जिम्मेदारी दी गई, जिसे उन्होंने बखूबी 5 वर्ष यानी 2003 तक निभाया। प्रेम कुमार धूमल ने जब दूसरी बार भाजपा सरकार की कमान संभाली तो नड्डा को पुनः 2008 में वन एवं पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री के रूप काम करने का अवसर प्राप्त हुआ। माना जाता है कि धूमल और नड्डा के बीच 36 का आंकड़ा शुरू से ही था, लेकिन 2010 में जब जेपी ने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया तो मतभेद सामने आए। यह भी कहा जाता है कि धूमल साहब नड्डा के विधानसभा क्षेत्र के साथ भेदभाव करते थे।

कुछ अलग

डाटा इकट्ठा करती सरकार

अहाते में सरकार को लेकर चर्चा चल रही है। चर्चा क्योंकि अहाते में चल रही है, किसी बड़े होटल या क्लब में नहीं चल रही है, इसलिए आप समझ सकते हैं कि चर्चा में आम आदमी शामिल है। आम आदमी को क्लब की मेंबरशिप नहीं मिलती। आम आदमी के पास बड़े होटल में जाकर सरकार के बारे में चर्चा करने के लिए न तो ज्यादा वक्त होता है, न ही जेब में पैसे होते हैं। आम आदमी अहाते में काफी कंफर्टेबल रहता है। ज्यादा से ज्यादा सौ रुपए में वहां अच्छी सिटिंग हो जाती है। थोड़ा थकान भी उतर जाती है। थोड़ा माइंड भी रिलैक्स हो जाता है, और फिर रिलैक्स मूड में थोड़ी चर्चा भी हो जाती है। चर्चा का विषय कुछ भी हो सकता है। इस बार चर्चा सरकार पर हो रही है। एक ही टेबल की दोनों तरफ लगी कुर्सियों में सात-आठ लोग चर्चा में शामिल हैं। दो-चार घूंट भरने के बाद एक शख्स को यह गिला है कि आज सरकार नाम की कोई चीज देखने को नहीं मिल रही। बस भ्रष्टाचार देखने को मिल रहा है। महंगाई देखने को मिल रही है। भाई-भतीजावाद देखने को मिल रहा है। भाषणबाजी सुनने को मिल रही है। लेकिन सरकार दिखाई नहीं दे रही। दूसरा शख्स पहले शख्स की बात काटते हुए कहता है कि अभी-अभी जो चुनाव हुए, उसमें सरकार पूरी तरह से दिखाई दे रही थी। चुनाव की पिछली रात को जो दारू हमारे गांव में बांटी गई, उसमें सरकार का बहुत बड़ा योगदान था। सरकार की जानकारी के बिना दारू बंट नहीं सकती थी, क्योंकि सुरक्षा प्रबंध बहुत कड़े थे। तीसरे सज्जन ने कहा कि सरकार सिर्फ चुनावों के दौरान दिखाई देती है और उसके बाद लंबी तानकर कुंभकर्ण की नींद सो जाती है। इस चुनाव में सरकार ने बहुत भाग दौड़ की थी। प्रचंड गर्मी में इधर से उधर दौड़ लगाई थी। अब सरकार बुरी तरह थक जाने के बाद सो रही है और जल्दी ही जब फिर चुनाव आएंगे तो सरकार जाग जाएगी। चौथा शख्स अपने विचार व्यक्त करते हुए बोला, जब सरकार सो जाती है तो अफसर जाग जाते हैं। उनकी आउटपुट टापम-टॉप हो जाती है। फाइलें धड़ाधड़ अप्रूव हो जाती हैं। लेकिन जब सरकार जाग जाती है तो फिर अफसर सो जाते हैं, क्योंकि वे भी काफी थक चुके होते हैं। यह व्यवस्था का नियम है कि सरकार और अफसर एक साथ नहीं सो सकते। एक को जागे रहना पड़ता है। वरना देश में विकास थम जाएगा। जन कल्याण का एजेंडा रुक जाएगा। अराजकता जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। पांचवां शख्स आखिरी घूंट भीतर उंडेल कर गिलास एक तरफ रखते हुए कहता है कि सरकार के बारे में गलत प्रचार किया जा रहा है। आप सब लोगों की सरकार को लेकर धारणा बिल्कुल गलत है। सरकार इस वक्त बहुत एक्टिव है। उसे जनता की बहुत चिंता है। वायदे पूरे करने की भी चिंता है। सरकार चिंतामग्न होकर पूरी तरह काम में डटी हुई है। सरकार न दिन देख रही है, न रात देख रही है। उस पर काम करने का भूत सवार है। यह भूत उसका पीछा नहीं छोड़ रहा। भूत और सरकार दोनों मिलकर काम को अंजाम दे रहे हैं। छठा शख्स ताव में आकर कहता है, कौनसे काम को अंजाम दिया जा रहा है? एक भी गारंटी पूरी नहीं हुई है। पब्लिक को बेवकूफ बनाकर रखा है। सातवां शख्स बड़े विनम्र अंदाज में कहता है कि गारंटियां घर बैठे पूरी नहीं हो जाती। इसके लिए पूरा डाटा इकट्ठा करना पड़ता है। सरकार के पास अभी तक कोई डाटा नहीं है। जब डाटा ही नहीं है तो सरकार बेचारी क्या करे? देश चलाने के लिए डाटा इक करना बहुत जरूरी होता है। यह बात अब सरकार को समझ आ गई है। इसलिए सरकार बाकी के सारे कामकाज छोडक़र सिर्फ डाटा इकट्ठा कर रही है। सरकार को अपना काम करने देना चाहिए। हमें सरकार के कामकाज पर उंगली नहीं उठानी चाहिए।

देश दुनीया से

हकीकत से मुंह नहीं मोड़ सकती केंद्र सरकार

> केंद्र सरकार ने देश की तरक्की को लेकर जो सब्जबाग दिखाए हैं, उसकी हकीकत का आईना विश्व सूचकांक में ग्लोबल जेंडर गैप के आंकड़ों को देखने से पता चलता है। ग्लोबल जेंडर गैप की ताजा रिपोर्ट में भारत नीचे की ओर फिसल गया। वल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा जारी ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2024 में भारत 146 देशों में से 129वें स्थान पर है। यह पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे फिसल गया है। यह हालत तब है जब केंद्र सरकार ने महिला सशक्तीकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और महिला सुरक्षा जैसे नारों का ढोल पीटने में कसर बाकी नहीं रखी। भारत ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स में बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और श्रीलंका से भी नीचे है।

हवाई वादों और आंकड़ों के बीच यदि केंद्र की भाजपा सरकार ने दुनिया द्वारा दिखाई जा रही हकीकत से मुंह नहीं मोड़ा होता और देश की वास्तविक हालत में सुधार के लिए गंभीर प्रयास किए होते तो तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने के लिए दो क्षेत्रीय दलों की बैसाखियों का सहारा नहीं लेना पड़ता। केंद्र की भाजपा सरकार विभिन्न क्षेत्रों में विश्व सूचकांक में भारत के लगातार गिरते ग्राफ की उपेक्षा करती रही है। केंद्र सरकार ने देश की तरक्की को लेकर जो सब्जबाग दिखाए हैं, उसकी हकीकत का आईना विश्व सूचकांक में ग्लोबल जेंडर गैप के आंकड़ों को देखने से पता चलता है। ग्लोबल जेंडर गैप की ताजा रिपोर्ट में भारत नीचे की ओर फिसल गया। वल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा जारी ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2024 में भारत 146 देशों में से 129वें स्थान पर है। यह पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे फिसल गया है। यह हालत तब है जब केंद्र सरकार ने महिला सशक्तीकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और महिला सुरक्षा जैसे नारों का ढोल पीटने में कसर बाकी नहीं रखी। भारत ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स में बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और श्रीलंका से भी नीचे है। पड़ोसी देशों में सिर्फ पाकिस्तान की स्थिति ही भारत से खराब है। इस इंडेक्स में भारत के पड़ोसी देशों- बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड फिर से पहले स्थान पर है। वह डेढ़ दशक से सूचकांक में अग्रणी है। राजनीतिक सशक्तीकरण इंडिकेटर में भी भारत पिछड़ा है। राजनीतिक फैसले लेने में महिलाओं की भागीदारी उतनी नहीं है। भारत राष्ट्राध्यक्ष इंडिकेटर में 40.7 प्रतिशत अंक के साथ शीर्ष 10 में है। लेकिन संघीय स्तर पर मंत्रिस्तरीय पदों पर 6.9 प्रतिशत अंक और संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए देश के अंक 17.2 प्रतिशत अपेक्षाकृत कम हैं। पिछले साल भारत इस सूचकांक में 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135 से 1.4 प्रतिशत अंकों और आठ स्थानों का सुधार हुआ था। यह भारत के समानता स्तर की ओर आंशिक सुधार को दिखाया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान आंकड़ों के आधार पर पूर्ण समानता तक पहुंचने में 134 साल लगेंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि जेंडर गैप इंडेक्स से पता चलता है कि हालांकि किसी भी देश ने पूर्ण लैंगिक समानता हासिल नहीं की है। केंद्र सरकार के दावों के विपरीत सिर्फ जेंडर गैप ही नहीं बल्कि अन्य अंतरराष्ट्रीय स्तर के इंडेक्स में भारत का प्रदर्शन स्तरहीन रहा है। वैश्विक शांति सूचकांक 2023 में 163 देशों में भारत 126वें स्थान पर है। भारत को वैश्विक यात्रा व पर्यटन विकास सूचकांक में थोड़ी राहत मिली है। वर्ष 2024 में इस सूचकांक में भारत 15 स्थान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गया है। 2021 में 54वें पायदान पर था। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की ओर सूची में अमेरिका शीर्ष पर है। वहीं, दक्षिण एशिया और निम्न-मध्य आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे आगे है। भारत अत्यधिक मूल्य प्रतिस्पर्धा के मामले में दुनिया में 18वें स्थान पर है। प्रतिस्पर्धी हवाई परिवहन में 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मजबूत प्राकृतिक (छठे स्थान पर), सांस्कृतिक (नौवें) और गैर-अवकाश (नौवें) संसाधन विदेशी यात्रियों को यहां लाने में मदद करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक पर्यटन गतिविधियां महामारी से पहले के स्तर पर लौट आई हैं। सूचकांक में अमेरिका पहले. स्पेन दूसरे, जापान तीसरे, फ्रांस चौथे और ऑस्ट्रेलिया पांचवें स्थान पर है। वहीं जर्मनी छठे, यूनाइटेड किंगडम सातवें, चीन आठवें और इटली नौवें स्थान पर काबिज हैं। स्विट्जरलैंड 10वें स्थान पर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी नवीनतम मानव विकास सूचकांक (ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स) में भारत को 193 देशों की सूची में 134वें पायदान पर रखा गया है। सूचकांक वर्ष 2022 के आंकड़ों पर आधारित है। इस सूचकांक में भारत को कुल 0.644 अंक दिए गए हैं, जो भारत को मध्यम मानव विकास वाले देशों की श्रेणी में रखता है। वहीं दूसरी तरफ स्विटजरलैंड को इस इंडेक्स में 0.967 अंकों के साथ पहले स्थान पर रखा गया है। इससे पहले 2022 में जारी मानव विकास सूचकांक में भारत को 0.633 अंकों के साथ 132वें पायदान पर जगह दी गई थी। मतलब कि इस बार भारत दो पायदान नीचे आ गया है। वहीं यदि 2019 की तुलना में देखें तो भारत ने मानव विकास में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। जहां 1990 के बाद से देश में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा में 9.1 वर्षों का इजाफा हुआ है। इसी तरह स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्षों में 4.6 वर्ष की वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं, इस दौरान स्कूली शिक्षा के औसत वर्षों में भी 3.8 वर्ष की वृद्धि दर्ज की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले 2019 के लिए जारी मानव विकास सूचकांक (ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स) में भारत को 189 देशों की लिस्ट में 131वें स्थान पर रखा गया था। वहीं पिछले वर्ष भारत इस लिस्ट में 130वें पायदान पर था। कहीं न कहीं यह इस बात को भी दर्शाता है कि भारत इस लिस्ट में लगातार नीचे आ रहा है। विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2023 में भारत को 126वें स्थान पर रखा गया है, जो पिछले वर्ष के 136वें स्थान से उल्लेखनीय सुधार है। फिनलैंड ने लगातार छठे वर्ष दुनिया के सबसे खुशहाल देश के रूप में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2023 में भारत ने 2023 के लिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट की सूची में 84वां स्थान हासिल किया है। भारतीय नागरिकों को वैश्विक स्तर पर 59 देशों में वीजामुक्त पहुंच का आनंद मिलता है। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2023 आतंकवाद से प्रभावित देशों में भारत 13वें स्थान पर है, अफगानिस्तान सबसे अधिक प्रभावित देश के रूप में सूची में शीर्ष पर है। पर्यावरण प्रदर्शन आकलन, एक द्विवार्षिक सूचकांक का उपयोग करते हुए, देशों को उनके पर्यावरण प्रदर्शन और स्थिरता के आधार पर रैंक किया जाता है। भारत ने 18.9 अंक प्राप्त किए जिससे वह पर्यावरण नीति सूचकांक 2022 में कुल मिलाकर 180वें स्थान पर रहा। उल्लेखनीय रूप से, भारत पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम, म्यांमार (19.4) और बांग्लादेश (23.1) जैसे देशों से नीचे है। डेनमार्क 77.9 अंक के साथ शीर्ष स्थान पर है। उसके बाद यूनाइटेड किंगडम (77.7) और फिनलैंड (76.5) हैं। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत की रैंकिंग में अंतरराष्ट्रीय मीडिया निगरानी संस्था रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा रिपोर्ट किए गए 2022 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत की रैंकिंग 180 देशों में से 150वें स्थान पर आ गई है। यह 2021 में 77वें स्थान से गिरावट को दर्शाता है, जो प्रेस स्वतंत्रता सुनिश्चित करने में आने वाली चुनौतियों को उजागर करता है।

आप का नजरीया

चौपट बंदोबस्त, लापता फर्ज

इस प्रकरण के कई मुकाम और कई आयाम हैं, लेकिन रहस्य अब कानून व्यवस्था की पहरेदारी में छेद कर रहा है। सिरमौर की सडक़ पर एक स्थानीय ट्रैक्टर चालक व उसके संबंधियों के साथ, बाहरी राज्य के वाहन पर सवार लोगों के बीच हुई कहासुनी जब हाथापाई पर उतर आई, तो अव्यवस्था के सरकंडे सडक़ पर उतर आए। मारपीट के साक्ष्य और पुलिस जांच की जिम्मेदारी के बीच फासला इतना बढ़ा कि हेड कांस्टेबल का व्यवहार असामान्य और सोशल मीडिया पर एक वीडियो की तरह हो गया। जिस हेड कांस्टेबल को जांच का जिम्मा सौंपा गया, उसके आचरण की किश्तियां गुम हैं और सरकार लापता है। दरअसल जांच को वे पीड़ित नजर नहीं जिनके जख्म चीख रहे थे, लेकिन अब पर्दे के पीछे कराहने वालों को हुजूम पूछने लगा। हेड कांस्टेबल जसवीर सैनी द्वारा जारी लुक्का छिपी में पुलिस महकमे का ढांचा भी प्रश्नांकित है। अगर यही दस्तूर जांच की अनेक परिपाटियों में चल निकला तो 'मुद्दई' का मुकद्दमा किस तर्क से निष्पक्ष रहेगा। इससे यह भी पता चलता है कि प्रदेश में हो रही आपराधिक घटनाओं के प्रति व्यवस्था कितनी लापरवाह व लावारिस है। वायरल वीडियो का सच नहीं पूछा गया तो जांच पर जुटा पुलिस कर्मचारी परिदृश्य से क्यों गायब हो गया, यह प्रश्न अब महकमे की प्रश्नावली से पूछ रहा है। अब जांच दो धड़ों में नहीं, बल्कि पुलिस महकमे के धड़ों में जारी है। ऐसे में न्याय ट्रैक्टर पर सवार व्यक्तियों को मिले या लापता पुलिस कांस्टेबल को पहले खोजा जाए। आश्चर्य यह कि हिमाचल में अब कुछ भी सहज व साधारण नहीं रहा और परीक्षण-निरीक्षण के लिए भी सिफाशि का इंतजाम करना पड़ता है। यह केवल कानून व्यवस्था में परिदृश्य नहीं, बल्कि विभागीय कसौटियों में भी नियमों को ताक पर रखकर प्रदेश आंखें मूंद कर चल रहा है। यह दीगर है कि कहीं इक्का दुक्का अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, डाक्टर, इंजीनियर या अध्यापक कमाल कर जाते हैं, वरना आधारभूत जरूरतें भी अनुपस्थित रहती हैं। राज्य के कायाकल्प मूल्यांकन के तहत लगातार चौथे साल धर्मशाला जोनल अस्पताल का चर्चाओं में आना बताता है कि कोई सरकारी कार्यसंस्कृति का पैगंबर उच्च स्तर का कार्य कर रहा है। डा. राजेश गुलेरी ने अपने दायित्व की बुनियाद पर अस्पताल को सींचा तो सरकारी ढांचा भी निजी को पीछे कर गया, वरना समीप में ही टांडा मेडिकल कालेज की साफ सफाई से इसी विभाग का नाक झुक जाता है। शिक्षा विभाग की व्यवस्था का आलम यह है कि मौसम से पहले छुट्टियां और बरसात के बीच स्कूल चलते रहते हैं। हमारी जलापूर्ति परियोजनाएं गर्मियों में ढेर हो जाती हैं, लेकिन आला अधिकारियों को खबर नहीं कि पानी आए कहां से और जाए कहां। कमोबेश यही लत विद्युत विभाग को भी है और भरी गर्मी में बंदोबस्त चौपट हो जाता है। बंदोबस्त हर विभाग का चौपट है फिर भी शेखियां हैं कि बड़े मियां हर पद पर चमत्कार कर रहे हैं। आश्चर्य यह कि जिस पर्यटक सीजन में हिमाचल मुस्कराना चाहता है, वह रोशनी को बिजली नहीं, नल को जल नहीं, परिवहन को माकूल सडक़ नहीं, पर्यटक वाहन को पार्किंग नहीं और ट्रैफिक जाम से निजात को कानून व्यवस्था नहीं दे पाता। हम नहीं जानते सिरमौर घटना का कौन दोषी और कौन कानून से वाकई सहारा चाहता है, लेकिन पुलिस के कारनामे ने पहले वीडियो कांड और अब हेड कांस्टेबल की गुमशुदगी से खुद को फंसा लिया।

गाजा में अभियान को हर दिन कुछ देर रोकेगा इजराइल मानवीय सहायता पहुंचाने में अड़चन को करेगा दूर

यरूशलम । इजराइली सेना ने मानवीय सहायता की बढ़ी हुई मांग की डिरीवरी की अनुमति देते हुए गाजा में अपने आक्रमण पर कूटनीतिक तौर पर रोक लगाने की घोषणा की। सेना ने कहा कि राफा क्षेत्र में सुबह के आठ बजे से शाम के सात बजे तक रोक लगाई गई है। अगली सूचना तक हर दिन रोक रहेगी। इस रोक का उद्देश्य सहायता ट्रकों को इजराइल नियंत्रित केरेम शेलोम क्रॉसिंग के पास पहुंचाना है। दरअसल यह क्षेत्र सहायता पहुंचाने का मुख्य द्वार है। बताया गया कि इस रोक को संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियों के साथ समंवित किया जा रहा है। आठ महीने से जारी युद्ध ने गाजा को मानवीय संकट में डाल दिया आठ महीने से इजराइली सेना लगातार गाजा पर हमले कर रहे हैं। इस हमले ने गाजा को मानवीय संकट में डाल दिया। यूएन ने इस दौरान गाजा में भूखमरी और सैकड़ो-हजारों लोगों के अकाल के कगार में होने की रिपोर्ट दी है। अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियों ने इजराइल से संकट को कम करने का आग्रह किया। संयुक्त राष्ट्र मानवतावादी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, यूएन को छह मई से छह जून तक प्रतिदिन सहायता के तौर पर औसतन 68 ट्रक प्राप्त हुए। यह अप्रैल में प्रतिदिन औसतन 168 से कापी कम था। सहायता समूहों का कहना है कि प्रतिदिन 500 ट्रकों की जरूरत है। गाजा में जैसे-जैसे मानवीय जरूरतें बढ़ने लगी, सहायता का प्रवाह कम होने लगा। करीबन दस लाख फलस्तीनी राफा भाग गए। कई पहले ही भाग गए थे, उनमें से अधिकांश अब टूटे फूटे टेंट और शिविरों में रह रहे हैं। गाजा में सहायता वितरण की देखरेख करने वाली इजराइली सैन्य संस्था कोगाट का कहना है कि सहायता ट्रकों के प्रवेश पर रोक नहीं है। उन्होंने बताया कि दो मई से 13 जून के बीच 8,600 ट्रकों ने विभिन्न क्रॉसिंग से गाजा में प्रवेश किया। कोगाट के प्रवक्ता शिमोन फ्रीडमैन ने कहा, यह संयुक्त राष्ट्र की गलती थी कि उसका माल केरेम शालोम के गाजा क्षेत्र में जमा हो गया। हालांकि, यूएन ने इन आरोपों को नकार दिया। यूएन ने कहा कि इजराइल और हमास की लड़ाई अक्सर गाजा के अंदर यूएन के ट्रकों के लिए केरेम शालोम तक यात्रा करना खतरनाक बना देती है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा में कमी के कारण कई बार रास्ते में ही भीड़ ट्रकों को लूट लेते हैं।

न्यूज ब्रीफ

गांव में दहशत फैलाने वाले मगरमच्छ को पुलिस ने मारी गोली, स्थानीय लोगों ने दावत में पकाकर खाया

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के गांव में स्थानीय लोगों ने एक पारंपरिक उत्सव के दौरान खारे पानी के एक बड़े मगरमच्छ को मारकर खा लिया। इस साल की शुरुआत में आई बाढ़ के बाद 3.63 मीटर लंबा मगरमच्छ 250 मीटर दूर बेन्स नदी में चला गया था। वह पानी से बाहर निकलकर बच्चों और वयस्कों पर हमला कर रहा था।मगरमच्छ ने कई कुत्तों को भी अपना शिकार बनाया था। मगरमच्छ को मार दी गई गोली आदिवासी समुदाय के लोगों से बात करने के बाद पुलिस ने मगरमच्छ को गोली मार दी। एक बयान जारी कर पुलिस ने कहा, स्थानीय लोगों और वन्यजीवों के परामर्श के बाद मगरमच्छ को गोली मार दी गई। अब यह समुदाय के लिए खतरा पैदा नहीं करेगा। पार्क और वन्यजीवन द्वारा एक मगरमच्छ सुरक्षा सत्र आयोजित किया गया, जिसमें मगरमच्छ को मारने के बाद उसे पास के आदिवासी समुदाय तक पहुंचाया गया। दरअसल, यहां विशाल रेप्टाइल को दावत के लिए बनाया जाता है। उत्तरी क्षेत्र पुलिस सार्जेंट एंड्रयू मैकब्राइड ने कहाजानवर को मगरमच्छ की पूंछ के सूप में पकाया जाता है। उसे बारबेक्यू पर रखा गया और कुछ हिस्सों को केले के पत्तों में लपेटा गया और फिर पकाया गया। उन्होंने आगे कहा कि यह एक बड़ी पारंपरिक दावत थी। सामुदायिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं मगरमच्छ कमांडर काइली एंडरसन ने कहा कि मगरमच्छ सामुदायिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। उन्होंने पार्क, वन्यजीव, पुलिस और स्थानीय लोगों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद किया । उन्होंने आगे कहा कि हम बड़े मगरमच्छ को हटाने और समुदाय की सुरक्षा करने में सक्षम रहे। बता दें कि हाल ही में बाढ़ के कारण उत्तरी क्षेत्र में मगरमच्छ की संख्या में तेजी से वृद्धि देखने को मिली। दरअसल, बाढ़ के कारण कई मगरमच्छ विस्थापित हो गए, जिस कारण वे कई बार असामान्य स्थानों पर दिखाई देते हैं। सार्जेंट मैकब्राइड ने बताया कि कई क्षेत्रों में अधिक पानी होने के कारण मगरमच्छ वहां भी दिखाई देते हैं। खारे पानी के मगरमच्छ छह फीट तक लंबे और उनका वजन एक टन तक हो सकता है।

12 साल की लड़की का जबरन 72 वर्ष के बुजुर्ग से कराया जा रहा था निकाह पुलिस ने बचाया, शख्स गिरफ्तार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के चारसद्दा शहर में एक 12 वर्षीय लड़की की शादी 72 साल के बुजुर्ग से कराई जा रही थी। नाबालिग से शादी करने के आरोप में पुलिस ने दुल्हे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, लड़की के पिता आलम सैयद ने 500,000 पाकिस्तानी रुपये में बुजुर्ग को अपनी बेटी बेच दी थी। निकाह से पहले पुलिस ने हस्तक्षेप किया और 72 वर्षीय दुल्हे को गिरफ्तार कर लिया। दुल्हे की पहचान हबीब खान के तौर पर की गई है। हालांकि, इस दौरान लड़की के पिता मौके से फरार हो गया। पुलिस ने लड़की के पिता और 72 साल के बुजुर्ग के खिलाफ बाल विवाह अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बाल विवाह के खिलाफ कानूनों के बावजूद पाकिस्तान में इस तरह की घटना होती रहती है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों मे हाल ही में राजनपुर और थट्टा में इसी तरह के प्रयास को विफल किया।

मेलनी ने जी-7 के समापन में पीएम मोदी से बातचीत का किया उल्लेख, कहा- भारत संग साझेदारी और करेंगे मजबूत

बारी । जी-7 की मेजबान इटली की पीएम जॉर्जिया मेलनी ने शिखर सम्मेलन के समापन की घोषणा करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी के साथ हुई बातचीत का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के अवसरों की तलाश की है। मेलनी ने कहा, रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के अवसरों की खोज की जो शुरुआत पीएम मोदी के साथ 2022 में हुई थी, वह आगे बढ़ चुकी है। अब इस साझेदारी को और मजबूत करने की ओर बढ़ चले हैं। मेलनी ने यह भी कहा कि जी-7 के विचार-विमर्श में चीन के लिए स्पष्ट संकेत है कि हम बातचीत के लिए खुले हैं, लेकिन हमारी कंपनियों को स्वतंत्र व निष्पक्ष बाजार में समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होना चाहिए। मेलनी ने भारत के नजरिये को आगे बढ़ाते हुए कहा, जी-7 हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर अपनी जिम्मेदारियों के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने दुनिया के सामने रखा भारत का दृष्टिकोण पीएम मोदी ने जी-7 के मंच से विश्व नेताओं के बीच तमाम अहम मसलों पर भारत का दृष्टिकोण पेश किया।

ब्रिटेन और श्रीलंका में मनाया गया योग कार्यक्रम, बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

वॉशिंगटन । अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले दुनियाभर के देशों में योग कार्यक्रम हो रहे हैं। ब्रिटेन और श्रीलंका में योग को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने ट्राफलगर चौक पर तो श्रीलंका के पूर्वी प्रांत के गवर्नर सेंथिल थोंडमन ने त्रिंकोमाली में एक योग कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

पांच हजार लोग हुए शामिल

श्रीलंका के त्रिंकोमाली के गवर्नर सेंथिल थोंडमन ने 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन किया। इसमें पांच हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। बता दें, 2014 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे अपनाने के बाद 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है।

700 से अधिक लोगों ने भाग लिया

भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने कहा, लंदन के ट्राफलगर चौक पर 700 से अधिक लोगों का आना हमारे लिए बहुत खुशी की बात है। इसके चारों ओर प्रतिष्ठित प्रतिमाएं हैं। निश्चित रूप से, कई योग विद्यालय यहां आए और योग के अभ्यास में हमारा नेतृत्व किया। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लंदन में हुए कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने का कहना है कि योग सभी को एकजुट करता है और योग सभी के लिए है।

योग विद्यालय भी आए

इस वर्ष क्या अलग है, इस बारे में पूछे गए सवाल के उत्तर में भारतीय राजदूत दोरईस्वामी ने बताया कि इस साल अधिक प्रतिभागी थे, अतिरिक्त योग विद्यालय शामिल हुए थे तथा समुदायों की विविधता भी अधिक थी। हालांकि, मुख्य ध्यान भागीदारी में अंतर के लक्ष्य के बजाय उपचार और व्यक्तिगत विकास में योग की भूमिका को जारी रखने पर रहता है। दोरईस्वामी ने इस का कार्यक्रम इस मायने में अलग है कि हमारे यहां और भी अधिक लोग थे, हमारे साथ अधिक योग स्कूल जुड़े हैं और हमारे यहां समुदायों की एक बड़ी विविधता है। इस साल का विषय महिला सशक्तिकरण इसके अलावा, ब्रिटेन की नागरिक इंद्रपाल ओहरी चंदेल ने भी बात की और बताया कि इस साल का विषय महिला सशक्तिकरण है। उन्होंने भारतीयों और एशियाई लोगों के लिए योग के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि यह उनकी विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो सांस्कृतिक संबंध और महत्व को बढ़ावा देता है। बड़ी बात यह है कि आज भारतीय क्रिकेट की बधिर टीम के सदस्य भी यहां आए क्योंकि उनके मैच ग्रेट ब्रिटेन के साथ होंगे।

शांति सम्मेलन में होगी यूक्रेन के कूटनीतिक दबदबे की परीक्षा; वैश्विक नेता स्विट्जरलैंड पहुंचे

ल्यूसेर्नी । हालिया सैन्य उलटफेर ने कीव को बैकफुट पर ला दिया है। उधर, गाजा में इजराइल-हमास युद्ध के चलते भी दुनिया का ध्यान यूक्रेन से हटा है। यूक्रेन में युद्ध खत्म करने के लिए रूस पर दबाव बनाने की खातिर वैश्विक नेता एक शिखर सम्मेलन के लिए स्विट्जरलैंड में एकत्रित हुए हैं। हालांकि चीन जैसे मॉस्को के शक्तिशाली सहयोगियों की मौजूदगी से इसका संभावित प्रभाव कुंद होने की आशंका है। रूस ने इस कार्यक्रम में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, लेकिन यूक्रेन के दर्जनों सहयोगी हिस्सा ले रहे हैं, जो उसके कूटनीतिक दबदबे की परीक्षा होगी। हालिया सैन्य उलटफेर ने कीव को बैकफुट पर ला दिया है। उधर, गाजा में इजराइल-हमास युद्ध के चलते भी दुनिया का ध्यान यूक्रेन से हटा है। सूत्रों ने कहा कि शिखर सम्मेलन में बातचीत के दौरान युद्ध से उत्पन्न खाद्य, परमाणु सुरक्षा व नेविगेशन की स्वतंत्रता जैसी व्यापक चिंताओं पर ध्यान केंद्रित होने की संभावना है। उम्मीद है कि अंतिम घोषणा के मसौदे में रूस को आक्रामक के रूप में पहचाना जाएगा। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण कदम बताया है। पुतिन ने दोहराया-नॉटो की महत्वाकांक्षा छोड़े यूक्रेन सभा की पूर्व संध्या पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दोहराया, युद्ध तभी खत्म होगा जब कीव अपनी नाटो महत्वाकांक्षाओं को छोड़ने और मॉस्को द्वारा दावा किए गए सभी चार प्रांतों को सौंपने के लिए सहमत हो। उधर, यूक्रेन ने रूस की मांगों को आत्मसमर्पण के बराबर मानकर खारिज कर दिया गया।

भारतीय वायुसेना ने अमेरिका के अलास्का में दिखाया दम, युद्धाभ्यास रेड फ्लैग 2024 में शामिल हुआ दल

वॉशिंगटन । भारतीय वायुसेना के एक दल ने अमेरिका के अलास्का में आयोजित हुए युद्धाभ्यास रेड फ्लैग 2024 में शिरकत की। यह युद्धाभ्यास अमेरिका के अलास्का के इलसन एयर फोर्स बेस पर आयोजित किया गया। यह युद्धाभ्यास 4 जून से 14 जून तक आयोजित हुआ, जिसमें अमेरिका के साथ ही भारत, सिंगापुर, ब्रिटेन, नीदरलैंड, जर्मनी की वायुसेनाएं शामिल हुईं।

साल में चार बार आयोजित होता है रेड फ्लैग युद्धाभ्यास

रेड फ्लैग 2024 का यह दूसरा संस्करण था। रेड फ्लैग युद्धाभ्यास एक एडवांस कॉम्बैट ट्रेनिंग एक्सरसाइज है। यह युद्धाभ्यास साल में चार बार आयोजित होता है। भारतीय वायुसेना के दल में राफेल फाइटर जेट और एयर क्रू के साथ ही तकनीशियन, इंजीनियर, कंट्रोलर और विषयों के विशेषज्ञ शामिल रहे। युद्धाभ्यास में शामिल होने के लिए आते वक्त राफेल फाइटर जेट को आईएल-78 एयर टू एयर रिफ्यूलर की मदद से हवा में ही ईंधन भरा गया। वहीं दल के सदस्यों को लाने के लिए सी-17 ग्लोबमास्टर विमान का इस्तेमाल किया गया। भारतीय वायुसेना का दल 29 मई को अलास्का स्थित इलसन एयर बेस पहुंच गया था।

रेड फ्लैग एक्सरसाइज के दौरान युद्ध जैसे हालात बनाकर अभ्यास किया गया। वांछित वातावरण के लिए बलों का सीमांकन किया गया, जिसमें रेड फोर्स ने डिफेंस किया और ब्लू फोर्स ने आक्रामण किया। इस अभ्यास में रेड फोर्स मुख्य रूप से अमेरिकी वायुसेना की एग्रेसर स्कवॉड्रन द्वारा बनाई गई थी, जिसमें एफ-16 और एफ-15 जैसे आधुनिक लड़ाकू विमान थे।

कोविड-इन्फ्लूएंजा टीके के नतीजे सकारात्मक, सार्वजनिक स्वास्थ्य को फायदा 2025 तक आ सकता है

कैम्ब्रिज । मैसाचुसेट्स की दवा और जैव प्रौद्योगिकी कंपनी मॉडर्ना ने इस हफ्ते के शुरू में कोविड और इन्फ्लूएंजा के खिलाफ संयुक्त वैक्सीन के तीसरे चरण की क्लीनिकल जांच के सकारात्मक नतीजों का ऐलान किया है। दुनिया भर में कई दशकों से अन्य बीमारियों के लिए संयुक्त टीके इस्तेमाल किए जाते रहे हैं, क्योंकि इनके कई फायदे हैं।

इनसे स्वास्थ्य प्रणालियों की लागत में कमी तो आती ही है, भंडारण की जरूरत भी कम पड़ती है और लोगों की जेब पर भारी नहीं पड़ते हैं। खास तौर से संयुक्त टीके कम आय वाले देशों में बेहद काम के साबित हो सकते हैं। शोध बताते हैं कि यह टीके लोगों के नियमित टीका लगाने की संभावना बढ़ाते हैं। मॉडर्ना का कोविड और इन्फ्लूएंजा का संयुक्त टीका एमआरएनए-1083 भी ऐसी ही उम्मीद जगा रहा है। अब तक 8,000 लोगों पर इसका परीक्षण किया जा चुका है। दो समूहों में की गई टीके की जांच

मॉडर्ना की कोविड और इन्फ्लूएंजा के संयुक्त टीके एमआरएनए-1083 के तीसरे चरण की जांच में दो आयु समूहों के करीबन 8,000 लोगों को शामिल किया गया। समूहों में आधे 50 से 64 वर्ष की उम्र के वयस्क थे और बाकी आधे 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के थे। दोनों आयु समूहों को फिर से संयुक्त वैक्सीन एमआरएनए-1083 या नियंत्रण वाले समूह की वैक्सीन देने के लिए बांटा गया। नियंत्रण वाले समूह में कोविड और फ्लू वैक्सीन बेतरतीब तरीके से अलग- अलग दी गई थी।

सालाना 50 लाख लोग होते हैं गंभीर इन्फ्लूएंजा के शिकार

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर करीब 30 से 50 लाख लोग सालाना गंभीर इन्फ्लूएंजा का सामना करते हैं और लगभग 6,50,000 लोग इस बीमारी से मर जाते हैं। दुनिया भर में कोविड से 70 लाख से अधिक मौतें हुई हैं। बावजूद इसके लोग वैक्सीन लगाने को लेकर बेपरवाह हो रहे हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले ईवीएम को लेकर एलन मस्क की चेतावनी

वॉशिंगटन । दुनिया की सबसे अमीर शख्सियतों में शुमार एलन मस्क आजकल काफी चर्चाओं में हैं। कभी कंपनी से निकाले गए कर्मचारियों से पैसे वापस मांगकर सुर्खियां बटोर लेते हैं तो कभी किसी और कारण से। अब मस्क ने अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठा दिया है। उन्होंने चौंकाने वाला दावा किया। कहा कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है और इसे खत्म किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी चुनावों से ईवीएम को हटाने की मांग की।

बता दें, टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए दिया। कैनेडी ने क्या कहा था अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार कैनेडी जूनियर ने एसोसिएटेड प्रेस का हवाला देते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा, 'प्यूर्टो रिको के प्राथमिक चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से संबंधित सैकड़ों मतदान अनियमितताएं सामने आई हैं। सौभाग्य से यह एक पेपर ट्रेल था, इसलिए समस्या की पहचान की गई और वोटों की गिनती को सही किया गया। सोचिए उन क्षेत्रों में क्या होता होगा, जहां कोई पेपर ट्रेल नहीं है

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी नागरिकों के लिए यह जानना आवश्यक है कि उनके प्रत्येक वोट की गणना की गई है। उनके चुनावों में कोई सेंध नहीं लगाई जा सकती। चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप से बचने के लिए उन्हें पेपर बैलेट पर वापस लौटना होगा।

मस्क ने क्या दी प्रतिक्रिया

एक्स पर कैनेडी जूनियर की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एलन मस्क ने कहा, हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए। मनुष्यों या एआई द्वारा हैक किए जाने का जोखिम, हालांकि छोटा है, लेकिन फिर भी बहुत अधिक है।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन क्या हैं

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें एक प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है, जिनका इस्तेमाल चुनावों में मतों को रिकॉर्ड करने और गिनने के लिए किया जाता है। इन मशीनों का मुख्य उद्देश्य मत प्रक्रिया को सरल, तेज और विश्वसनीय बनाना है। भारत में ईवीएम का इस्तेमाल विभिन्न प्रकार के चुनावों में किया जाता है, जैसे कि लोकसभा, विधानसभा और पंचायत चुनाव शामिल हैं।

कथित बेटी की सच्चाई छिपाने को लेकर फिर मुश्किल में इमरान, हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ एससी में याचिका

इस्लामाबाद । याचिका में कहा गया कि 71 वर्षीय इमरान खान ने 2018 के चुनाव के दौरान अपने नामांकन में अपनी कथित बेटी टायरिन के बारे में जानकारी नहीं दी थी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कथित बेटी के नाम को छिपाने के आरोप में खान को अयोग्य ठहराने वाली मांग को लेकर याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पूर्व पीएम के खिलाफ 2018 के चुनाव में नामांकन के दौरान गलत जानकारी देने के आरोप में उनका नामांकन रद्द करने की मांग को लेकर इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया था। अब याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत का रुख अपना है। बता दें, पूर्व पीएम इमरान खान के खिलाफ मोहम्मद साजिद नामक याचिकाकर्ता ने याचिका दायर की थी।

याचिका में लगाए गए ये आरोप

याचिका में कहा गया कि 71 वर्षीय इमरान खान ने 2018 के चुनाव के दौरान अपने नामांकन में अपनी कथित बेटी टायरिन के बारे में जानकारी नहीं दी थी। इमरान खान की पार्टी ने 2018 के चुनाव में जीत दर्ज की थी और उसके बाद इमरान खान ने अगस्त 2018 से लेकर अप्रैल 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में काम किया था। याचिकाकर्ता का आरोप है कि इमरान खान ने अपने नामांकन में गलत जानकारी दी। इमरान ने अपने हलफनामे में सिर्फ अपने दो बेटों का जिक्र किया, लेकिन तीसरी संतान टायरिन का जिक्र नहीं किया।

हाईकोर्ट से मिली थी राहत

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट से पहले याचिकाकर्ता ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, यहां से उसे निराशा हाथ लगी। इस मामले पर सुनवाई कर रही इस्लामाबाद हाईकोर्ट की तीन जजों की पीठ को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस आमेर फारुख ने भंग कर दिया था। बाद में नई पीठ ने याचिका पर सुनवाई कर उसे खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी ने पिछले साल दिए गए दो न्यायाधीशों की राय पढ़ी और फैसला सुनाया कि मामला पहले ही खारिज किया जा चुका है। याचिकाकर्ता मोहम्मद साजिद ने अपने वकील साद मुमताज हाशमी के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दलील दी कि इस्लामाबाद हाईकोर्ट की पीठ ने तीन में से दो न्यायाधीशों की सहमति वाली राय को अदालती फैसला मानने में गलती की है। उसका कहना है कि खान ने मियांवाली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते समय अपनी बेटी के बारे में नहीं बताया था। केवल अपनी पत्नी बुशरा बीबी और विदेश में रहने वाले दो बेटों कासिम खान और सुलेमान खान के बारे में जानकारी दी थी। साजिद ने कहा कि चूंकि खान ने झूठा हलफनामा दिया है, इसलिए वह अयोग्य करार दिए जाने योग्य हैं।

इमरान खान पर 2022 में हुए हमले के मामले में तीन दोषी करार

इमरान खान पर साल 2022 में जानलेवा हमला हुआ था। उस मामले में पाकिस्तान की आतंक रोधी अदालत ने तीन लोगों को दोषी ठहराया है। इमरान खान पर 2022 में लाहौर प्रांत में एक विरोध रैली के दौरान हमला हुआ था। इस हमले में इमरान खान के पैर में कथित तौर पर तीन गोलियां लगीं थी। दोषी ठहराए गए लोगों की पहचान नावीद मेहर, वकास और तैयब के रूप में हुई है। नावीद मेहर को मुख्य दोषी बताया गया है और मेहर ने ही इमरान खान पर गोलियां चलाई थी। वहीं वकास और तैयब ने मेहर को हथियार मुहैया कराया था।

उस हमले में पीटीआई के कार्यकर्ता की मौत हो गई थी और इमरान खान समेत 14 अन्य लोग घायल हुए थे। मेहर को मौके पर ही पीटीआई समर्थकों ने पकड़ लिया था। गुंजरावाला स्थित आतंक-रोधी अदालत ने तीनों को दोषी ठहराया। कोर्ट 25 मई को इस मामले में सजा सुनाएगा।

इमरान खान ने इस हमले का आरोप आईएसआई के मेजर जनरल फैसल नसीर, शहबाज शरीफ और तत्कालीन आंतरिक मामलों के मंत्री राणा सनाउल्लाह पर लगाया था। इमरान खान ने मेजरल जनरल फैसल नसीर पर केन्या में पाकिस्तानी पत्रकार अरशद शरीफ की हत्या का भी आरोप लगाया था।

हेल्थ अलर्ट

कोई दोष नहीं है मानसिक रोग...

पूरी दुनिया में लाखों लोग मानसिक रोग के शिकार होते हैं। इसका असर उनके अजीजों पर भी पड़ता है। देखा गया है कि हर चौथे इंसान को कभी-न-कभी मानसिक रोग होता है। दुनिया-भर में इस रोग की सबसे बड़ी वजह है, निराशा। बायपोलर डिसऑर्डर और स्किड्जोफ्रीनीया बहुत गंभीर और खतरनाक मानसिक बीमारियां हैं। हालांकि इतनी भारी तादाद में लोग मानसिक रोग की गिरफ्त में आ रहे हैं, फिर भी लोग इसे छिपाए रखते हैं या इसे नजरअंदाज कर देते हैं। इस बीमारी के शिकार लोगों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, मानसिक रोग के शिकार बहुत-से लोग इलाज करवाने से कतराते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि लोग उनके बारे में न जाने क्या सोचेंगे।

कैसे पता चलेगा

विशेषज्ञों का कहना है कि जब एक व्यक्ति ठीक से सोच नहीं पाता, उसका अपनी भावनाओं और व्यवहार पर काबू नहीं रहता, तो ऐसी हालत को मानसिक रोग कहते हैं। मानसिक रोगी आसानी से दूसरों को समझ नहीं पाता और उसे रोजमर्रा के काम ठीक से करने में मुश्किल होती है। किसी को मानसिक रोग होने का कारण यह नहीं कि उसमें कोई दोष है। मानसिक रोग के लक्षण, हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। ये इस बात पर निर्भर करते हैं कि उसके हालात कैसे हैं और उसे कौन-सी मानसिक बीमारी है। कुछ लोगों में इसके लक्षण लंबे समय तक रहते हैं और साफ नजर आते हैं, जबकि कुछ लोगों में शायद थोड़े समय के लिए हों और साफ नजर न आएं। मानसिक रोग किसी को भी हो सकता है, फिर चाहे वह आदमी हो या औरत, जवान हो या बुजुर्ग, पढ़ा-लिखा हो या अनपढ़, या चाहे वह किसी भी संस्कृति, जाति, धर्म, या तबके का हो। किसी को मानसिक रोग होने का कारण यह नहीं कि उसमें कोई दोष है। अगर मानसिक रोगी अच्छी तरह अपना इलाज करवाए, तो वह ठीक हो सकता है। वह एक अच्छी और खुशहाल जिंदगी जी सकता है।

इलाज करवाएं

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ ज्यादातर मानसिक बीमारियां ठीक कर सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि सबसे पहले मरीज की जांच अच्छे और अनुभवी डॉक्टर से करवाएं। जांच के बाद रोगी को फायदा तभी होगा जब वह सही इलाज करवाए। इसका मतलब, उसे अपनी बीमारी के बारे में दूसरों से बात करने में झिझक महसूस नहीं करनी चाहिए। इलाज करवाने के लिए शायद रोगी को एक अच्छे डॉक्टर से बात करनी पड़े। डॉक्टर उसे उसकी बीमारी के बारे में अच्छी तरह समझा सकते हैं। साथ ही, वह उसे रोजमर्रा की समस्याओं से निपटने के लिए कुछ व्यावहारिक सलाह दे सकते हैं और इस बात की अहमियत समझा सकते हैं कि क्यों इलाज बीच में न छोड़ें। डॉक्टर से सलाह-मशविरा करते वक्त अच्छा होगा अगर परिवार का कोई सदस्य या दोस्त साथ में हो, ताकि वह बीमार व्यक्ति को सहारा और दिलासा दे सके। बहुत-से लोगों ने जब अपनी हालत के बारे में अच्छी तरह जाना और फिर डॉक्टरों की सलाह के मुताबिक इलाज करवाया, तो उन्हें अपनी बीमारी से लड़ने में काफी मदद मिली।

दूध में मिलाकर पिएं, पाएं स्वाद भी और शक्ति भी

दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है, लेकिन हममें से ज्यादातर लोग नियमित दिनचर्या में इसकी उपेक्षा करते हैं, विशेष रूप से बच्चे। वह तो इसे ना पीने के बहाने ढूंढ़ने लगते हैं। अगर आपका बच्चा भी ऐसा ही कुछ करता है तो हम आपके लिए दूध के साथ ऐसे हेल्दी कॉम्बिनेशन लेकर आये है, जो दूध के साथ मिलाकर पीने से इसके न्यूट्रिएंट्स और भी बढ़ा देते हैं। जी हां बहुत सारी चीजें ऐसी है जिसे दूध में मिलाने से आप स्वादिष्ट और सेहतमंद ड्रिंक पा सकते हैं। दूध के साथ खजूर, बादाम या कुछ चीजों को मिक्स करके पीने से बॉडी को एनर्जी मिलती है और कई बीमारियां दूर होती हैं।

दूध में मिलाकर पिएं ये चीजें

दूध में बादाम

दूध के साथ बादाम का संगम ना केवल एक स्वादिष्ट बल्कि पौष्टिक पेय बनाता है। दूध में बादाम डालकर पीने से हड्डियां मजबूत होती है। इसमें आयरन और कैल्शियम होता है जो खून की कमी दूर करने में मददगार है। ज्यादातर लोग बादाम का दूध सर्दियों में पीते हैं क्योंकि उनका मानना है कि इसे पीने से सर्दी भाग जाती है और

दूध में केसर

दूध प्रोटीन और कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं और केसर में प्राकृतिक चिकित्सीय गुण मौजूद होते हैं। केसर वाले दूध में पोटैशियम होता है जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है इसे पीने से मूड अच्छा रहता है। इस सेवन गर्भावस्था में बहुत असरदार होता है।

दूध में खजूर

दूध में खजूर मिलाकर पीने से कब्ज को दूर करने और पाचन तंत्र को ठीक रखने में मदद मिली है ऐसा इसलिए क्योंकि इस ड्रिंक में फाइबर होता है। इसके साथ ही इसमें आयरन भी होता है जो एनीमिया से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा दूध और खजूर दोनों में कैल्शियम होता है जो जोड़ों के दर्द से निजात दिलाता है।

दूध में केला

जब केले और दूध का सेवन साथ किया जाता है तो बिना फैट के शरीर को भरपूर मात्रा में प्रोटीन, विटामिन, फाइबर और मिनरल मिल जाते हैं। इससे जो पोषण मिलता है वो शरीर को तीन चार दिन के लिए एनर्जी देने के लिए काफी है इस ड्रिंक में पोटैशियम और मैग्नीशियम होता है जो दिल के रोगों से बचाने और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में बहुत असरदार है। इसमें विटामिन बी-12 की मौजूदगी, डिप्रेशन को दूर करने में फायदेमंद है।

दूध में डार्क चॉकलेट पाउडर

चाकलेट का जिक्र हो और मुंह में पानी न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को चॉकलेट खाने का शौक होता है। डार्क चॉकलेट पाउडर वाले दूध में कैल्शियम और फ्लेवोनॉइड्स होते हैं जो अर्थराइटिस और कैंसर से बचाने में मददगार होते हैं। इसे पीने से त्वचा मुलायम और चमकदार होती है।

दूध में शहद

शहद और दूध दोनों संपूर्ण आहार माने जाते हैं। वैसे तो दूध पीने व शहद खाने दोनों के ही कई लाभ होते हैं, लेकिन दूध और शहद दोनों को साथ लिया जाए तो इनके गुण दोगुने हो जाते हैं। दूध में प्रोटीन और शहद में कार्बोहाइड्रेट्स होते है जो बॉडी के मेटाबॉलिज्म बढ़ाते हैं और मसल्स को मजबूत बनाते हैं।

ट्रेडिशनल ज्वैलरी पहने कुछ इस तरह...

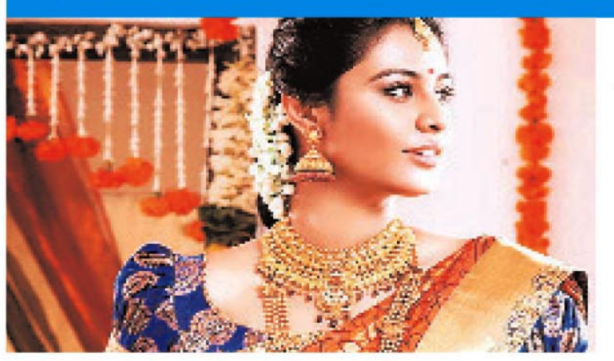

पार्टी पर जाना हो तो आऊटफिट्स के साथ फुटवियर,मेकअप और ज्वैलरी भी परफैक्ट होनी चाहिए। ज्वैलरी अगर मैचिंग न हो तो कपड़ों का ग्रेस भी खत्म हो जाता है। कई बार तो घर पर बहुत से ऐसे गहने पड़े होते हैं,जिन्हें अगर ढंग से पहना जाए तो वे आपको नया लुक दे सकते हैं। आइए जानते हैं कि कौन सी ज्वैलरी किस तरह इस्तेमाल की जा सकती है। आपके पास खूबसूरत रिंग पड़ी हैं पर यह इस्तेमाल नहीं हो रही और पार्टी पर आप कोई नया पेंटेंड पहनना चाहती हैं। इसके लिए इन अंगूठियों को इस्तेमाल में लाया जा सकता है। किसी हल्की चेन में रिग डालकर इसे पहन सकती है या फिर इसे साड़ी पर एक्सटेंशन के साथ अटैच भी कर सकते हैं। आपकी ड्रैस में सिल्वर टच है और ऐसी पायल जो आप इस्तेमाल नहीं करना चाहती तो इसे नेकलेस की तरह पहनें। इसे इंडो वेस्टर्न ड्रैस के साथ भी वियर कर सकते हैं। आजकल मांग टीका पहनने का बहुत ट्रैंड है। कोई हार जिसे आप बहुत बार पहन चुकी हैं तो इस बार इसे मांग टीके की तरह इस्तेमाल करें।

न्यू रिसर्च

टी सेल जेनेटिक इंजीनियरिंग से कैंसर का इलाज...

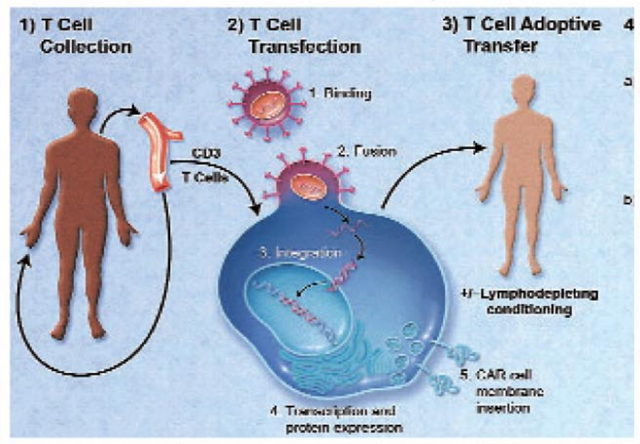

कैंसर के इलाज के एक नए तरीके की मदद से वयस्कों में ल्यूकेमिया के 88 फीसदी मामलों में सफलता मिली है। इस इलाज में मरीज की खुद की रोग प्रतिरोधक क्षमता का इस्तेमाल होता है। अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा किए गए रिसर्च में ये परिणाम सामने आए हैं। इसे इम्यूनोथेरैपी के क्षेत्र में बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। नए परीक्षणों में ब्लड कैंसर के खास प्रकार एएलएल यानी एडल्ट बी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के 16 मामले शामिल किए गए थे। अमेरिका में हर साल एएलएल से करीब 1,400 लोगों की मौत होती है। इस प्रकार के कैंसर का आमतौर पर इलाज संभव है। कई मामलों में शरीर में कीमोथेरैपी के प्रति प्रतिरोधकता पैदा हो जाती है और बीमारी फिर लौट आती है। इस शोध में 16 में से 14 मरीज पूरी तरह ठीक हो गए। उनके टी सेल जेनेटिक इंजीनियरिंग से ठीक किए गए ताकि कैंसर को शरीर से मिटाया जा सके। इन मरीजों की औसत आयु पचास वर्ष है। जब इन्हें इस इलाज के लिए लाया गया तो ठीक होने की सारी उम्मीदें छोड़ी जा चुकी थीं। उन पर कीमोथेरैपी या किसी अन्य विधि का असर पड़ना बंद हो गया था। विशेषज्ञ बताते हैं कि कैंसर के लगभग आधे मामले कम किए जा सकते हैं। कैंसर के ट्यूमर का हर पांचवां मामला सिगरेट पीने से होता है। इससे फेफड़ों के कैंसर के अलावा कई और तरह के ट्यूमर भी हो सकते हैं।

टी सेल कम करना

इस विधि में मरीज के शरीर से कुछ टी सेल निकाल कर एक खास जीन से उनकी जेनेटिक इंजीनियरिंग इस तरह की गई कि वह कैंसर सेल पर मौजूद सीडी19 प्रोटीन को पहचान कर उस पर असर कर सकें। टी सेल का काम होता है शरीर को खतरनाक हमलों से बचाना, लेकिन वे कैंसर को बढ़ने से नहीं रोक पाते हैं। रिसचर्स ने बताया कि असल में हम टी सेल को प्रयोगशाला में जीन थेरैपी की मदद से यह सिखाते हैं कि वह कैंसर सेल को पहचान कर उसे कैसे नष्ट करे। शोधकर्ताओं के मुताबिक एक खास तरह के मरीजों पर यह विधि कारगर है। इलाज के इस तरीके पर यूरोप में भी शोध जारी हैं।

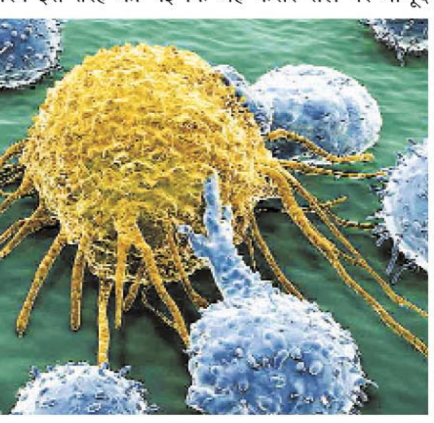

इस तरह की नेकलाइन सूट करेंगी आपको...

किसी टॉप या ड्रैस को चुनते समय महिलाएं और लड़कियां अक्सर उसकी नेकलाइन को देखती है कि वह नेक लाइन उनपर सूट करेंगी भी या नहीं। नेकलाइन एक ऐसी चीज होती है, जो लूक को बना या बिगाड़ देती है। अगर आप अपने पर सूट करती नेकलाइन की ड्रैस कैरी करती हैं तो यह लुक को और निखार देती हैं। बोट नेक सबरीना नेकलिन के नाम से भी जाना जाता है। लंबी हाइट और लंबी गर्दन वाली महिलाओं को इस नेकलाइन के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहिए। अगर आपकी बॉडी आवरग्लास और आप थोड़ी भारी भी हैं तो आपको इसे ट्राई करना चाहिए। वन शोल्डर नेकलाइन में एक तरफ का कंधा खुला रहता है, यह हर किसी का ध्यान आपकी गर्दन की और खिंचती है। सुंदर कॉलरबोन, लंबी गर्दन और नाजुक कंधों वाली महिलाओं के लिए यह नेकलाइन सबसे बैस्ट ऑप्शन है। वी-नेक का शेप अंग्रेजी के व्ही के आकार में होता है। यह नेकलाइन हर किसी को सूट नहीं करता। यह हौरग्लास बॉडी शेप वाली लड़कियों को यह सबसे अच्छा लगता है। टर्टल नेक आमतौर पर फिटिंग वाले स्वेटर्स में देखे जाते हैं। अगर आप स्लीम और स्ट्रट फिगर वाली है तो इस तरह की नेकलाइन कैरी करें। काउल नेकलाइन ज्यादातर छोटी और लंबी, दोनों तरह की ही स्लीव्ज वाले टॉप्स और स्वेटर्स पर देखी जाती है। यह आऊटफिट के फैब्रिक पर डिपेंड करता है कि वह आपकी कैसी लुक देता है।

किस कलर की ड्रैस कैरी करें...

जब किसी महिला या लड़की को किसी खास मौके जैसे पार्टी या फंक्शन में अपना सबसे बैस्ट लुक देना होता है तो वह अक्सर कपड़ों के रंग को लेकर कन्फ्यूज रहती है। वह सोचती है कि वह ऐसा कौन से रंग की आऊटफिट पहनें, जिसमें वह सबसे बैस्ट और स्टाइलिश लगे। अगर आप भी कुछ ऐसे ही सोचती हैं तो आज हम आपको तीन ऐसे रंग के बारे में बताएंगे, जो हमेशा ट्रैंड में रहते हैं और हर किसी को स्टाइलिश लुक भी देते हैं। वाइट एक ऐसा कलर है, जो हर मौके पर अच्छा लगता है, लेकिन यह कलर किसी धर्मिक स्थान पर कैरी करना बेस्ट ऑप्शन है। इसकी खास बात एक और है कि यह हमेशा ट्रैंड में रहता है। वाइट कलर के कपड़ों को कैरी करते समय इस बात का ध्यान रखें कि इस कलर की ड्रैस सर से पैरों तक वाइट होनी चाहिए। इसको किसी और कलर के साथ मैच करके न पहनें। लाल हमेशा लग्जरी बना रहता है। लाल रंग की आऊटफिट आपको स्टाइलिश लुक देती है। इस कलर की ड्रैस को आप किसी पार्टी में कैरी कर सकती है। इसके साथ रेड कलर की ही फुटवियर पहनें। डार्क ब्लू काफी खूबसूरत लगता है। इसको आप किसी भी फंक्शन में कैरी करके अपना स्टाइलिश लुक दे सकती है। इस कलर की आऊटफिट कैरी करके आप फ्रैश महसूस करेंगी। अगर आप अपने आपको स्लीम लुक देना चाहती है तो डार्क ब्लू या नेवी ब्लू की ड्रैस कैरी करें।

क्यों भोजन के साथ सलाद खाना है जरुरी

घर या किसी होटल पर खाना खाने दौरान हमें सलाद खाने को जरुर मिलता है। यह हमें ताकत देता है और पेट के लिये भी काफी अच्छा होता है। सलाद में कई सब्जियां और फल शामिल होते हैं जो हमें कई प्रकार से स्वास्थ्य लाभ पहुंचाते हैं। ताजा सलाद का सेवन पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और वजन कम करने में भी मदद करता है। कच्चे फल और सब्जियों का सेवन करने से आप बेहतर महसूस करते हैं। भोजन के साथ सलाद खाने के कई स्वास्थ्य लाभ हैं।

वजन कम करता है

सलाद कैलोरी में कम होते हैं और इससे आपका वजन नियंत्रित रहता है। सलाद में फल और गुड फैट जैसे ऑलिव ऑयल और ऐवाकाडो को शामिल करने से शरीर को आयरन, लिकोपिन, ल्यूटिन और अन्य पोषक तत्वों को अवशोषित करने में मदद मिलती है।

कब्ज दूर करता है

सेहतमंद भोजन आपके शरीर को अधिक ऊर्जा देता है और इससे आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रहता है। सलाद हमारे भोजन में फाइबर की मात्रा को बढ़ाता है । जिससे कोलेस्ट्राल और कब्ज की समस्या दूर होती है। भोजन से पहले उच्च फाइबर युक्त आहार का सेवन करने से आपको वजन घटाने में मदद मिलती है।

बार बार भूख लगने से बचाता है

अगर आपको हमेशा कुछ न कुछ मीठा खाने का मन करता रहता है, तो कैंडी या चॉकलेट के स्थान पर फलों के सलाद का सेवन करें। न सिर्फ इससे आपकी भूख शांत होगी, बल्कि इसका स्वाद भी ताजा होगा और यह आपके शरीर में ऊर्जा का संचार भी करेगी।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

सलाद विटामिन, मिनरल से भरपूर होते हैं। इनमें विटामिन, इम्यूनिटी, विटामिन सी, संक्रमण से बचाव, आयरन अवशोषण, स्वस्थ हड्डियां, मसूड़ों और त्वचा को रोगों से बचाना, जख्मों को भरने और रक्त को गाढ़ा बनाने जैसे तत्व होते हैं। इसके अलावा कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व भी सलाद में होते हैं।

हाइड्रेट रखता है

सलाद में अगर आप खीरा, ककड़ी, मूली आदि चीजों का सेवन करते हैं तो यह आपको दिनभर हाइड्रेट रखता है। अगर आप पुदीने को खीरे के साथ मिला कर खाये तो यह और भी फायदेमंद होता है, इन दोनों को मिक्स करने से शरीर अच्छे से डिटॉक्सीफाइंग होने के अलावा प्रचुर मात्रा में मिनरल और विटामिन भी देता है।

पोषक तत्वों से है भरा

गहरे रंग के फल और सब्जियों, स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक होती है । दरअसल गहरे रंग के फल और सब्जियों में कैल्शियम और मैग्निशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्तेदार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं। चुकंदर खून को बढ़ाने का काम करता है। इसमें प्रचुर मात्रा में फोलिक एसिड, आयरन और कैल्शियम पाया जाता है। मूली में विटामिन सी, सोडियम और कैल्शियम पाया जाता है।

पैन्ट के साथ साड़ी ब्लाउज...

जब भी ब्लाउज की बात आती है तो सबसे पहले साड़ी का ख्याल ही दिमाग में आता है। लेकिन फैशन के इस युग में डिजाइनर्स हमेशा ही कुछ नया करने की फिराक में रहते हैं। अगर आप भी अब तक ब्लाउज को सिर्फ साड़ी के साथ ही पहनती हैं तो अब कुछ नया ट्राई करें। अब ब्लाउज को साड़ी के साथ टीमअप करने का तरीका बेहद पुराना हो गया है। अगर आपका नाम भी उन महिलाओं की श्रेणी में हैं जो फैशनपरस्त हैं और जिन्हें हमेशा ही अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना अच्छा लगता है तो अब आप साड़ी को भूल जाइए और ब्लाउज को दीजिए एक नया अंदाज। तो आईए जानते हैं साड़ी ब्लाउज को टीमअप करने के नए तरीके के बारे में-

ब्लाउज विद पैन्ट

हाल ही में साड़ी ब्लाउज को पैन्ट के साथ पहनने का चलन काफी है। अब साड़ी के लुक को एक डिफरेंट और मॉडर्न टच देने के लिए इस लुक में पैन्ट्स का प्रयोग होने लगा है। इतना हीं नहीं, पिछले दिनों डिजाइनर्स ने स्लिम पैंट्स विद साड़ी ब्लाउज और साड़ी का फ्यूजन रैम्प पर पेश किया था। इस लुक में लोअर वियर में पेटीकोट के स्थान पर स्लिम पैन्ट्स पहनी जाती है। साथ ही लुक को एन्हॉन्स करने के लिए साड़ी को भी डिफरेंट स्टाइल में डेप भी किया जाता है। इस तरह एक छोटे से बदलाव के जरिए एक इंडियन वियर को स्टाइलिश व मॉडर्न टच मिल जाता है।

ब्लाउज विद धोती पैन्ट्स

वैसे साड़ी ब्लाउज सिर्फ स्लिम पैंट्स के साथ ही नहीं जंचता, बल्कि इसे धोती पैंट्स के साथ पहनना भी एक अच्छा आइडिया हो सकता है। आप चाहें तो साड़ी ब्लाउज के उपर जैकेट भी पहन सकती हैं। इंडियन-वेस्टर्न का यह कॉम्बिनेशन बॉलीवुड के गलियारों में काफी प्रचलित है। कई बॉलीवुड दिवा जैसे सोनम कपूर आदि इस स्टाइल को अक्सर कैरी किए नजर आती हैं। वैसे इसके साथ आप हैवी ज्वैलरी पहनकर अपनी खूबसूरती में चार-चांद लगा सकती हैं। इतना ही नहीं, इसे आप किसी फैशन इवेंट या पार्टी में भी पहन सकती हैं।

साड़ी ब्लाउज विद स्कर्टस

अगर आप ट्रेंडी ब्लाउज पहनने की शौकीन हैं तो इस साल ट्रेंड में रहे ऑफ शोल्डर ब्लाउज या स्लीव्लेस ब्लाउज को लॉन्ग स्कर्ट्स या सेरोंग के साथ भी पहन सकती हैं। अपने लुक को एन्हॉन्स करने के लिए आप लाइट वेट स्टेटमेंट ज्वैलरी भी इसके साथ कैरी कर सकती हैं। यह पैटर्न स्कर्ट के अतिरिक्त प्लेन स्कर्ट के साथ भी खूब फबता है। वैसे इन दिनों फैशन डिजाइनर्स ब्लाउज को शॉर्ट व लॉन्ग स्कर्ट के साथ टीमअप करके साड़ी को बतौर दुपट्टा पल्लू इस्तेमाल कर रहे हैं। यह एकदम नया व डिफरेंट लुक है।

ब्लाउज विद लहंगा

वैसे तो ब्लाउज को लहंगे के साथ पहनने का चलन काफी पुराना है। लेकिन अगर आप किसी फंक्शन में अपनी किसी दोस्त या बहन का लहंगा पहनना चाहती हैं तो उसके साथ अपना साड़ी ब्लाउज पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है। इससे आपको पुराने लहंगे में ही एक न्यू लुक मिल जाएगा। वैसे आप इस लहंगे के साथ दुपट्टा कैरी करें या नहीं। यह पूरी तरह आपकी इच्छा पर निर्भर करता है।

भारत का कपड़ा निर्यात 9.6 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । भारत का कपड़ा निर्यात इस साल मई में पिछले साल की तुलना में 9.59 फीसदी बढ़ा है। भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ (ईयू), अमेरिका और पश्चिम एशियाई जैसे देशों के प्रमुख बाजारों में प्रतिकूल आर्थिक स्थितियों के बावजूद, भारत ने कपड़ा उद्योग में वृद्धि दर्ज की है। रिपोर्ट के अनुसार, इसी अवधि के दौरान देश के परिधान निर्यात में 9.84 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। सीआईटीआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि मई 2024 में कपड़ा और परिधान के संयुक्त निर्यात में पिछले साल की तुलना में 9.70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, मई 2024 के लिए भारत का कुल निर्यात बढ़कर 68.29 अरब डॉलर हो गया, जो सालाना 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। सीआईटीआई के विश्लेषण से पता चलता कि अप्रैल-मई 2024 के दौरान भारतीय कपड़ा निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 6.04 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी अवधि के दौरान परिधान निर्यात में 4.46 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल-मई 2024 के दौरान कपड़ा और परिधान के संचयी निर्यात में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5.34 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। हाल ही में जारी निर्यात आंकड़ों से इलेक्ट्रॉनिक सामान, फार्मास्यूटिकल्स, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, इंजीनियरिंग सामान और पेट्रोलियम उत्पादों जैसे क्षेत्रों में भी मजबूत प्रदर्शन का पता चला है।

इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के निर्यात में 22.97 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई, जो विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि के कारण भारत के निर्यात वस्तुओं में आए परिवर्तन को दर्शाता है।

इसी तरह पेट्रोलियम उत्पादों (साल-दर-साल 15.75 प्रतिशत) और इंजीनियरिंग सामान (7.39 प्रतिशत) के निर्यात में भी उच्च वृद्धि दर दर्ज की गई।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईईओ) के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने कहा कि मई 2024 में मजबूत ऑर्डर बुकिंग के कारण सकारात्मक रुझान देखने को मिल रहा है। भारत के लिए टॉप टेन निर्यात बाजारों में अमेरिका, यूएई, नीदरलैंड, यूके, चीन, सिंगापुर, सऊदी अरब, बांग्लादेश, जर्मनी और फ्रांस शामिल हैं। इन बाजारों में निर्यात में दोहरे अंकों की बढ़ोतरी दर दर्ज की गई है।

भारत का कुल वस्तु निर्यात 9.1 प्रतिशत बढ़कर 38.13 अरब डॉलर हो गया है। जबकि, सेवा निर्यात 11.7 प्रतिशत बढ़कर 30.16 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

न्यूज़ ब्रीफ

महिंद्रा ने मई में की थार की 5,750 यूनिट्स की बिक्री, लोग डीजल वेरिएंट को कर रहे है ज्यादा पसंद

नई दिल्ली । बीते मई महीने में महिंद्रा ने थार की 5,750 यूनिट्स की बिक्री की है। इनमें से 5,207 डीजल वेरिएंट थे, जबकि केवल 543 पेट्रोल वेरिएंट थे। ये पिछले साल मई की तुलना में महत्वपूर्ण ग्रोथ को दर्शाता है। पिछले साल मई के महीने में 3,190 डीजल और 1,106 पेट्रोल यूनिट्स की बिक्री की गई थी। यानी यहां देखा जा सकता है कि लोग डीजल वेरिएंट को खरीदना ज्यादा पसंद कर रहे हैं और इनकी बिक्री के आंकड़े भी ज्यादा हैं। जबकि पेट्रोल वेरिएंट की बिक्री के आंकड़ों में गिरावट आई है। वहीं, अप्रैल के आंकड़ों की बात करें तो महिंद्रा ने 524 डीजल और 481 पेट्रोल थार यूनिट्स की बिक्री की थी। यानी पिछले महीने भी थार के डीजल वैरिएंट्स की बिक्री ज्यादा हुई थी और यही ट्रेंड इस महीने भी जारी है। हालांकि, सेल के आंकड़े मई के महीने में अप्रैल की तुलना में काफी ज्यादा हैं इस बीच आपको ये भी बता दें कि महिंद्रा ने थार एसयूवी की प्रोडक्शन को थोड़ा कम कर दिया है। ये एडजस्टमेंट इसलिए किया जा रहा है क्योंकि कंपनी थारइ के नए 5-डोर वर्जन को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी इस मॉडल के लॉन्च की तैयारी मारुति की जिम्नी से मुकाबले के लिए कर रही है। ये भी एक ऑफ-रोड स्टाइल एसयूवी है। नए 5-डोर थार की लॉन्चिंग 15 अगस्त को की जा सकती है। सोशल मीडिया नए मॉडल की कुछ तस्वीरें भी लीक हुई हैं। ये नया मॉडल जिम्नी को कड़ी टक्कर देगा। मार्केट पोजिशन की बात करें तो ऑफ-रोड एसयूवी सेगमेंट एक बेहतर पोजिशन पर है। प्रतिस्पर्धी कंपनियों को थार के मार्केट परफॉर्मेंस से मेल खाने के लिए अपने प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने की जरूरत है।

चीनी हो जाएगी महंगी, बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली । राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ (एनएफसीएसएफ) ने सरकार से चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाकर कम से कम 42 रुपए प्रति किलोग्राम करने का आग्रह किया ताकि बढ़ती उत्पादन लागत के बीच मिलों को परिचालन जारी रखने में मदद मिल सके। एक रिपोर्ट से पता चला है कि सरकार 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले 2024-25 के आगामी सीजन के लिए चीनी के न्यूनतम विक्रय मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाने पर विचार कर रही है। अगर सरकार चीनी की एमएसपी में बढ़ोतरी करती है तो इसका असर खुदरा बाजार में देखने को मिलेगा। चीनी की प्रति किलो कीमत बढ़ सकती है। जानकारों का कहना है कि चीनी की कीमत प्रति किलो 3 से 4 रुपए बढ़ सकती है। न्यूनतम बिक्री मूल्य वर्ष 2019 से 31 रुपए प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित रखा गया है, जबकि सरकार ने हर साल गन्ना उत्पादकों को दिए जाने वाले उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में वृद्धि की है। एनएफसीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने एक बयान में कहा कि महासंघ ने खाद्य मंत्रालय के अधिकारियों को आंकड़े सौंपे हैं, जिसमें चीनी उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि दिखाई दे रही है, जिससे न्यूनतम विक्रय मूल्य को गन्ने के एफआरपी के साथ तालमेल बिठाना आवश्यक हो गया है। यदि चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाकर 42 रुपए प्रति किलोग्राम कर दिया जाता है, तो चीनी उद्योग को लाभ हो सकता है।

टाटा मोटर्स का वाहनों की बिक्री में 40 फीसदी का योगदान, 10 में से 4 कार ग्राहक ग्रामीण इलाकों से

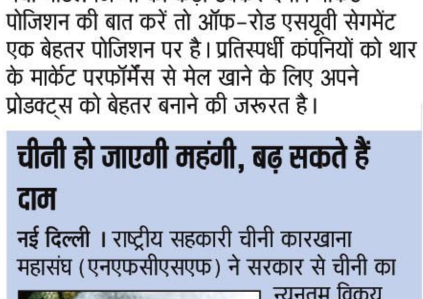

नई दिल्ली । स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण इलाकों में लोगों को ये देसी कार क्यों पसंद आ रही है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में ग्रामीण इलाकों में जबरदस्त बिक्री की है। ग्रामीण इलाकों की बिक्री ने कंपनी के कुल यात्री वाहनों की बिक्री में 40 फीसदी का योगदान दिया है। यानी 100 में से हर 40 कारें ग्रामीण इलाकों में बिकी हैं। ग्रामीण उपभोक्ताओं के बीच टाटा मोटर्स की कारों की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। कंपनी की कारें पहली बार खरीदने वाले लोगों की संख्या 70 फीसदी के आस-पास है। देश में बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटलीकरण और परचेजिंग पावर बढ़ने से ग्रामीण और शहरी ग्राहकों के बीच का अंतर कम हो रहा है।

डीडीई डेवलपमेंट इंजीनियर्स, एक्मे फिनट्रेड इंडिया और स्टेनली लाइफस्टाइल्स में निवेश का मौका

मुंबई । इस हफ्ते शेयर मार्केट में लिस्टिंग के लिए 3 इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ ओपन होंगे। इसमें डीडीई डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड, एक्मे फिनट्रेड इंडिया लिमिटेड और स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड शामिल हैं। आइए इन तीनों कंपनियों के आईपीओ के बारे में एक-एक करके जानते हैं।

डीडीई डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड

डीडीई डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए टोटल 418.01 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 325 करोड़ के 16,009,852 नए शेयर इश्यू करेगी। वहीं, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ह्रस्व के जरिए 93.01 करोड़ के 4,582,000 शेयर बेचेंगे। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 19 जून से 21 जून तक बोली लगा सकेंगे। 26 जून को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। मैक्सिमम 949 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक डीडीई डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 193-203 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 73 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 203 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,819 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 949 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,647 इन्वेस्ट करने होंगे। ग्रे मार्केट में डीडीई डेवलपमेंट इंजीनियर्स का प्रीमियम 24.63 प्रतिशत आईपीओ ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 24.63 प्रतिशत यानी 50 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 203 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 253 पर हो सकती है। हालांकि, इससे केवल अनुमान लगाया जा सकता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से काफी अलग होती है। डीडीई डेवलपमेंट इंजीनियर्स की स्थापना 1988 में हुई थी डीडीई डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड एक इंजीनियरिंग कंपनी है, जिसकी स्थापना 1988 में हुई थी। कंपनी इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से ऑयल एंड गैस, पावर, केमिकल और अन्य इंडस्ट्री के लिए स्पेशलाइज्ड प्रोसेस पाइपिंग सॉल्यूशन प्रोवाइड करती है। कंपनी के पास हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, बैंकॉक और थाईलैंड में 7 मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी हैं। एक्मे फिनट्रेड इंडिया लिमिटेड एक्मे फिनट्रेड इंडिया लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए टोटल 132 करोड़ जुटाना चाहता है। इसके लिए कंपनी पूरे 132 करोड़ के 11,000,000 नए शेयर इश्यू करेगी। इसमें कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ह्रस्व के जरिए एक भी शेयर नहीं बेच रहे हैं। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 19 जून से 21 जून तक बोली लगा सकेंगे। 26 जून को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। मैक्सिमम 1625 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक एक्मे फिनट्रेड इंडिया लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 114-120 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 125 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 120 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 15,000 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 1625 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 195,000 इन्वेस्ट करने होंगे। ग्रे मार्केट में एक्मे फिनट्रेड इंडिया का प्रीमियम 25 प्रतिशत आईपीओ ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 25 प्रतिशत यानी 30 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 120 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 150 पर हो सकती है। हालांकि, यह केवल अनुमान होता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से काफी अलग होती है। स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए टोटल 537.02 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 200 करोड़ के 5,420,054 नए शेयर इश्यू करेगी। वहीं, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ह्रस्व के जरिए 337.02 करोड़ के 9,133,454 शेयर बेचेंगे। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 21 जून से 25 जून तक बोली लगा सकेंगे। 28 जून को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। मैक्सिमम 520 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 351-369 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 40 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 369 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,760 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 520 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं।

कोयले के आयात में 13 फीसदी का उछाल, बढ़ रही डिमांड

नई दिल्ली । भारत सरकार लगातार कोयले के आयात को कम करने की कोशिश कर रही है, लेकिन अप्रैल 2024 में कोल इंपोर्ट 13.2 प्रतिशत बढ़कर 2.61 करोड़ टन पर पहुंच गया। भीषण गर्मी के चलते बिजली की डिमांड बढ़ी है, जिसे पूरा करने के लिए पावर कंपनियों ने कोयले की डिमांड बढ़ाई है। वहीं, पावर कंपनियां नई डील भी कर रही हैं। यह जानकारी बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के डेटा से मिली है।

कोल इंपोर्ट बंद करने का लक्ष्य

पिछले साल अप्रैल में कोयला आयात 2.30 करोड़ टन रहा था। इस साल आयात में इजाफा ऐसे वक्त में हुआ है, जब कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि भारत को जीवाश्म ईंधन का घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए, ताकि आयात में कमी लाई जा सके। केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 तक घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ा कर आयात बंद करने का लक्ष्य रखा है। एमजंक्शन सर्विसेज के डेटा के मुताबिक, अप्रैल में बंदरगाहों के जरिए कोयला और कोक आयात एक साल पहले के मुकाबले 13.2 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल में कुल आयात में नॉन-कोकिंग कोल का इंपोर्ट 1.74 करोड़ टन रहा। यह एक साल पहले 1.51 करोड़ टन था। वहीं कोकिंग कोकिंग कोल का आयात 47.7 लाख टन से बढ़कर 49.7 लाख टन पर पहुंच गया।

मानसून से पहले बढ़ेगा भंडारण

एमजंक्शन सर्विसेज के एमडी और सीईओ विनय वर्मा ने कहा, 'मात्रा के लिहाज से आयात बढ़ा है। मानसून से पहले भंडारण करने की वजह से बिजली और गैर-विनियमित दोनों क्षेत्रों से कोयले की तगड़ी मांग जारी रह सकती है।

अप्रैल में कोल इंपोर्ट मार्च के मुकाबले भी 8.93 प्रतिशत अधिक रहा है। मार्च में यह 2.39 करोड़ टन से कुछ अधिक रहा था। समुद्री मार्ग से ढुलाई की कीमतों में नरमी से बीते वित्त वर्ष 2023-24 में देश का कोयला आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 26.82 करोड़ टन रहा था। वहीं, 2022-23 में यह आंकड़ा 24.90 करोड़ टन था।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण पांच साल में 250 अरब डॉलर पर पहुंचने की संभावना : रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत का इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण अगले पांच साल में लगभग 250 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस समय देश का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 125 से 130 अरब डॉलर के बीच है। सरकार इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार सृजन करके बेरोजगारी की समस्या का समाधान करने की भी योजना बना रही है। वर्तमान में इस क्षेत्र में 25 लाख लोग कार्यरत हैं।

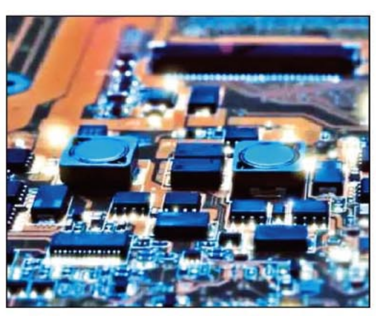

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अगले पांच साल में सरकार इस सेक्टर में नौकरियों की संख्या दोगुनी करेगी। इन्वेस्ट इंडिया के अनुसार, 5जी नेटवर्क और आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) जैसे टेक्नोलॉजी परिवर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट को तेजी से अपनाने में सहायक हो रहे हैं। डिजिटल इंडिया और स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाओं ने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के मार्केट में आईओटी की मांग बढ़ा दी है और निस्संदेह इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स के लिए एक नए युग की शुरुआत होगी।

इस समय भारत का घरेलू उत्पादन वित्त वर्ष 2016-17 में 49 अरब डॉलर से 13 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 101 अरब डॉलर हो गया है। इन्वेस्ट इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2024 के दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात (एक्सपोर्ट) 2.65 अरब डॉलर दर्ज किया गया। यह अप्रैल 2023 के दौरान यह 2.10 अरब डॉलर था, यानी इसमें 25.80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एडिडास में चीन की बढ़ी मुश्किलें, वरिष्ठ कर्मचारियों पर घूसखोरी का आरोप

नई दिल्ली । दुनिया के सबसे मशहूर स्पोर्ट्सवियर ब्रांड में से एक एडिडास की चाइनीज यूनिट में बड़े पैमाने पर घूसखोरी का मामला सामना आया है। रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि एक व्हिसलब्लोअर ने एडिडास की चाइनीज यूनिट के वरिष्ठ अधिकारियों पर करोड़ों यूरो के गबन का आरोप लगाया है। व्हिसलब्लोअर वह शख्स होता है, जो गुमनाम रहकर अपनी कंपनी के भीतर हो रही गड़बड़ियों को उजागर करता है।

क्या है व्हिसलब्लोअर के आरोप

इस मामले को एडिडास ने काफी गंभीरता से लिया है और जांच शुरू कर दी है। व्हिसलब्लोअर ने गुमनाम खत में मार्केटिंग बजट में शामिल एक विभाग प्रबंधक समेत कई चीनी एडिडास कर्मचारियों पर रिश्वतखोरी के आरोप लगाए हैं। खत के मुताबिक, एडिडास के कर्मचारियों को एक्सटर्नल सर्विस प्रोवाइडर से भारी रिश्वत मिली। इसमें सप्लायर से लाखों की नकदी के साथ रियल एस्टेट जैसी भौतिक वस्तुएं भी शामिल हैं।

एडिडास ने आरोपों पर क्या कहा

एडिडास ने रिश्वतखोरी के आरोप सार्वजनिक के फौरन बाद एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया, हमें एक गुमनाम पत्र मिला है, जिसमें चीन में हमारे कर्मचारियों द्वारा नियमों का उल्लंघन करने की जानकारी मिली है। हम फिलहाल कानूनी सलाहकार के साथ मिलकर मामले की गहराई से छानबीन कर रहे हैं। चीन में एडिडास का मार्केटिंग बजट सालाना 250 मिलियन यूरो (267.5 मिलियन) है। रिपोर्ट के मुताबिक, व्हिसलब्लोअर ने पत्र में अपने आरोपों को साबित करने के लिए कोई पुख्ता सबूत नहीं दिए हैं, लेकिन उसने कंपनी को गोपनीय और संवेदनशील चीजों के बारे में बारीक जानकारियां दी हैं। अभी तक किसी भी आरोपी के खिलाफ एडिडास ने कोई एक्शन नहीं लिया है।

एडिडास के लिए चीन में चुनौतियां

कोरोना महामारी से पहले एडिडास के लिए चीन सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार था और वहां से उसे काफी फायदा भी हो रहा था। लेकिन, महामारी के बाद चीन में काफी लंबे वक्त लॉकडाउन रहा। इससे बाकी कंपनियों की तरह एडिडास का कारोबार भी प्रभावित हुआ। चीनी उपभोक्ता झिंजियांग क्षेत्र से कपास खरीदने से इनकार करने पर पश्चिमी देशों के ब्रांड से नाराज भी हैं। दरअसल, मानवाधिकार संगठनों ने आरोप लगाया था कि कपास की खेती में बाल मजदूरी कराई जाती है।

धारावी की जमीन महाराष्ट्र सरकार के विभागों को होगी हस्तांतरित, अदाणी समूह सिर्फ पुनर्विकास करेगा

मुंबई । करोड़ों रुपये की धारावी झुग्गी-बस्ती पुनर्विकास परियोजना में अडाणी समूह को भूमि का हस्तांतरण शामिल नहीं होगा। सूत्रों ने इस बारे में स्थिति साफ करते हुए कहा है कि परियोजना में भूमि का हस्तांतरण महाराष्ट्र सरकार के विभागों को किया जाएगा और अदाणी समूह सिर्फ एक परियोजना डेवलपर के रूप में मकान बनाएगा जो उन्हीं विभागों को सौंपे जाएंगे। बाद में इन घरों का आवंटन एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी के निवासियों को किया जाएगा। जमीन हड़पने के आरोपों से किया इनकार कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने इस मामले में जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। इन आरोपों पर परियोजना से जुड़े सूत्रों ने कहा कि जमीन के टुकड़े सिर्फ राज्य सरकार के आवास विभाग के धारावी पुनर्विकास परियोजना/स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (डीआरपी/एसआरए) को हस्तांतरित किए जाने हैं। अडाणी समूह ने खुली अंतरराष्ट्रीय बोली में धारावी झुग्गी झोपड़ी पुनर्विकास परियोजना हासिल की थी। समूह अपनी संयुक्त उद्यम कंपनी धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट प्राइवेट लि. (डीआरपीपीएल) के माध्यम से आवास और वाणिज्यिक स्थान बनाएगा और उन्हें फिर से डीआरपी/एसआरए को सौंप देगा।

धारावी के लोगों को घर से बेघर करने की बात काल्पनिक रेलवे भूमि के आवंटन के मुद्दे पर, जहां धारावी के निवासियों के पहले सेट की पुनर्वास इकाइयां बनाई जानी हैं, सूत्रों ने कहा कि इसे निविदा से पहले ही डीआरपी को आवंटित किया गया था, जिसके लिए डीआरपीपीएल ने प्रचलित दरों पर 170 प्रतिशत के भारी प्रीमियम का भुगतान किया है। इन आरोपों को कि धारावीवासियों को धारावी से बाहर निकाल दिया जाएगा और बेघर कर दिया जाएगा, को पूरी तरह से काल्पनिक और जनता के बीच चिंता पैदा करने के लिए एक कल्पना करार देते हुए सूत्रों ने कहा कि सरकार के 2022 के आदेश में यह शर्त रखी गई है कि धारावी के प्रत्येक निवासी (पात्र या अपात्र) को एक घर दिया जाएगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि डीआरपी/एसआरए योजना के तहत किसी भी धारावीवासी को विस्थापित नहीं किया जाएगा। एक जनवरी, 2000 को या उससे पहले मौजूद मकानों के धारक यथास्थान पुनर्वास के पात्र होंगे। एक जनवरी, 2000 से एक जनवरी, 2011 के बीच मौजूद लोगों को धारावी के बाहर मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में कहीं भी पीएमएवाई के तहत सिर्फ 2.5 लाख रुपये में या किराये के माध्यम से घर आवंटित किए जाएंगे।

इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख पर निर्भर करेगी: विश्लेषक, कच्चे तेल के भाव और रुपए का उतार-चढ़ाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा

मुंबई । घरेलू मोर्चे पर किसी प्रमुख संकेतक के अभाव में इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख पर निर्भर करेगी। कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह के दौरान बाजार मुख्य रूप से विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से दिशा लेगा। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों वाला है और किसी बड़े संकेतक का अभाव है। हालांकि, बजट को लेकर चर्चा के बीच हम क्षेत्र विशेष के शेयरों में गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। मुख्य रूप से बाजार का रुख मानसून की प्रगति तथा संस्थागत निवेशकों के प्रवाह पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर चीन के आंकड़े, डॉलर सूचकांक का उतार-चढ़ाव तथा अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। बकरीद के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि अवकाश के कारण यह कम कारोबारी सत्रों वाला सप्ताह है। सप्ताह के दौरान बाजार भागीदारों की निगाह वैश्विक बाजारों, विशेषरूप से अमेरिकी बाजार पर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू बाजार बंद रहेंगे, जबकि वैश्विक स्तर पर निवेशकों की निगाह बैंक ऑफ इंग्लैंड के ब्याज दर को लेकर निर्णय पर रहेगी। हमें उम्मीद है कि सकारात्मक वृहद रुझान, सरकारी खर्च जारी रहने और नीतिगत मोर्चे पर निरंतरता की उम्मीद के बीच बाजार में तेजी का रुख कायम रहेगा।

हीरामंडी में बहुत अच्छा काम किया है शर्मिन ने : फरदीन

एक्टर ने ट्रोलिंग को बताया सरासर गलत

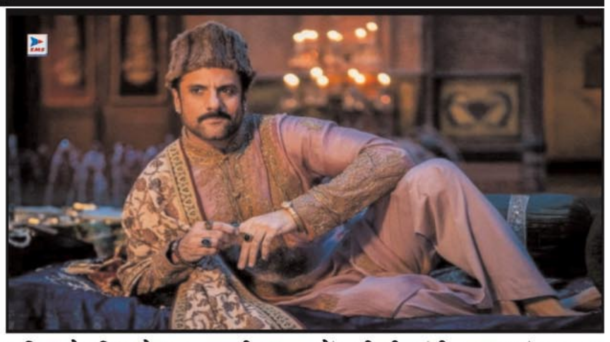

मुंबई (ईएमएस)। वेब सीरीज हीरामंडीः द डायमंड बाजार को जितना पसंद किया गया, उतना ही शर्मिन सहगल को उनकी परफॉर्मेंस के लिए ट्रोल किया गया है हीरामंडी में संजय लीला भंसाली की भांजी शर्मिल ने आलमजेब की भूमिका निभाई है लेकिन उनकी एक्टिंग को खराब बताकर सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया अब इस मामले में फरदीन खान शर्मिन सहगल के सपोर्ट में उतरे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में फरदीन खान ने कहा, मुझे लगता है कि ये ट्रोलिंग बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। हर किसी को यह हक है कि वो किसी की परफॉर्मेंस को पसंद करे या न करें, लेकिन ये ट्रोलिंग गलत है और बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। मुझे लगता है कि उन्होंने हीरामंडी में बहुत अच्छा काम किया है। उनका रोल बहुत कॉम्प्लेक्स और चैलेंजिंग था। वो कुछ बड़े टैलेंट्स के साथ काम कर रही थीं। मुझे उनकी परफॉर्मेंस स्ट्रॉन्ग लगी और उनके करियर के लिए ये एक अच्छी शुरूआत थी। शर्मिन सहगल अपने मामा संजय लीला भंसाली को कई फिल्मों के लिए असिस्ट कर चुकी हैं। उन्होंने साल 2019 में रोमांटिक-ड्रामा फिल्म मलाल से अपने करियर की शुरूआत की थी, जो कि मीजान जाफरी की भी डेब्यू फिल्म थी। इसे संजय लीला भंसाली ने ही प्रोड्यूस किया था। हालांकि, कमाई के मामले में फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई और फ्लॉप साबित हुई थी। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी हीरामंडीः द डायमंड बाजार 8 एपिसोड की वेब सीरीज है। उन्होंने इस सीरीज के जरिए डिजिटल डेब्यू किया है। 1 मई, 2024 से ओटीटी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई हीरामंडीः द डायमंड बाजार 190 देशों में दिखाई जा रही है। कुछ दिनों पहले ही सीरीज के दूसरे सीजन हीरामंडी 2 का ऐलान किया गया है। बता दें कि फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडीः द डायमंड बाजार ने देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में खूब प्यार पाया है।

जहरा खान मोरक्को में मावाजीन महोत्सव में देगी प्रस्तुति

-लेखक एलन के साथ मिलकर संभालेंगी मंच

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय गायिका जहरा खान आगामी 23 जून 2024 को मोरक्को में प्रतिष्ठित मावाजीन महोत्सव में प्रस्तुति देने वाली पहली भारतीय कलाकार बनने के लिए तैयार हैं। जहरा एक मल्टी-प्लैटिनम निमार्ता/लेखक एलन के साथ मिलकर मंच संभालेंगी। यह अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय संगीत के लिए एक यादगार क्षण है। महोत्सव में जहरा खान को अन्य वैश्विक सितारों जैसे कि के-पॉप समूह अतीज, निकी मिनाज, कैमिला कैबेलो, मेट्रो बूमिन, सेंट्रल सी, केल्विन हैरिस और कई अन्य लोगों के बीच प्रदर्शन करते देखा जाएगा। मावाजीन फेस्टिवल एक वैश्विक संगीत दिग्गज है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय और मोरक्कन कलाकारों की एक गतिशील लाइनअप शामिल है। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े संगीत समारोह के रूप में, मावाजीन हर साल 2.5 मिलियन से अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित करता है। 21 से 29 जून तक चलने वाला यह महोत्सव सात चरणों में 90 कार्यक्रमों के साथ एक सच्चे संगीत महाशक्ति के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत करता है। अलॉन विश्व स्तर पर सबसे अधिक मांग वाले निमार्ताओं/लेखकों में से एक है और उसने बीटीएस, काई, आईवीई जैसे कुछ सबसे बड़े केपीओपी कलाकारों के साथ काम किया है और उसके पास 30 से अधिक बिलबोर्ड नंबर 1 हैं। जहरा ने एक गायिका के रूप में अपनी बहुमुखी बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है, कुसु कुसु जैसे चार्ट-टॉपिंग हिट में अपनी आवाज दी है और भारतीय संगीत में कुछ सबसे बड़े नामों के साथ सहयोग करके उन्हें आलोचकों की प्रशंसा और विशाल प्रशंसक आधार मिला है। उन्होंने पर्दे पर अपने अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते हुए खुद को एक कुशल अभिनेत्री के रूप में भी स्थापित किया है। उनकी आगामी फिल्म, वृषभ, पूरे भारत में रिलीज होने वाली तेलुगु भाषा की एक फंतासी-एक्शन ड्रामा फिल्म है, जो बहुप्रतीक्षित है और उनकी प्रतिभा को एक नई रोशनी में प्रदर्शित करने का वादा करती है। मालूम हो कि भारतीय गायिका जहरा खान अपने मनमोहक गायन और ऑन-स्क्रीन उपस्थिति के लिए जानी जाती हैं।

वी लव यू मोदी जी... गाने वाले लोकेश की कहानी काफी रोचक

मुंबई (ईएमएस)। छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरूआत करने वाले लोकेश गर्ग ने बिजनेस छोड़कर गायकी की दुनिया में कदम रखा और आज वे सफलता की नई ऊँचाइयों को छू चुके हैं। 2011 में अपने सिंगिंग करियर की शुरूआत कर लोकेश गर्ग ने एक से बढ़कर एक हिट गाने दिए हैं। लोकेश ने अब तक 300 से अधिक गाने टी-सीरिज के साथ रिलीज किए हैं, जिसमें भक्ति गाने के साथ-साथ कई पॉप गाने भी शामिल हैं। उनके पिछले हिट गीत, वी लव यू मोदी जी की अभूतपूर्व सफलता के बाद, गर्ग की नवीनतम पेशकश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वर्तमान सरकार के प्रति उनका अटूट समर्थन और प्रशंसा का प्रमाण है। राम को लाने वाले आएंगे के माध्यम से गर्ग सरकार की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हैं और राष्ट्रीय प्रगति और एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं। कुछ समय पहले लोकेश गर्ग ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने बारे में बताया। जब पूछा गया कि आप संगीत को लेकर कैसे प्रेरित हुए तब उन्होंने बताया कि संगीत उनके अंदर बसा हुआ है, और उन्होंने बताया कि संगीत मेरे जीवन में एक ऐसी चीज है जिसे मैं परिभाषित नहीं कर सकता, बस में संगीत के लिए भगवान का शुक्रिया करना चाहता हूँ। उन्होंने बताया कि उनका परिवारिक कारोबार भी चाय पत्ती का है, जिसे भी उन्हें देखना होता है, और कई सारे कामों के साथ-साथ वह संगीत के लिए समय निकाल ही लेते हैं। लोकेश ने बताया कि वे मल्टीटास्कर्स हैं और हर चीज में थोड़ी-थोड़ी रुचि रखते हैं, जिससे वे अपना सारा काम खुद ही कर सकें। उन्होंने अपने गानों के लिरिक्स भी खुद ही लिखते हैं और गाते भी है। इंटरव्यू के दौरान लोकेश ने बताया कि संगीत को लेकर वे जाकिर हुसैन और रवि चोपड़ा से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि मैं जब दिल्ली आया था तब उनसे बहुत कुछ सीखा, उनसे मुलाकात भी की, लिरिक्स लिखना, कंपोस्ट करना, मैंने कई सारी चीजें उनसे सीखी हैं, जिसके कारण मैं उन्हें अपना सबसे बड़ा गुरु मानता हूँ।

स्त्री 2 की रिलीज डेट से उठा पर्दा, 15 होगी रिलीज

हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री के सीक्वल को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट को देखते हुए मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर यह फिल्म इस साल 15 अगस्त को रिलीज होगी। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें हिंदी में लाल रंग में स्त्री लिखा हुआ है। मेकर्स ने लिखा, इस स्वतंत्रता दिवस पर आ रही है स्त्री फिर से... स्त्री 2 इस स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में.. स्त्री 2 का टीजर आज ही सिनेमाघरों में मुंज्या के साथ देखें। स्त्री 2 की रिलीज डेट पहले 30 अगस्त रखी गई थी, लेकिन अब यह 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इसका सामना अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में और अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पाः द रूल से होगा। इसके अलावा जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।स्त्री 2 को अमर कौशिक ने डायरेक्ट किया है और मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो के बैनर तले दिनेश विजान ने इसे प्रोड्यूस किया है।

अब निहलानी बोले- आजकल बच्चे अपने निर्णय खुद लेते हैं, इसलिए खुश होना चाहिए

- सोनाक्षी और जहीर इकबाल 23 जून को बंधेंगे विवाह बंधन में

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा लगभग 7 सालों से जहीर इकबाल के साथ रिलेशनशिप में हैं। कपल 23 जून को शादी करने जा रहे हैं। एक्ट्रेस ने अपने करीबियों को शादी का निमंत्रण देना शुरू कर दिया है, हालांकि सोनाक्षी सिन्हा की शादी पर पिता शत्रुघ्न सिन्हा और भाई लव सिन्हा के बयान से लगता है कि वे जहीर इकबाल से उनकी शादी को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं। सोनाक्षी के मामा ने अब उनकी शादी पर कमेंट किया है। पहलाज निहलानी सिन्हा परिवार के करीबी हैं। वे 1977 से शत्रुघ्न सिन्हा के गहरे दोस्त हैं। इसलिए सोनाक्षी उन्हें अपना मामा मानती हैं। उन्होंने सोनाक्षी की शादी पर अपनी राय जाहिर की। फिल्ममेकर ने सोनाक्षी और जहीर को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि वे भी शादी में शामिल होंगे। वे बोले, मैं सोनाक्षी का मामा हूं, उन्हें और जहीर को मेरा आशीर्वाद। वे आखिरकार शादी कर रहे हैं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। पहलाज निहलानी से जब पूछा गया कि क्या वे जानते हैं कि सोनाक्षी और जहीर शादी करने जा रहे हैं, तो वे बोले, आजकल के बच्चे अपने निर्णय खुद लेते हैं, इसलिए परिवार को खुश होना चाहिए। जरूरी बात यह है कि कपल को शादीशुदा जिंदगी जीनी है। उन्हें एक-दूसरे के साथ रहना है। सिन्हा परिवार की एक और करीबी पूनम ढिल्लों ने बताया कि सोनाक्षी ने उन्हें शादी का खूबसूरत इनवाइट भेजा है। पूनम ढिल्लों ने कहा कि मैं सोनाक्षी को बधाई देती हूं। हमें बहुत प्यारा इनवाइट भेजा है। मैं उन्हें तब से जानती हूं, जब वह छोटी सी लड़की थी। मैंने उनकी पूरी जर्नी देखी है। भगवान से प्रार्थना है कि वे बहुत खुश रहें। वह बहुत प्यारी लड़की है, मैं उनके लिए खुशियों की कामना करती हू। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी का निमंत्रण ऑनलाइन लीक हो गाया था, जिसके कुछ घंटों बाद शत्रुघ्न सिन्हा ने अपनी बेटी की शादी पर बात की थी। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा था कि वह उनकी शादी की खबर की न तो पुष्टि कर रहे हैं और न ही इनकार कर रहे हैं। हालांकि, यदि ऐसा होता है, तो वह एक खुश पिता होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि चाहे वह किसी से भी शादी करें, परिवार उनके फैसले का सपोर्ट करेगा।

'चंदू चैंपियन' की कमाई में हुआ इजाफा, दो दिनों में कमाए 11.50 करोड़

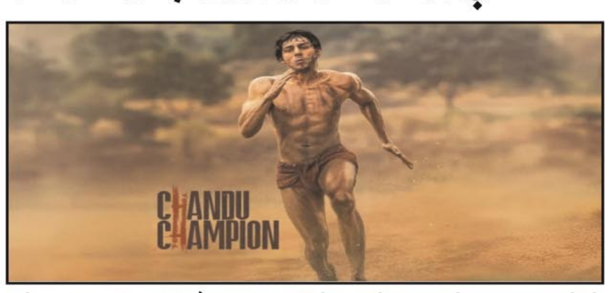

इस समय कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। दूसरी तरफ बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई धीमी है। चंदू चैंपियन पिछले साल कार्तिक आर्यन की फिल्मों का सबसे कम ओपनिंग डे कलेक्शन है। फिल्म शहजादा और सत्यप्रेम की कथा ने पहले दिन 6 करोड़ का कलेक्शन किया था, लेकिन फिल्म चंदू चैंपियन 5 करोड़ का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है। कबीर खान के निर्देशन में बनी चंदू चैंपियन 14 जून को रिलीज हुई थी। कार्तिक आर्यन की बहुप्रतीक्षित फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 4.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। चंदू चैंपियन ने दूसरे दिन 6.75 करोड़ की कमाई की। ऐसे में इस फिल्म ने दो दिन में 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने दो दिनों में कुल 11.50 करोड़ की कमाई कर ली है। वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो कार्तिक आर्यन स्टारर इस फिल्म ने पहले दिन 7.60 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। दूसरे दिन का कलेक्शन अभी सामने नहीं आया है, लेकिन पहले दिन के आंकड़ों पर नजर डालें तो फिल्म चंदू चैंपियन को भारत से बेहतर रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म चंदू चैंपियन की कहानी मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है। स्वर्ण पदक विजेता पेटकर ने 1970 के राष्ट्रमंडल खेलों और फिर 1972 में जर्मनी के पैरालिंपिक में देश का नाम रोशन किया। फिल्म में कार्तिक के अलावा विजय राज, भाग्यक्षी और राजपाल यादव भी अहम भूमिकाओं में हैं। कार्तिक आर्यन के काम की बात करें तो चंदू चैंपियन के अलावा उनकी फिल्म भूल भुलैया 3 भी फैंस की नजर में है। इस फिल्म में कार्तिक के साथ एक्ट्रेस विद्या बालन, तृप्ति डिमरी नजर आएंगी।

सलमान की मूवी सिकंदर से जुड़ा रहा अभिनेता टॉम क्रूज का कनेक्शन

सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म सिकंदर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। यह मूवी अगले साल ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब फिर मूवी से जुड़ा अपडेट सामने आया है। अब खबर आ रही है कि सलमान अपनी फिल्म के लिए हॉलीवुड अभिनेता टॉम क्रूज की मिशन इम्पॉसिबल टीम के साथ मिलकर काम कर सकते हैं। मिशन इम्पॉसिबल की टीम सिकंदर के लिए एक्शन सीन डिजाइन कर सकती है। इसके साथ ही सलमान के एक फैन क्लब का हवाला देकर बताया गया है कि मिशन इम्पॉसिबल सीरीज के मशहूर जंप सीन को अंजाम देने वाले एक्शन डायरेक्टर सिकंदर के लिए बड़ा एक्शन सीन डिजाइन कर सकते हैं। हालांकि, अभी इस लेकर सलमान और सिकंदर की टीम ने कोई बयान नहीं दिया है। इस मूवी में सलमान के साथ साउथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना भी नजर आने वाली हैं।

स्किन कैंसर से जूझ रहे प्रियंका के जेठ केविन जोनस

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा के जेठ सिंगर केविन जोनस कैंसर से जूझ रहे हैं। केविन ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए यह जानकारी दी है। इस खबर के बाद उनके फैंस उनके लिए काफी चिंतित हो रहे हैं और उनके अच्छे स्वास्थय की कामना कर रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा के जेठ केविन जोनस को स्किन कैंसर डायग्नोस हुआ है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहते दिख रहे हैं कि तो आज मैं अपने सिर से बेसल सेल कार्सिनोमा हटा रहा हूं, जो एक प्रकार का स्किन कैंसर है। केविन ने बताया कि यह कैंसर बैसिल कोशिकाओं से शुरू होता है, इसलिए इसे बैसिल सेल कार्सिनोमा कहते हैं। आगे सिंगर कहते हैं, हां, यह स्किन कैंसर था जो कि बढ़ रहा था। अब मुझे इसकी सर्जरी करवानी होगी। इसके बाद सिंगर अपनी सर्जरी को दिखाते है, लेकिन उन्होंने अपने निशान को एक इमोजी से छिपा लिया। आगे उन्होंने बताया है कि वो घर जा रहे है, जहां आराम करेंगे।

सूडोकु नवताल- 6825

★★★✫☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6824 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7572

र	क	ल	ड्री	च	र	स	धी	सी	ल	अ
च	शो	ल	दे	क्रां	ति	ड्र	इं	ता	ट	नु
ला	स	ले	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	अ	रो
मु	ज	ज	सु	चु	र	रा	प	र	ना	ध
रा	फ	दो	ग	ल्ता	प	ज	तू	गी	मि	र्नि
री	क	की	प	ह	न	के	ना	ता	का	ग
ही	अ	स	रा	या	प	अ	चु	ज	ला	ट्रे
रो	ता	दा	ई	ह	ब	भि	फ	प	श	न
ब	बा	छ	लि	या	मा	मा	ल	व	के	न
न	ला	म	लि	प	न	न	शा	स्त्री	ता	ने
ने	जी	व	अ	चा	न	क	शा	त	र	इ

शब्दजाल में 'असरानी'की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

अभिमान,अचानक,छलिया,चुपके-चुपके, चरस,फकीरा,शोले,अनुरोध,चला मुरारी हीरो बनने,अनामिका

शब्दजाल - 7571 का हल

आ	ल	र	ही	दा	उ	प	का	र	झ	आ
ज	द	ल	र	आ	क	ह	ब्ब	तें	शा	रा
अं	इ	मी	रां	ल	दा	ल	न	र	ला	म
जं	कु	अ	झा	बे	ला	क	सी	रि	श	औ
जी	ति	श	ने	व	द	स	ब	ग	वी	र
र	रं	गं	गा	की	सौ	गं	ध	ती	प	श्या
जो	गा	ध	र्मा	गा	प	म	र	कौ	या	म
श	बा	जीं	स	त	क	छ	श	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	म	रा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	बी	ना
थो	कु	र्बा	नी	र	हो	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्ट्योग-6525

7		5			6	
	35	3	27	1	28	
6		4		2		3
	26		40		34	
1	3		7	5		4
	27		41	4	29	5
4	3			6	1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्ट्योग 6524 का हल

6	1	4	7	2	5	3
5	35	3	27	1	28	7
7	4	5	2	3	6	1
3	31	2	37	7	34	6
1	3	6	7	5	2	4
2	27	1	41	4	29	5
4	3	7	5	6	1	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्विट्ज़रलैंड ने हंगरी को 3–1 से हराया, स्पेन की क्रोएशिया के खिलाफ दमदार शुरुआत, 3–0 से दी शिकस्त

बर्लिन ।

स्विट्जरलैंड ने जर्मनी के कोलोन में खेले गए यूरोपीय चैम्पियनशिप 2024 में अपने शुरूआती फुटबॉल मुकाबले में हंगरी को 3–1 से शिकस्त दी। वहीं, ग्रुप–बी के एक मुकाबले में स्पेन ने क्रोएशिया को हराकर यूरो कप 2024 की दमदार शुरुआत की है। इससे पहले मेजबान देश जर्मनी ने टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5–1 से हराया था। ऐसे में हंगरी पर जीत से स्विट्जरलैंड ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। हंगरी को सितंबर 2022 के बाद किसी प्रतिस्पर्धी मैच में पहली हार मिली। स्विट्जरलैंड ने क्वाड्वो दुआह के 12वें मिनट और माइकल एबीशर के 45वें मिनट में किए गए गोल से पहले हाफ में 2–0 से बढ़त बनाई। हंगरी के लिए एकमात्र गोल बर्नाबास वार्गा ने डोमिन जोबोस्लाई के क्रॉस पर हेडर से 66वें मिनट में दागा। हंगरी ने स्विट्जरलैंड पर दबाव बनाए रखा लेकिन दूसरा गोल नहीं कर सका। ब्रील एम्बोलो ने इंजुरी टाइम (90+3वें मिनट) में गोलकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। स्पेन ने क्रोएशिया को हराया वहीं, स्पेन ने क्रोएशिया को 3–0 से हरा दिया। स्पेन के लिए कप्तान अल्वारो मोराटा ने 29वें मिनट, फैबियन रूइज ने 32वें मिनट और कार्वाहाल ने 45+2वें मिनट में गोल दागे। दूसरे हाफ में कोई गोल नहीं हो सका। हालांकि, क्रोएशिया की टीम को पेनल्टी मिला था, लेकिन टीम उसमें गोल करने में नाकाम रही। ग्रुप–बी का दूसरा मुकाबला इटली और अल्बानिया के बीच खेला जाएगा। कार्वाहाल ने बनाया रिकॉर्ड दानी कार्वाहाल यूरो कप में 32 वर्ष और 156 दिन की उम्र में गोल दागा।

वह स्पेन के लिए इस टूर्नामेंट में गोल स्कोर करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उनके गोल को 16 साल 338 दिन की उम्र के लैमिन यमाहाल ने असिस्ट किया। यमाहाल प्रतियोगिता के इतिहास में असिस्ट करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। मेजबान जर्मनी ने स्कॉटलैंड को हरा किया जीत से आगाज फ्लोरियन विर्ट्ज और जमाल मुसियाला के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से जीत का मंच तैयार करने वाले मेजबान जर्मनी ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेले स्कॉटलैंड को 5–1 से करारी शिकस्त देकर यूरो फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में अपने अभियान का आगाज जीत से किया। विर्ट्ज ने 10वें मिनट में जर्मनी के लिए पहला गोल किया जबकि मुसियाला ने 19वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। काई हैवर्ट ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में पेनाल्टी को गोल में बदलकर मध्यांतर तक जर्मनी को 3–0 से आगे कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान इससे नीचे नहीं जा सकताः इमाद वसीम

लौडरहिल(अमेरिका)। टी 20 विश्व कप से ग्रुप चरण में बाहर हो जाने के बाद पाकिस्तान के आलराउंडर इमाद वसीम ने कहा कि यह टीम के लिए सबसे निराशाजनक बिंदु है क्योंकि टीम टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरी बार सुपर आठ में जगह नहीं बना पाई है। पाकिस्तान ने विश्व कप में अपना अभियान सह मेजबान अमेरिका के हाथों सुपर ओवर में हार के साथ शुरू किया और फिर उसे चिर- प्रतिद्वंद्वी भारत से छह रन से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि उन्होंने कनाडा को सात विकेट से हराया लेकिन तब तक बाबर एंड कंपनी के लिए काफी देर हो चुकी थी। अपने आखिरी ग्रुप मैच में पाकिस्तान फ्लोरिडा में आयरलैंड से भिड़ेगा। इमाद ने प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा,हां, यह सबसे निराशाजनक बिंदु है। आप इससे नीचे नहीं जा सकते। मैं जानता हूं कि हम टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं और यह सभी खिलाड़ियों के लिए मुश्किल समय है लेकिन आखिर में यह एक अंतर्राष्टीय मैच है, एक विश्व कप मैच है और हम इसे हल्के में नहीं ले सकते। आलराउंडर ने कहा, पाकिस्तान आयरलैंड के खिलाफ मैच को जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा हालांकि यह परिणाम के लिहाज से महत्वहीन मैच है। हम अपने देश के लिए खेलेंगे, अपने देश के गौरव के लिए खेलेंगे जो हमने पहले भी किया है लेकिन दुर्भाग्य से परिणाम पर हमारा नियंत्रण नहीं है। लेकिन हम इस मैच में पूरी ताकत के साथ उतरेंगे क्योंकि यह विश्व कप मैच है। इमाद ने पराजयों के लिए किसी खिलाड़ी को जिम्मेदार ठहराने से इंकार किया और कहा कि यह टीम की सामूहिक जिम्मेदारी है कि उसने मैच गंवाए। उन्होंने कहा,हमने दो मैच खुद ही गंवा दिए थे। यह किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि टीम की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए कोई बहाना नहीं है। यूएसए से हारना, खैर, हारना खेल का एक हिस्सा है, लेकिन हमें यूएसए से नहीं हारना चाहिए था।

सुपरआठ में अब रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा : युवराज

न्यूयॉर्क । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि अब सुपर 8 के मुकाबले रोमांचक होंगे और हर टीम के पास सेमीफाइनल के लिए प्रवेश का अवसर रहेगा। इस बार टी20 विश्कप में नई टीमों ने सभी को हैरान करते हुए शानदार क्रिकेट खेला है। यहां तक कि दिग्गज टीमों को भी जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा है। कुछ उलटफेर भी हुए हैं। इसी को लेकर युवराज ने कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में उलटफेर होते रहते हैं। इसलिए किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। विश्वकप में इस बार जहां सहमेजबान अमेरिका के अलावा अफगानिस्तान की टीम सुपर आठ में पहुंची है। वहीं न्यूजीलैंड और पाकिस्तान बाहर हो गयी है। सह–मेजबान अमेरिका ने एक मुकाबले में 2009 के चैंपियन पाकिस्तान को हराया जबकि अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड पर जीत हासिल की। युवराज ने कहा, विश्व कप में उलटफेर होते हैं। हमने अब तक कुछ उलटफेर देखे हैं, इसलिए किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता। साथ ही कहा कि अमेरिकी पिच पर हुई परेशानी को लेकर युवराज ने कहा, मुझे नहीं लगता कि आपको हालातों के लिए बहुत अधिक अनुभव की आवश्यकता है। यदि आप जल्दी पहुंचते हैं और मौसम के अनुकूल ढल जाते हैं, तो खिलाड़ियों के पास आवश्यक अनुभव होता है। इस बीच पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डेनियल क्रिश्चियन ने भी कहा कि कई टीमों के लिए यहां धीमी शुरुआत रही है।

पेरुगिया चैलेंजर के फाइनल में पहुंचे टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल, तीसरे खिताब पर होगी नजर

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने स्पेन के पूर्व विश्व नंबर 37 बर्नबे जापाटा मिरालेस पर 7–6 (7–2) 1–6 6–2 से जीत हासिल करके पेरुगिया चैलेंजर के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनकी नजर इस साल अपने तीसरे खिताब पर होगी। इटली के लुसियानो डार्डेरी और जर्मनी के डेनियल अल्टमायर के बीच होने वाले मैच में जीतने वाला खिलाड़ी फाइनल में पहुंचेगा और उसका सामना सुमित नागल से होगा। 26 वर्षीय नागल जो अब विश्व रैंकिंग में अपने करियर के सर्वोच्च 77वें स्थान पर हैं, उन्हें पहले सेट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने टाई–ब्रेकर में स्पेनिश खिलाड़ी को मात दी। मिरालेस ने दूसरे सेट में दबदबा बनाते हुए 6–1 से जीत दर्ज की और अपने पहले सर्व के 77 प्रतिशत अंक भी हासिल किए। लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने निर्णायक सेट में जोरदार वापसी की और तीन एक्सचेंजों में स्पेनिश खिलाड़ी पर अपनी पहली जीत दर्ज की। लगातार टेनिस खेलते हुए नागल ने जर्मनी में हीलब्रॉन चैलेंजर की शुरुआत के बाद से लगातार नौवीं जीत हासिल की, जिसे उन्होंने इस महीने की शुरुआत में जीता था। इस तरह नागल लगातार चैलेंजर खिताब की दौड़ में बने हुए हैं, जिससे उन्हें शीर्ष–50 में जगह बनाने का मौका मिला।

टिम डेविड ने सिक्स लगाकर मैच जिताया : हेड को मिला जीवनदान, मैकमुलेन ने 98 मीटर का छक्का लगाया

न्यूयॉर्क ।

ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के 35वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हरा दिया। सेंट लूसिया के डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पहले बैटिंग करते हुए स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया को 181 रन का टारगेट दिया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 19.4 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया के बैटर टिम डेविड ने आखिरी ओवर में सिक्स लगाकर मैच जिता दिया। वहीं, ट्रैविस हेड को जीवनदान मिला। उन्होंने फिर अर्धशतक लगाया। जबकि. स्कॉटलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

मैकमुलेन ने 98 मीटर का सिक्स लगाया

स्कॉटलैंड के बल्लेबाज ब्रैंडन मैकमुलेन ने 98 मीटर का सिक्स लगाया। ऑस्ट्रेलिया के लिए आठवां ओवर एश्टन एगर लेकर आए। ओवर की पहली बॉल पर मैकमुलेन कोई रन नहीं बना सके। दूसरी बॉल पर मैकमुलेन ने घुटने के बल बैठकर मिडविकेट की ओर स्लॉग स्वीप लगाया और बॉल मैदान से बाहर चली गई। यह सिक्स 98 मीटर का था।

हेड को मिला जीवनदान

ऑस्ट्रेलिया के ओपनर ट्रैविस हेड को जीवनदान मिला, जो कि स्कॉटिश टीम को बहुत भारी पड़ा। पांचवें ओवर की तीसरी बॉल पर क्रिस्टोफर सोल ने हेड को स्लोअर बॉल फेंकी। इसे हेड नहीं समझ सके और मिड ऑन पर बड़ा शॉट लगाने की कोशिश की। मौके पर फील्डिंग कर रहे माइकल जोन्स के हाथों में बॉल आकर छिटक गई।

हेड ने लगातार तीन सिक्स लगाए और फिर आउट हुए

जीवनदान मिलने के बाद ट्रैविस हेड ने अर्धशतकीय पारी खेली। अपनी फिफ्टी पूरी करने के बाद हेड अटैकिंग मोड में आ गए। स्कॉटलैंड के लिए 16वां ओवर सफयान शरीफ लेकर आए। ओवर की पहली तीन बॉल पर हेड ने लगातार तीन सिक्स लगाए। पहला सिक्स फ्लिक कर स्क्वायर की ओर लगाया।

दूसरा सिक्स वाइड–यॉर्कर पर आया, हेड ने इसे लॉन्ग ऑन पर पहुंचा दिया। वहीं, तीसरा सिक्स एक्स्ट्रा कवर में लगा। हेड लगातार सिक्स लगाने के मूड में थे। वे तीन छक्के लगा चुके थे। हालांकि, तीसरी बॉल पर उन्होंने लॉन्ग ऑन पर फिर सिक्स लगाने की कोशिश की, लेकिन कैचआउट हो गए।

मार्क वॉट ने मैक्सवेल- स्टोयनिस को बोल्ड किया

स्कॉटलैंड के स्पिनर मार्क वॉट ने दो विकेट लिए। उन्होंने दोनों विकेट बैटर को बोल्ड कर लिए। 9वें ओवर की दूसरी बॉल पर वॉट ने मैक्सवेल को बोल्ड कर दिया। अंदर आती बॉल पर मैक्सवेल ने शॉट खेलना चाहा, लेकिन बॉल आखिर में स्पिन हुई और सीधे ऑफ स्टंप पर जा लगी।

दूसरा विकेट 17वें ओवर में आया। इस बॉल पर स्टोयनिस रिवर्स स्वीप खेलने में बूरी तरह चूके और बोल्ड हो गए।

टिम डेविड ने सिक्स लगाकर मैच जिताया

ऑस्ट्रेलिया के बैटर टिम डेविड मैच के हीरों में शामिल रहे। शुरुआती विकेट गिरने के बाद ट्रैविस हेड और मार्कस स्टोयनिस ने गेम संभाला और मैच को आगे लेकर गए। हालांकि, डेथ ओवर में दोनों ने अपना विकेट खो दिया और स्कॉटलैंड मजबूत स्थिती में आने लगा।

इसके बाद टिम डेविड आए और ऑस्ट्रेलिया की जीत पक्की कर दी। डेविड ने 14 बॉल में 24 रन की पारी खेली। उन्होंने आखिरी ओवर में सिक्स लगाकर मैच ऑस्ट्रेलिया को जिता दिया।

स्कॉटलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ा स्कोर बनाया

स्कॉटलैंड ने टी–20 वर्ल्ड कप में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आया। इससे पहले 2022 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट के मैदान पर टीम ने आयरलैंड के खिलाफ सबसे बड़ा टोटल बनाया था।

ऑस्ट्रेलिया की टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार 7वीं जीत

ओवरऑल टी–20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया ने लगातार 7वीं जीत हासिल की। इसमें से 3 जीत पिछले वर्ल्ड कप में आई, वहीं, टीम ने 4 मुकाबले इस टूर्नामेंट में अब तक जीत लिए हैं। इससे पहले इंग्लैंड और भारत 7–7 मुकाबले लगातार जीत चुका है।

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरा सबसे बड़ा चेज किया

ऑस्ट्रेलिया ने टी–20 वर्ल्ड कप में अपना दूसरा सबसे बड़ा चेज किया। टीम ने सबसे बड़ा चेज साल 2010 में सेंट लुसिया के मैदान पर ही किया था। ग्रोस आइलेट के मैदान पर टीम ने 192 रन के सफल चेज को अंजाम दिया था।

52 वर्षीय धावक ने 12 दिन में 1000 किमी दौड़कर हासिल की उपलब्धि भीषण गर्मी में पिघल गए थे जूते

नई दिल्ली ।

आप चाहे प्रथम आएं या अंतिम। इससे फर्क नहीं पड़ता है। आपने कुछ ऐसा किया जो सबसे अलग है। नताली डाउ की यात्रा आसान नहीं थी। पहले दिन ही उन्हें कूल्हे की चोट से जूझना पड़ा। मैराथन दौड़ की अनुभवी 52 वर्षीय नताली डाउ ने 12 दिनों में एक हजार किलोमीटर दौड़कर बड़ी उपलब्धि हासिल की। इस दौरान उन्होंने थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर को कवर किया। भीषण गर्मी और कूल्हे में चोट लगने के बावजूद उन्होंने अपनी दोड़ बरकरार रखी। उनकी दौड़ पांच जून को सिंगापुर में समाप्त हुई। थाइलैंड सिंगापुर अल्ट्रामैराथन 1000 किमी को तेजी से पूरा करने के लिए नताली डाउ को सिंगापुर का अवॉर्ड मिला। अब उन्हें मलेशिया प्रायद्वीप को तेजी से पैदल पार करने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से सर्टिफिकेट मिलने का इंतजार है। मीडिया से बात करते हुए नताली डाउ ने कहा, आज मैंने पहली बार यह सवाल किया कि क्या मैं इसे सच में पूरा कर पाऊंगी। मुझे खेल में चुनौती स्वीकार करना पसंद है। निराशाएं पसंद नहीं है, जो अक्सर आती रहती हैं। नताली की इस दौड़ से वैश्विक चैरिटी जीआरएलएस के लिए 50,000 डॉलर से अधिक धनराशि एकत्रित हुई। यह चैरिटी खेलों के माध्यम से लड़कियों और महिलाओं को सहायता प्रदान करती है।

भीषण गर्मी के कारण पिघल गए जूते

नताली ने आगे कहा, आप चाहे प्रथम आएं या अंतिम। इससे फर्क नहीं पड़ता है। आपने कुछ ऐसा किया जो सबसे अलग है। नताली डाउ की यात्रा आसान नहीं थी। 35 डिग्री सेल्सियस तापमान में दौड़ने के कारण उनके जूते पिघल गए। पहले दिन ही उन्हें कूल्हे की चोट से जूझना पड़ा। हालांकि, उन्होंने इन चुनौतियों का सामना किया और आगे बढ़ते रही। नताली ने दौड़ के दौरान अपने समर्थकों को रात में वॉयस मैसेज के अपडेट देती थी। उनकी इस सफलता में टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें उम्मीद है कि उनकी यह उपलब्धि महिलाओं और बुजुर्गों को प्रेरित करेगी। उन्होंने बताया कि इस दौड़ में उन्हें शारीरिक थकान बहुत ज्यादा महसूस हुई। रात में जागना उनके लिए बहुत डरावना पल था। थकान और पैर में छाले होने के बावजूद उन्होंने अपना दौड़ जारी रखा और इस मुकाम पर पहुंचीं।

टी20 क्रिकेट में हालातों पर नियंत्रण करना आना चाहिये : ब्रेट ली

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारूप में तेजी से रन बन रहे हैं। ऐसे में बल्लेबाजों को रोकने के लिए गेंदबाजों को चीजें पर नियंत्रण करना आना चाहिये। इसके लिए

ज्यादा से ज्यादा यॉर्कर गेंदें फेंकनी चाहिये। साथ ही कहा कि इसी प्रकार से बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया जा सकता है। ली ने एक कार्यक्रम में कहा कि खेल पर आजकल बल्लेबाज हावी हो रहे हैं पर उनका मानना है कि संतुलन लाने के लिए मुकाबले में गेंदबाजों के लिए कुछ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों को अपने ऊपर अधिक गर्व न करते हुए ये मान लेना चाहिये कि विकेट लेने के क्रम में उनपर चौके और छक्के भी लग सकते हैं। साथ ही कहा कि यही टी20 क्रिकेट है। इसमें आपको चीजें पर नियंत्रण करना आना चाहिये। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी अब पहले से बेहतर हो गयी है। इसलिए मैं चाहता हूं कि तेज गेंदबाज अधिक यॉर्कर गेंद का इस्तेमाल करें। आखिरी ओवरों में यॉर्कर का प्रभावी इस्तेमाल होना चाहिए। अगर आप आईपीएल को भी देखे तो यॉर्कर पर आम तौर पर एक ही रन बनता है। उन्होंने यॉर्कर के

प्रभावी इस्तेमाल के लिए जसप्रीत बुमराह का जिक्र करते हुए कहा कि मैं बुमराह के अलावा आज के दौर में किसी अन्य गेंदबाजों को अधिक यॉर्कर डालते नहीं देखता हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में मिलाकर 700 से ज्यादा विकेट लेने वाले ली ने कहा कि उन्हें टी20 मैच में चौके और छक्के देखना पसंद है पर यहां गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होनी चाहिए।

साथ ही कहा कि मैं घास वाली पिच की मांग नहीं कर रहा, जहां टीम 110 रन पर आउट हो जाए लेकिन 185 से 200 रन के आसपास का स्कोर अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि हम अब 260 और 270 रन से ज्यादा रन बनते देख रहे हैं। ऐसे में ज्यादातर गेंदबाज 4 ओवर में 40 से 50 से ज्यादा रन दे रहे हैं। अच्छी प्रतिस्पर्धा के लिए गेंदबाजों के लिए मदद होना चाहिए।

भारत या ऑस्ट्रेलिया नहीं, इन परिस्थितियों में ये अंडरडॉग टीम बन सकती है वर्ल्ड कप चैंपियन, दिग्गज क्रिकेटर का बड़ा दावा

नई दिल्ली ।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के पहले दौर के मुकाबले खत्म होने वाले हैं और सुपर–8 राउंड का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में 2 जून से टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत हुई। अब तक कई रोमांचक मैच देखने को मिले और कई धुरंधर टीमें पहले ही राउंड में बाहर हो गईं। इसको देखते हुए यह पता लगा पाना मुश्किल हो रहा है कि मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप का चैंपियन कौन बनेगा भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने फैंस को हैरान करते हुए एक अंडरडॉग टीम पर खिताब जीतने का दांव लगा दिया है। कैफ ने भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीमों को नजरअंदाज करके क्रिकेट जगत को झटका दे डाला। कैफ ने इस टीम पर लगाया दांव कैफ ने कहा कि अमेरिका और वेस्टइंडीज की परिस्थितियों को देखते हुए अफगानिस्तान आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 खिताब जीतने का सबसे तगड़ा दावेदार है। उन्होंने ध्यान दिलाया कि राशिद खान एंड कंपनी की अगर बल्लेबाजी चल गई तो वो किसी भी टीम को मात दे सकते हैं। बता दें कि ग्रुप सी में अफगानिस्तान ने अपने शुरुआती तीनों मुकाबले

जीतकर सुपर–8 में जगह पक्की कर ली। कैफ का बयान मोहम्मद कैफ ने बातचीत में कहा, अफगानिस्तान शानदार फॉर्म में हैं। उनकी गेंदबाजी फॉर्म में हैं, जिसमें फजलहक फारूकी तो एक बार पांच विकेट चटका चुके हैं। राशिद खान फॉर्म में हैं। अगर हम दो ओपनर्स की बात करें तो रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान। दोनों शानदार फॉर्म में हैं। इन परिस्थितियों में अफगानिस्तान खिताब का प्रबल दावेदार हैं। अफगानिस्तान को मिला फायदा भारतीय टीम के पूर्व बैटर ने ध्यान दिलाया कि अफगानिस्तान ने अपने सभी ग्रुप मैच वेस्टइंडीज में खेले, जिसका उन्हें फायदा मिला। कैफ ने कहा, अफगानिस्तान ने अपने सभी मैच वेस्टइंडीज में खेले। वह अमेरिका गए ही नहीं। दो या तीन सप्ताह बाद उन्हें पता है कि पिच कैसा बर्ताव कर रही है। उनके खिलाड़ी फॉर्म में हैं और जानते हैं कि परिस्थितियां किस तरह की हैं।

गिल और आवेश को रिलीज करने पर राठौर ने कहा,टीम के चयन पर ही यह फैसला हो गया था

लौडरहिल (अमेरिका)।

भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने पुष्टि की है कि यात्रा रिजर्व खिलाड़ी शुभमन गिल और आवेश खान को टी 20 विश्व के ग्रुप चरण की समाप्ति के बाद रिलीज करने का फैसला उसी समय हो गया था जब टीम का चयन हुआ था।

यह खबर थी कि गिल और आवेश कनाडा के खिलाफ आखिरी ग्रुप चरण मैच के बाद स्वदेश लौटेंगे जबकि रिंकू सिंह और खलील अहमद शेष टूर्नामेंट के लिए टीम के साथ रहेंगे।

गिल और आवेश चार सदस्यीय यात्रा रिजर्व में रिंकू और खलील के साथ थे, वे आखिरी ग्रुप ए मैच के लिए भारतीय टीम के साथ फ्लोरिडा गए थे।

भारत का कनाडा के साथ मैच बारिश के कारण मैदान गीला होने से बिना कोई गेंद फेंके रद्द हो जाने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में राठौर ने कहा, शुरुआत से ही यही योजना थी। जब हम अमेरिका आये थे तो चार खिलाड़ी भी टीम के साथ आये थे, मैच के बाद दो खिलाड़ी रिलीज कर दिए गए जबकि दो हमारे साथ वेस्ट इंडीज जाएंगे। टीम चुने जाने के

समय से ही यह योजना बना ली गयी थी और हम उसी का पालन कर रहे हैं।

कनाडा के खिलाफ बारिश से मैच रद्द हो जाने से मौजूदा टी20 विश्व कप में भारत का तीन मैचों से अजेय क्रम रुकने के बावजूद भारत सात अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा। मैन इन ब्लू अब अपने सुपर आठ मैच खेलने के लिए वेस्टइंडीज जाएंगे। फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में गीली आउटफील्ड के कारण मैच को रद्द करना पड़ा, जिससे उन्हें न्यूयॉर्क की मुश्किल पिच के बाहर अपने कौशल का प्रदर्शन करने का मौका मिल सकता था।

गीले आउटफील्ड के कारण वॉशआउट के बाद राठौड़ बारबाडोस में अभ्यास के दिनों का इंतजार कर रहे हैं, जहां मैन इन ब्लू अपने सुपर आठ मैच में अफगानिस्तान से भिड़ेंगे।

फिर से, यह आदर्श नहीं है। यह बहुत अच्छा होता यदि हमें आज एक मैच मिल जाता। लेकिन अब स्थिति यही है। इसलिए, हम बारबाडोस में कुछ अच्छे अभ्यास दिनों की प्रतीक्षा कर रहे हैं और फिर मैच में उतरेंगे। इसलिए फिर, अब मैच एक दिन बाद एक साथ होंगे।

राठौड़ ने कहा, तो, एक टीम के रूप में मुझे लगता है कि हम तैयार हैं। हम इस तरह के शेड्यूल के आदी हैं, हमने पहले भी ऐसा किया है और मुझे यकीन है कि इस बार भी हम बहुत अच्छा करेंगे। बेशक, मुझे लगता है कि यह प्रशंसकों के लिए निराशाजनक है, हां, लेकिन एक टीम के लिए भी हम वास्तव में एक मैच खेलने के लिए उत्सुक थे और हमें न्यूयॉर्क में जो मिला उससे बेहतर परिस्थितियों, बल्लेबाजी की स्थिति की उम्मीद थी। इसलिए एक टीम के रूप में मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण था हमें एक मैच मिलना चाहिए था लेकिन फिर से कुछ ऐसा है जिसे हम नियंत्रित नहीं कर सकते, इसलिए, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम यहां एक मैच नहीं जीत सके। टूर्नामेंट में विराट कोहली के निराशाजनक फॉर्म के बारे में पूछे जाने पर, राठौड़ ने स्टार बल्लेबाज का समर्थन किया और कहा कि यह एक सकारात्मक संकेत है कि वह रनों के लिए भूखे हैं। मुझे अच्छा लगता है मैं जब भी आता हूं तो विराट कोहली के बारे में सवाल होता है कि वह अच्छा कर रहे हैं या नहीं। बिल्कुल भी चिंता नहीं, कोई चिंता नहीं। वह जिस टूर्नामेंट से आए हैं, वहां से शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। यहां जल्दी आउट होने से कुछ नहीं बदलता, वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वास्तव में, यह अच्छा है कि वह थोड़ा भूखा है, वह अच्छा करने के लिए उत्सुक है और वास्तव में बदल गया है। मुझे लगता है कि एक बल्लेबाज के रूप में यह एक अच्छी जगह है। कुछ अच्छे मैचों की प्रतीक्षा कर रहा हूं और उनसे कुछ अच्छी पारियों की उम्मीद कर रहा हूं। सुपर आठ चरण के लिए टीम की तैयारियों के बारे में बात करते हुए राठौड़ ने कहा कि उनके पास किसी भी स्थिति से निपटने के लिए खिलाड़ी हैं। फिर से, हमें एक लचीली टीम बनने की जरूरत है। हमें उन परिस्थितियों को देखने की जरूरत है जो हमारे सामने हैं और उनसे निपटने के लिए तैयार रहना होगा। इसलिए एक टीम के रूप में, मुझे लगता है कि हम वास्तव में लचीले होने जा रहे हैं। राठौड़ ने कहा, हमें उस दिन जैसी प्रतिक्रिया मिलेगी, हम उसी तरह प्रतिक्रिया देंगे। हमारी टीम में किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। बल्लेबाजी कोच ने कहा कि वे मैदान पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रत्येक विभाग में सर्वोत्तम संसाधनों से लैस हैं। यह अच्छा है। आपको सभी प्रकार के विकेटों पर खेलने में सक्षम होना चाहिए। हमारे पास सभी प्रकार की परिस्थितियों में खेलने और अच्छा प्रदर्शन करने का कौशल है। इसलिए, हमें कठिन विकेट मिले हैं। उम्मीद है कि हमें टूर्नामेंट में अच्छे विकेट मिलेंगे और अगर हमें टर्निंग विकेट मिलते हैं या हमें कम स्कोर वाले मैच मिलते हैं, तो हमारी टीम उससे निपटने के लिए तैयार हैं। राठौड़ ने निष्कर्ष निकाला, मुझे लगता है कि इस समय टीम में हमारा संतुलन बहुत अच्छा है।

दिल को सेहतमंद रखती है रेड वाइन

आज की भागती-दौड़ती तेज रफ्तार जिंदगी का असर हमारे दिल पर भी पड़ता है। तभी तो दिल के मरीजों की तादाद में लगातार इजाफा होता जा रहा है। इसके पीछे हमारी बिगड़ी हुई दिनचर्या और खान-पान संबंधी खराब आदतें ही जिम्मेदार हैं। दिल को तंदुरुस्त रखने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम, खाने पीने की अपनी आदतों पर लगाम और भी न जाने क्या क्या। लेकिन, इन सब आदतों के साथ ही अगर हम एक और चीज करने लग जाएं तो दिल की सेहत सुधारी जा सकती है और वो है रेड वाइन।

दिल के लिए फायदेमंद रेडवाइन

रेड वाइन अंगूर का बना होता है और इसमें एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) पाया जाता है, जो मृत्यु दर और तनाव को कम करने का एक तरह का प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल होता है। कई हृदय रोग तभी होते हैं जब हृदय तक जाने वाली धमनियों को वसा और बुरा कोलेस्ट्रॉल मिल कर उसके रक्त प्रवाह को ब्लॉक कर देते हैं। लेकिन रेड वाइन जो प्राकृतिक रूप से बनाया जाता है वह आपके दिल की इस रोग से रक्षा करता है। यह रक्त वाहिकाओं को साफ करने और शरीर में वसा जमने की वजह से होने वाले नुकसान को रोकने में लाभदायक होता है। रेड वाइन में मौजूद तत्त्व रक्त के थक्के रोकने में काफी मदद करते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि बीयर, स्पीरिट और शराब तीनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, लेकिन दूसरे के मुकाबले शराब भारी लाभ पहुंचाती है।

व्यायाम के बराबर है रेडवाइन

लाल अंगूर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल शरीर की मांसपेशियों और दिल के लिए उसी तरह फायदेमंद होता है, जैसे एक घंटे का शारीरिक व्यायाम। रेसवेरेट्रॉल की अधिक मात्रा शारीरिक प्रदर्शन, हृदय की कार्य प्रणाली और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में काफी हद तक सुधार ला सकती है। ये उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो व्यायाम करना चाहते है पर शारीरिक कमजोरी या असमर्थता के कारण ऐसा नहीं कर पाते। रेसवेरेट्रॉल ऐसे व्यक्तियों को व्यायाम के फायदे बिना व्यायाम किए दिला सकता है। किसी भी चीज की अति बेशक शरीर को नुकसान ही पहुंचाती है। ज्यादा शराब की लत कैंसर जैसी घातक बीमारियों को न्योता देती है। दिन में एक छोटा ग्लास ठीक माना जाता है पर उससे ज्यादा पीना आपके लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं होगा।

प्रार्थना से भी दूर होता है तनाव

तनाव से निपटने के लिए आप क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टररी सलाह तक। लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ-साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना। आपने कभी तनाव करने के लिए प्रार्थना का सहारा लिया है। जी, प्रार्थना से न सिर्फ तनाव का स्तर कम होता है, बल्कि यह कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होती है। एक नए शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ-साथ शरीर को भी स्वस्था रखती है। साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका भी कम होती है।

जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रुप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्क ऊर्जा बढ़ती है। और प्रार्थन करने वाला व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महससू करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवनशैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा व प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे। विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाए रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग जो हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना ही कर रहे होते हैं।

नोएटिक थैरेपी क्या है?

नोएटिक (मंत्रों, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह, जो सिर्फ दवाई लेते हैं, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों में एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

प्रार्थना के अन्य लाभ

- प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।
- प्रतिदिन प्रार्थना करने से व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है, जिससे एकाग्रता आती है।

9 बीमारियों का एक साथ इलाज करता है सेब

आपने बचपन से ही बड़ों को ये कहते सुना होगा कि रोज एक सेब खाने से सेहत ठीक रहती है और बीमारियां दूर होती है लेकिन क्या आप इस बात पर यकीन करते हैं कि सच में रोजाना एक सेब खाने के हमारे शरीर को फायदे होते हैं। जी हां यह सच है। रोज एक सेब खाने से बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। क्योंकि यह केवल एक फल ही नहीं बल्कि औषधि भी है इसलिए इसे जादुई फल भी कहा जाता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट और बीमारियों से लड़ने वाले तत्व पाए जाते हैं। सेब में कुछ ऐसे भी तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर में नई कोशिकाओं को बनाते है। इसमें पेक्टिन जैसे फायदेमंद फाइबर्स पाए जाते हैं, जिससे कैंसर, हाइपरटेंशन, मधुमेह और दिल से जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है।

जानिए सेब खाने के ऐसे फायदे हैं जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता होगा।

रोज एक सेब खाने से दांतों से पीलापन दूर होता है। मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव को दूर करने के लिए भी सेब बहुत मददगार है। सेब में भरपूर मात्रा में डाइट्री फाइबर्स पाए जाते हैं, जो पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करते है। सेब में कई ऐसे तत्व पाए जाते है, जो कैंसर के खतरा को भी कम करते है। डायबिटीज के मरीजों को भी नियमित रुप से सेब का सेवन करना चाहिए। सेब का सेवन करना दिल के लिए बहुत अच्छा होता है। कब्ज की समस्या को दूर करने में भी सेब काफी फायदेमंद है। अगर आप वजन को नियंत्रित करना चाहते है, तो सेब खाना एक बेहतर विकल्प है। शरीर के भीतर मौजूद कई विषाक्त पदार्थ बाहर निकलने में भी सेब का नियमित इस्तेमाल फायदेमंद है।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

बीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराए।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

फार्मा सेक्टर में बेहतर मौके...

फार्मेसी एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें मंदी के दौरान भी नौकरी की कोई कमी नहीं होती। करियर के लिहाज से देखें, तो यह एक शानदार सेक्टर है। मौजूदा समय में भारत क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग के क्षेत्र में भी ग्लोबल हब बन कर उभर रहा है। ऐसे में अगर आप चिकित्सा और सेहत के क्षेत्र में दिलचस्पी रखते हैं तो फार्मेसी में करियर बना कर अपने भविष्य को संवारने का बेहतर मौका मिल सकता है। साइंस विषय के साथ बारहवीं परीक्षा पास करने के बाद दो साल के डी फार्मा कोर्स या चार साल के बी फार्मा कोर्स कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित कई संस्थान, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अंडरग्रेजुएट कोर्स करवाने के अलावा एम फार्मा कोर्स भी करवाते हैं। पहले भारत में फार्मास्युटिकल की पढ़ाई गिने-चुने संस्थानों में ही होती थी, लेकिन तेजी से बढ़ते बाजार और ट्रेंड लोगों की मांग को पूरा करने के लिए अब कई संस्थानों में ऐसे कोर्सेस की शुरुआत हो गई है। छात्र अब बारहवीं के बाद सीधे डिप्लोमा कर सकते हैं। कुछ कॉलेजों में फार्मेसी में फुलटाइम कोर्स संचालित हैं।

स्पेशलाइजेशन के लिए

फार्मा रिसर्च में स्पेशलाइजेशन के लिए एनआईपीईआर यानी नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फार्मा एजुकेशन एंड रिसर्च जैसे संस्थानों में प्रवेश ले सकते हैं। इसके साथ-साथ पीजी डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल एवं हेल्थ केयर मार्केटिंग, डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग, एडवांस डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग एवं पीजी डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग जैसे कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठयक्रमों की अवधि छह माह से एक वर्ष के बीच है। इन पाठयक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम योग्यता बीएससी, बीफार्मा अथवा डीफार्मा निर्धारित की गई है।

व्यक्तिगत योग्यता

यदि आप फार्मेसी की दुनिया में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो आपकी साइंस और खासकर लाइफ साइंस तथा दवाइयों के प्रति दिलचस्पी होनी चाहिए। इससे जुड़े रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपकी दिमागी विश्लेषण क्षमता बेहतर हो और आपकी शैक्षणिक बुनियाद भी अच्छी होनी चाहिए। यदि आप इससे जुड़े मार्केटिंग क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी कम्युनिकेशन स्किल जरूर बेहतर होनी चाहिए। डीफॉर्मा और बीफॉर्मा कोर्स में दवा के क्षेत्र से जुड़ी उन सभी बातों की थ्योरेटिकल और प्रायोगिक जानकारी दी जाती है जिनका प्रयोग आमतौर पर इस उद्योग के लिए जरूरी होता है। इसके साथ फार्माकोलॉजी, इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री, हॉस्पिटल एंड क्लीनिकल फार्मेसी, फॉर्मास्यूटिकल, हेल्थ एजुकेशन, बायोटेक्नोलॉजी आदि विषयों की जानकारी दी जाती है।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट

भारत आज फार्मास्युटिकल्स के क्षेत्र में काफी तेजी के आगे बढ़ रहा है। वैसे, इस क्षेत्र का दायरा भी काफी व्यापक है। यहां नई-नई दवाइयों की खोज व विकास संबंधी कार्य किया जा सकता है। आरएंडडी क्षेत्र को जेनेरिक उत्पादों के विकास, एनालिटिकल आरएंडडी, एपीआई यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इन्ग्रेडिएंट्स या बल्क ड्रग आरएंडडी जैसी श्रेणियों में बांटा जा सकता हैं। इन सबका अपना सुपर-स्पेशलाइजेशन है।

कुछ प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फॉर्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पंजाब
- आचार्या एंड बीएम रेड्डी कॉलेज ऑफ फार्मासी, बंगलुरु
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, दिल्ली विश्वविद्यालय
- गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा
- बांबे कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, मुंबई
- गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज, केरल
- बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पिलानी
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, बेंगलुरु
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़

ड्रग मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर

यह इस इंडस्ट्री की एक बेहद अहम शाखा है, जो स्टूडेंट्स को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराती है। आप चाहें, तो इस क्षेत्र में मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट, फार्मेकोलॉजिस्ट, टॉक्सिकोलॉजिस्ट या मेडिकल इंवेस्टिगेटर बनकर अपना भविष्य संवार सकते हैं। मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट जीन संरचना के अध्ययन और मेडिकल व ड्रग रिसर्च संबंधी मामलों में प्रोटीन के इस्तेमाल का अध्ययन करता है, जबकि फार्मेकोलॉजिस्ट का काम इंसान के अंगों व ऊतकों पर दवाइयों व अन्य पर्दाथों के प्रभाव का अध्ययन करना होता है। इसी तरह टॉक्सिकोलॉजिस्ट दवाओं के घातक प्रभाव को मापने के लिए अलग-अलग परीक्षण करता है।

मेडिकल इंवेस्टिगेटर

नई दवाइयों के विकास व टेस्टिंग की प्रक्रिया से जुड़ा होता है। मानव जैविकी और दवाइयों संबंधी अपने बैकग्राउंड के कारण वे इसकी रिसर्च प्रक्रिया के लिहाज से बेहद अहम होते हैं। हॉस्पिटल पर दवाइयों और चिकित्सा संबंधी अन्य सहायक सामग्रियों के भंडारण, स्टॉकिंग और वितरण का जिम्मा होता है, जबकि रिटेल सेक्टर में फार्मासिस्ट को एक बिजनेस मैनेजर की तरह काम करते हुए दवा संबंधी कारोबार चलाने में समर्थ होना चाहिए।

क्लिनिकल रिसर्च

जब कोई नई दवा लॉन्च करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लिनिकल ट्रॉयल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लिनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय जगत की दिलचस्पी काफी बढ़ी है। आज देश में कई विदेशी कंपनियां क्लिनिकल रिसर्च के लिए आ रही हैं। दवाइयों की स्क्रीनिंग संबंधी काम में नई दवाओं या फॉर्मुलेशन का पशु मॉडलों पर परीक्षण करना या क्लिनिकल रिसर्च करना शामिल है जो इंसानी परीक्षण के लिए जरूरी है।

क्वालिटी कंट्रोल

फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री का यह एक अहम कार्य है। नई दवाओं के संबंध में अनुसंधान व विकास के अलावा यह सुनिश्चित करने की भी जरूरत होती है कि इन दवाइयों के जो नतीजे बताए जा रहे हैं, वे सुरक्षित, स्थायी और आशा के अनुरूप हैं।

रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट

जिस तरह डॉक्टरों को प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह इन्हें भी फार्मेसी में प्रैक्टिस करने के लिए लाइसेंस चाहिए। उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए एक टेस्ट पास करना होता है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस विषय में ट्रेनिंग के लिए 'फार्मा डी' नामक एक छह साल का कोर्स शुरू किया है।

ब्रांडिंग एंड सेल्स

फार्मेसी की पृष्ठभूमि से जुड़ा कोई प्रोफेशनल, एमबीए डिग्रीधारी और यहां तक कि साइंस की डिग्री प्राप्त करने वाला शख्स भी सेल्स एंड मार्केटिंग में करियर बना सकता है। फार्मास्युटिकल सेक्टर में मार्केटिंग की काफी अहम है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स उत्पाद की बिक्री के अलावा बाजार की प्रतिस्पर्धा पर भी निगाह रखते हुए इस बात का निर्धारण करते हैं कि किस उत्पाद के लिए बाजार में ज्यादा संभावनाएं हैं। इसी के मुताबिक रणनीति तैयार की जाती है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए यदि आपके पास बीफार्मा के साथ साथ एमबीए की भी डिग्री है तो सोने पर सुहागा वाली बात होगी। प्रशिक्षित पेशेवर की मांग दुनिया की बेहतरीन फॉर्मास्यूटिकल कंपनियां भारत में अपना कारोबार कर रही हैं। इनके अलावा, रैनबैक्सी, एफडीसी, कैडिला, शिपला, डॉ. रेड्डीज, डाबर, ल्यूपिन आदि कंपनियां भारत में व्यवसायरत हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की काफी मांग है।

यहां हैं मौके

नर्सिंग होम, अस्पतालों और कंपनियों में आपके लिए नौकरी के अवसर हैं। ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन और आर्म्ड फोर्सेज में भी काफी संभावनाएं हैं। बीफॉर्मा करने के बाद आप मैन्युफैक्चरिंग केमिस्ट, एनालिस्ट कैमिस्ट, ड्रग इंस्पेक्टर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग सेक्टर में भी आपके लिए कई अवसर मौजूद हैं। जिस तरह से मेडिकल टूरिज्म बढ़ रहा है और दवाइयों की खपत बढ़ीं हैं।

जेरियाट्रिक्स केयर बन कर सकते हैं चाहत पूरी

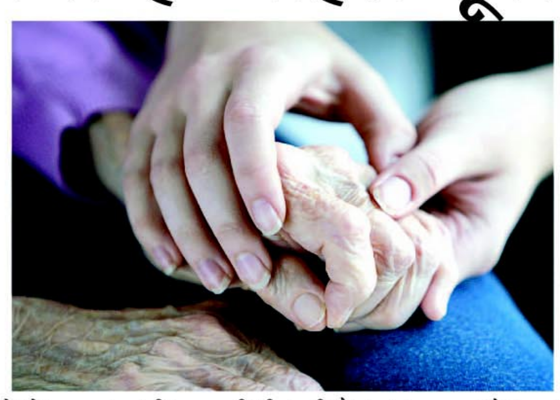

अगर आप सेवा के जुड़े क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं और साथ में अच्छी कमाई भी करना चाहते हैं कि जेरियाट्रिक्स केयर बन अपनी चाहत पूरी कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम का संचालन भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय करता है। इसका मकसद युवक-युवतियों को बुजर्गों की सेवा के लिए प्रशिक्षित करना है। पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ी हैं। दरअसल बुजर्गों की सेवा के लिए इस क्षेत्र में दक्ष लोगों की जरूरत को काफी पहले से महसूस किया जा रहा था।

इस जरूरत को ध्यान में रखकर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने जेरियाट्रिक्स केयर पाठ्यक्रम की शुरुआत की जिसके तहत बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के बारे में बताया जाता है। इस पाठ्यक्रम में मूल रूप से विद्यार्थियों को समुदाय के अंदर वृद्ध लोगों की स्थित, एकल और संयुक्त परिवारों के गुण-दोष, सामाजिक सुरक्षा संबंधी उपाय, वृद्धावस्था में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिति को समझने, पुनर्वास के अलावा उनकी समस्याओं को निपटाना, उनकी पोषाहार संबंधी जरूरतों की जानकारी और आहार प्रबंधन और मनोविज्ञान के अलावा वृद्धावस्था संबंधी देखभाल के आधारभूत सिद्धांतों की जानकारी दी जाती है। इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को घर-घर जाकर वृद्धों की समस्याओं पर रिपोर्ट भी तैयार करनी होती है।

अपार संभावनाएं

इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अपार संभावनाएं उभरी हैं। पीजी डिप्लोमाधारी अभ्यार्थी किसी सरकारी, गैर सरकारी, कॉरपोरेट क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थाओं में अच्छे पद पर कार्य कर सकता है। इसके अलावा गृह देखभाल कर्ता, उपचार सहायक, शारीरिक चिकित्सा सहायक, परियोजना निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, कल्याण अधिकारी बनकर भविष्य संवार सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डॉ. रेड्डी हैरिटेज फाउंडेशन, हैदराबाद।
- कलकत्ता मैट्रोपोलिटेन इंस्टीट्यूट ऑफ जिरानहोलॉजी, कोलकाता।
- न्यू इंटिग्रेटेड रूरल मैनेजमेंट एजेंसी, इम्फाल।
- राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, आरके पुरम, नई दिल्ली।

तीन कोर्स

बुजुर्गों की देखभाल संबंधी प्रमुख तौर पर तीन कोर्स चलाए जाते हैं। जिसमें तीन महीने और 6 महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और पीजी डिप्लोमा कोर्स शामिल है। तीन माह का कोर्स खासतौर से समाजसेवी संस्थाओं के लिए है जो देश में बुजुर्गों की देखभाल और उनके लिए कार्य करती हैं। पीजी डिप्लोमा कोर्स का मुख्य उद्देश्य समर्पित व्यक्तियों की एक टीम तैयार करना होता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में इस क्षेत्र से संबंधित गहन अध्ययन कराया जाता है जिसमें थ्योरी स्तर प्रैक्टिकल और परियोजना कार्य के अलावा इंटर्नशिप और सेमिनार प्रस्तुति भी सिखाई जाती है।

ऐसे होता है दाखिला

इन सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा देना पड़ती है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में नामांकन के लिए उम्मीदावार को किसी भी संस्थान से समाज विज्ञान, समाज कार्य, मानव विज्ञान, परिचर्चा या गृहविज्ञान में स्नातक होना आवश्यक है। साथ ही अभ्यर्थी की उम्र किसी भी हालत में 20 साल से कम नहीं होनी चाहिए।

वहीं वृद्धावस्था देखभाल संगठनों में कार्यरत या वृद्धावस्था सेवा क्षेत्र में प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारों, सामाजिक कार्यकर्ता, काउंसलर, स्वास्थ्य कर्मी और नर्सिंग के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

जबकि 3 और 6 महीने के प्रमाणपत्र कोर्स के लिए उम्मीदवार का मैट्रिक पास होना आवश्यक है साथ ही उसकी आयु 18 साल से कम नहीं होना चाहिए। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी को साक्षात्कार से भी गुजरना पड़ता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)